जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, शुक्रवार 2 अक्टूबर, 2026

RERA No. RAJ/P/2023/2387

इतिहास में पहली बार
रियल एस्टेट में क्लीयरेंस सेल
10 लाख का फ्लैट डिस्काउंट

KEDIA सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT
अजमेर रोड़, जयपुर

Kedia's THE KOTHI
भव्य•उत्कृष्ट•श्रेष्ठ

A Project By Kedia
THE KUNBA
बड़े परिवारों के लिए

KEDIA'S Corporate Club
RESIDENTIAL APARTMENTS

RERA No. RAJ/P/2023/2387
Flat Starts @64 Lacs
Kothi Starts @1.075 Cr

AJMER ROAD, JAIPUR
44 KOTHI LEFT

RERA No.: RAJ/P/2021/1523
Kothi Starts @40 Lacs

SIRSI ROAD, JAIPUR
18 KOTHI LEFT

Rera No. RAJ/P/2022/1900
Shop @20 Lacs
Kothi Starts @60 Lacs

PRATAP NAGAR, JAIPUR
6 KOTHI LEFT

RERA No.: RAJ/P/2017/178
2BHK @27 Lacs
3BHK @35 Lacs

VAISHALI EXTENSION, JAIPUR
22 FLATS LEFT

KEDIA® | 1800-120-2323 | info@kedia.com
www.kedia.com
78770-72737

SCAN QR FOR
• LOCATION
• ROUTE MAP
• SITE 360 TOUR
• E-BROCHURE
• WALKTHROUGH

*T&C Apply

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 62 प्रभात जयपुर, शुक्रवार 2 अक्टूबर, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

Duryodhana Meets Trump — "I alone can fix it." (Donald Trump, accepting the Republican nomination, July 2016)

The Inspiration Behind Mowgli

A Jewel from Tipu Sultan's Lost Throne — The bird's significance extends beyond its beauty. In Persian mythology, the Huma is a celestial bird of fortune and happiness

फ्लाई दुबई की फ्लाइट का सऊदी अरब में सुरक्षित उतरना, एक चमत्कार ही है

हवाई जहाज 30 सैकण्ड में बीस हजार फुट गिर रहा था, यह अपने आप में पर्याप्त दबाव बनाता है हवाई जहाज के एयरफ्रेम पर, उसे दो हिस्सों में तोड़ने के लिए

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर। पश्चिमी देशों के एविएशन जगत में इस बात पर सवाल उठने लगे हैं कि ओमान के एक नागरिक को संयुक्त अरब अमीरात के दुबई से इज़रायल के तेल अवीव जाने वाली उड़ान में सवार होने की अनुमति कैसे दी गई। ऐसी सुरक्षा चूक के कारण 9/11 जैसे विमान हादसे की स्थिति पैदा हो सकती थी।

ग्लोबल मीडिया में, खासकर पश्चिमी यूरोप और अमेरिका में, फ्लाई दुबई की उस उड़ान की सुरक्षा को लेकर चर्चाएं हो रही हैं, जो लगभग दुर्घटनाग्रस्त होने ही वाली थी। उड़ान के बीच में सह-पायलट ने विमान के कप्तान, जो एक भारतीय नागरिक थे, पर चाकू से हमला कर दिया। ऐसा लगता है कि उसका मकसद विमान को किसी दूसरी जगह ले जाना या उसे क्रैश करना था।

अच्छी बात यह रही कि कप्तान किसी तरह कॉकपिट का दरवाजा खोलने में सफल हो गये। इससे विमान में मौजूद यात्री कॉकपिट में जा सके और उन्होंने सह-पायलट को काबू में कर लिया। सौभाग्य से, विमान के यात्रियों में कुछ अन्य पायलट भी मौजूद थे। उन्होंने विमान को सुरक्षित रूप से पास के सऊदी अरब के एक हवाई अड्डे पर उतार दिया।

तथापि, तकनीकी रूप से यह बाल-बाल बचने का मामला था। विमान की बनावट इतनी मजबूत होती है कि जिस ऊंचाई और गति पर विमान उड़ते हैं, उस दौरान पड़ने वाले सामान्य

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- 9/11 की घटना के बाद, कॉकपिट के दरवाजे इतने मजबूत बनाये जाते हैं कि कोई भी यात्री बाहर से दरवाजा खोल कर कॉकपिट में प्रवेश नहीं पा सकता।
- अतः भारतीय पायलट स्मिथ मच्छार ने लहु-लुहान होते हुए भी कॉकपिट का दरवाजा अंदर से खोला और यात्रियों ने कॉकपिट में पहुँच कर ओमानी को-पायलट पर काबू पाया था।
- जानकार उड्डयन विशेषज्ञों को जब पूरा घटनाक्रम समझाया गया तो सभी ने इस निर्णय को बहुत अकलमंदी पूर्ण बताया कि हवाई जहाज को सऊदी अरब में पास के हवाई अड्डे पर उतारने का निर्णय लिया गया, क्योंकि जिस हालत में हवाई जहाज था, वह किसी भी लंबी उड़ान भरने की स्थिति में नहीं था।
- क्योंकि, सऊदी अरब व इज़रायल के बीच कोई "मैत्रीपूर्ण" संबंध नहीं है। यह निर्णय पायलट स्तर पर लिया गया, जो काबिल-ए-तारीफ फैसला था, जिसने हवाई जहाज को बचा दिया।

नर्सिंग ट्यूटर का शव होटल के कमरे में मिला

जयपुर, अक्टूबर। बजाज नगर क्षेत्र में टोंक रोड पर गांधीनगर रेलवे स्टेशन के पास एक होटल में युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान कोटपूतली-बहरोड़ के विराटनगर निवासी प्रकाश खींची (32) के रूप में हुई है, जो एमएससी नर्सिंग का छात्र होने के साथ, नर्सिंग स्टूडेंट्स को ट्यूशन भी पढ़ ाता था। घटना की जानकारी मिलने के बाद, मृतक के परिजनों और वकीलों ने हत्या की आशंका जताते हुए गुरुवार सुबह बजाज नगर थाने के बाहर रास्ता जाम कर जमकर नारेबाजी की और दोषियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए।

- वकीलों ने हत्या की आशंका जताते हुए थाने के बाहर प्रदर्शन किया।

पुलिस के अनुसार, प्रकाश आगरा से दो दिन पहले ही जयपुर आया था और ब्लू शाइन होटल में कमरा किराए पर लेकर ठहरा हुआ था। बुधवार शाम को कमरे से उसकी डेड बॉडी बरामद की गई। शव के हाथ में कैनुला लगा हुआ था और ड्रिप चढ़ रही थी। मौके से पुलिस को एक सुसाइड नोट भी मिला है।

राजस्थान हाईकोर्ट में वकालत कर रहे मृतक के भाई विक्रम सिंह खींची ने पुलिस में दी शिकायत में आरोप लगाया कि कुछ लोगों ने प्रकाश को बड़े सपने दिखाकर नौकरी दिलाने के नाम पर मोटी रकम ऐंठ ली थी। जब उसने अपने पैसे वापस मांगे, तो साजिश के तहत उसकी हत्या कर दी गई और मामले को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सोनिया गांधी "इंडिया ब्लॉक" की प्रेस कॉन्फ्रैंस में अचानक पहुँचीं

उनके अप्रत्याशित आगमन से काफी अफरा-तफरी मची, कौन कहाँ बैठेगा के सवाल पर

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर। बुधवार को दिल्ली में विपक्षी गठबंधन इंडिया की एक बड़ी बैठक में देशभर की अलग-अलग पार्टियों के नेता शामिल हुए।

बैठक के अंदर सब कुछ व्यवस्थित था। बैठने की व्यवस्था पहले से तय थी और एक बड़े आयताकार सेटअप के चारों ओर कुर्सियां लगाई गई थीं। बैठक की कार्यवाही भी सुचारू रूप से चल रही थी। जब प्रेस कॉन्फ्रैंस शुरू हुई, उस समय सभी नेताओं के नाम की प्लेटें भी अपनी जगह पर लगी हुई थीं।

तथापि, सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस नेता सोनिया गांधी अचानक वहां पहुंच गईं। किसी को उनके आने की उम्मीद नहीं थी। उनके आने के बाद बैठने की व्यवस्था को लेकर थोड़ी हलचल मच गई। आमतौर पर बैठने की व्यवस्था, जिसमें कुछ नेता आगे की कतार में और कुछ पीछे बैठते हैं, आपसी सम्मान सुनिश्चित करने के लिए बनाई जाती है।

सूत्रों के अनुसार, जिन पार्टियों के पास कम सांसद हैं, उनके नेता आमतौर पर पीछे बैठते हैं, जबकि मौजूदा या पूर्व मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री आगे की पंक्ति में बैठते हैं।

प्रेस कॉन्फ्रैंस हॉल में कुर्सियां इस तरह लगाई गई थीं कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की कुर्सी मंच के बीच में थी। उनके एक तरफ राहुल गांधी और दूसरी तरफ राष्ट्रीय जनता दल के तेजस्वी यादव की कुर्सी थी। उनके बगल में तृणमूल कांग्रेस की ममता बनर्जी और सीपीएम के महासचिव एमए बेबी बैठे थे।

कार्यक्रम शुरू होने से पहले कांग्रेस के कई नेताओं और तृणमूल कांग्रेस के नेता डैरेक ओ'ब्रायन ने बैठने की व्यवस्था का जायजा लिया था। लेकिन सम्मेलन शुरू होने से ठीक पहले सोनिया गांधी पहुंच गईं और उनकी मौजूदगी से सभी लोग अचानक चौंक गए।

सूत्रों के अनुसार, उनके लिए कहीं भी कोई नेमप्लेट नहीं लगी थी।

ममता बनर्जी और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की सुप्रिया सुले, सोनिया गांधी के लिए तय सीट ढूंढने लगीं। सभी ने उन्हें राहुल गांधी की सीट पर बैठने का इशारा किया। तथापि, सोनिया गांधी तेजस्वी यादव की कुर्सी पर बैठ गईं।

तभी खड़गे हॉल में आए और उन्होंने अपने बगल में एक सीट लगाने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- सभी सदस्यों के लिए, उनके पद व रूतबे के अनुसार नेमप्लेट लगाकर काफी विस्तृत "सीटिंग अरेंजमैंट" किया गया था।
- ममता बनर्जी, सुप्रिया सुले ने सोनिया गांधी के लिए कुर्सी की काफी तलाश की, पर, कोई कुर्सी न मिलने के कारण, सोनिया गांधी, तेजस्वी यादव की सीट पर बैठीं और कार्यवाही शुरु हुई।

'भारतीय पायलट स्मिथ मच्छार की हालत काफी गंभीर थी'

मूसाएव शोता, वैसे तो एक डेन्टिस्ट हैं, पर, क्योंकि फ्लाइट में और कोई डॉक्टर नहीं था, उनको ही भारतीय पायलट को बचाने की जिम्मेवारी निभानी पड़ी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर। फ्लाईदुबई फ़्लाइट के भारतीय पायलट स्मित मच्छार को उनके को-पायलट ने चाकू मार दिया था, जिससे उनका बहुत ज़्यादा खून बह रहा था और वे बेहोश हो रहे थे। फिर भी, उन्होंने कॉकपिट का दरवाज़ा खोला और प्लेन में सवार 174 लोगों की जान बचाई। यह बात प्लेन में सवार एक इज़राइली डेंटिस्ट ने बताई।

कैप्टन मच्छार को सऊदी अरब से दुबई के अस्पताल एयरलिफ़्ट किया जा रहा है।

पेशे से डेंटिस्ट मूसाएव शोता उन चार यात्रियों में से एक थे, जो फ़्लाइट एफ ज़ैड 1073 में सबसे पहले कॉकपिट की ओर दौड़े थे, जब ओमान के को-पायलट ने कथित तौर पर प्लेन को क्रैश करने की कोशिश की थी। संदिग्ध हमलावर को काबू में करने और रोकने में मदद करने के बाद, शोता ही वह पहले व्यक्ति थे, जिन्होंने मच्छार का इलाज किया और उन्हें इमरजेंसी मेडिकल ट्रीटमेंट दिया, जिससे उनकी जान बचाने में मदद मिली।

इज़रायली मीडिया आउटलेट "वायनैट" से बात करते हुए, शोता ने उन डरावने पलों को याद किया और कहा, "मैंने इंतज़ार नहीं किया। मैंने देखा कि कुछ गड़बड़ है और मैं दौड़ पड़ा।"

उन्होंने बताया कि मच्छार "बहुत बुरी हालत में थे, उनके सिर और हाथों से बहुत ज़्यादा खून बह रहा था।"

उन्होंने कहा, "मैं प्लेन में अकेला डॉक्टर था। मैं खून बहने से रोकने में कामयाब रहा, लैंडिंग से कुछ देर पहले तक पायलट की हालत काफ़ी स्थिर थी, लेकिन फिर उनकी हालत थोड़ी बिगड़ गई।" शोता ने सी.एन.एन. को बताया कि पायलट के शरीर पर कई जगह कट

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- मूसाएव शोता के अनुसार, भारतीय पायलट के सिर व हाथों पर भारी चोट लगी थी तथा को-पायलट के वार से उनके हाथ, एकदम खुल से गए थे तथा बाकी शरीर से अलग होने की स्थिति में थे।

'सत्य, अहिंसा व सादगी को जीवन में उतारने का संकल्प लें'

जयपुर, 1 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती (2 अक्टूबर) पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि महात्मा गांधी ने सत्य, अहिंसा, त्याग और सत्याग्रह के माध्यम से देश को स्वतंत्रता की राह दिखाई। उनका जीवन और विचार आज भी पूरी मानवता के लिए प्रेरणा स्त्रोत हैं। गांधीजी ने स्वच्छता, स्वदेशी, ग्राम स्वराज और आत्मनिर्भरता के माध्यम से सशक्त एवं स्वावलंबी भारत का मार्ग प्रशस्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का जीवन सादगी, ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रसेवा की मिसाल है।

- मुख्यमंत्री भजनलाल ने गांधी जयंती व शास्त्री जयंती पर शुभकामनाएं दीं।

पंजाब का प्रभारी नियुक्त होने के बाद, अब सचिन ने अपनी रिपोर्ट दी हाईकमान को

प्रदेशाध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने अपना इस्तीफा दिया और कहा, हाईकमान ने जिम्मेवारी दी थी और अब किसी और को मौका देने की सोची है, अतः मुझे कोई आपत्ति नहीं है

- श्रीनंद झा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर। पद संभालने के कुछ ही समय बाद सचिन पायलट ने पंजाब में पार्टी संगठन में बदलाव की प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह कदम अगले साल की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनावों को मद्देनजर रखते हुए उठाया गया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने इस्तीफा दे दिया है। माना जा रहा है कि यह कदम राज्य कांग्रेस में लगातार चल रही गुटबाजी, खासकर पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के खेमे के साथ चल रही खींचतान को कम करने के मकसद से उठाया गया है। कहा जा रहा है कि आपसी कलह और नेतृत्व के काम-काज पर पायलट की रिपोर्ट ने इस बदलाव का रास्ता साफ करने में अहम भूमिका निभाई है। पूर्व मंत्री, कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य और राहुल गांधी के करीबी माने जाने वाले विजय इंदर सिंगला इस पद के लिए सबसे आगे चल रहे हैं, जबकि परगट सिंह और सुखजिंदर सिंह रंधावा के नाम भी इस पद की दौड़ में हैं।

चुनाव से पहले हुए इस बदलाव से कांग्रेस का यह संकल्प झलकता है कि वह सार्वजनिक रूप से दिख रही अव्यवस्था को कम करेगी और सत्ताधारी आम आदमी पार्टी को एकजुट होकर चुनौती देगी। पंजाब की राजनीति सत्ता के कई केन्द्रों और समुदाय आधारित समीकरणों से तय होती है।

ध्रुवीकरण में विश्वास रखने वाले प्रदेश अध्यक्ष को बदलने का मकसद पार्टी यूनिट में स्थिरता लाना, उम्मीदवारों के चयन और चुनावी संदेश में बेहतर तालमेल बनाना और आंतरिक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- विजय इंदर सिगला नया प्रदेशाध्यक्ष बनने की स्पर्धा में सबसे आगे हैं। अन्य प्रतिस्पर्धी हैं, परगत सिंह, सुखजिंदर सिंह रंधावा।
- एक जाट सिख को प्रदेशाध्यक्ष न बनाकर, कांग्रेस इस परंपरा को तोड़ना चाहती है कि जो प्रदेशाध्यक्ष बनेगा, वह ही भावी मु.मंत्री का सबसे सशक्त चेहरा है।
- कांग्रेस ने गैर जाट सिख को प्रदेशाध्यक्ष बनाकर इस संभावना को मजबूत किया है कि जाट-सिख को मु.मंत्री बनाने की प्रबल संभावना है तथा चुनाव जीतने के बाद, यह निर्णय होगा कि कौन जाट सिख मु.मंत्री बने।
- इससे सभी जाट सिख नेता मन लगाकर पार्टी को जीताने का प्रयास करेंगे।

कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम बढ़े

नई दिल्ली, 01 अक्टूबर। त्योहारी सीजन से ठीक पहले गुरूवार को, कमर्शियल एलपीजी सिलिंडर की कीमतों में उछाल दर्ज की गई है। तेल-गैस का कारोबार करने वाली कंपनियों ने दाम 60-70 रुपये से अधिक बढ़ाए हैं। महंगे हुए 19 किलो वाले कमर्शियल गैस सिलिंडर की नई कीमतें अलग-अलग शहरों में टैक्स के मुताबिक भिन्न रहती हैं। ऐसे में आज हुई कीमतों में बढ़ोतरी के बाद भी नई दरें अलग-अलग होंगी। घरेलू गैस के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

- तेल कंपनियों ने दाम में 60 से 70 रुपये की वृद्धि की।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 19 किलोग्राम वाले सिलिंडर की कीमत में 62.50 रुपये की वृद्धि हुई है। दिल्ली में नई कीमत 2,810 रुपये हो गई है। त्योहारी सीजन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पंजाब की दुविधा, नया प्रदेशाध्यक्ष, लेटर हैड तो बदल सकता है.......

पर, नया प्रदेशाध्यक्ष, पार्टी में सालों से सक्रिय खेमों को, इतनी आसानी से खत्म नहीं कर पाएगा

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर। कांग्रेस 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले राज्य में विरोधी गुटों को एकजुट करने की कोशिश में, अपने पंजाब प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग की जगह विजय इंदर सिंगला को लाने की तैयारी में है।

जाट की जगह हिंदू नेता को लाने से दिल्ली के राजनीतिक समीकरण तो बदल सकते हैं, लेकिन पंजाब में इसका उल्टा असर हो सकता है। सिख मतदाताओं का एक बड़ा वर्ग इस फैसले से खुद को अलग-थलग महसूस कर सकता है।

पंजाब प्रदेश अध्यक्ष के पद के लिए संभावित नामों की सूची में सिंगला सबसे आगे हैं। इस सूची में परगट सिंह, सुखजिंदर सिंह रंधावा और यहां तक कि प्रताप सिंह बाजवा के नाम भी शामिल हैं।

पंजाब कांग्रेस में नेतृत्व परिवर्तन की चर्चा के बीच, अब दिल्ली में पार्टी की बैठकों में एक सवाल सबसे अहम हो गया है: जाट चेहरे की जगह हिंदू चेहरे को लाना क्या बड़ा राजनीतिक दांव साबित होगा या इससे गुटबाजी की एक और नई लहर शुरू हो जाएगी?

सचिन पायलट ने करीब तीन सप्ताह तक वरिष्ठ नेताओं, सांसदों, विधायकों और संगठन के कार्यकर्ताओं से बातचीत की। इसके बाद उन्होंने अपनी रिपोर्ट कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी को सौंपी। पार्टी सूत्रों के अनुसार, रिपोर्ट में वड़िंग को लेकर पार्टी के अंदर मौजूद असंतोष का जिक्र किया गया है।

- जैसा कि, पुराने राजनीतिक जानकारों ने कहा, प्रभारी के सामने तो सभी मुस्काने बिखरते नज़र आते हैं, पर, जैसे ही प्रभारी की पीठ मुड़े, फिर वह ही "ढाक के तीन पात" और एक-दूसरे का गला काटने को तत्पर।

वड़िंग सार्वजनिक रूप से सावधानी से बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा है कि उन्हें पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष पद का कोई खास लोभ नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि हाई कमान ने उन्हें यह जिम्मेदारी दी थी। अगर हाई कमान किसी और को जिम्मेदारी देना चाहता है, तो वह पद छोड़ने के लिए तैयार हैं। यानी उन्होंने सार्वजनिक रूप से किसी तरह का टकराव पैदा नहीं किया है। फिर भी, अगर उनके समर्थकों को लगता है कि उनके समुदाय को नजरअंदाज किया जा रहा है, तो वे चुप नहीं रह सकते।

अगर कांग्रेस राजा वड़िंग की जगह विजय इंदर सिंगला को लाती है, तो वह इसे "हिंदू चेहरे" के रूप में पेश करेगी। इस लेबल के राजनीतिक मायने हैं। पंजाब में जाट सिखों का नेटवर्क आज भी ग्रामीण संगठन, किसान राजनीति और कई जिला इकाइयों को प्रभावित करता है। इसलिए अचानक बदलाव से ऐसा संदेश जा सकता है कि जाट नेतृत्व को हटाया जा सकता है।

पंजाब में सिख आबादी करीब 58 प्रतिशत है और ग्रामीण क्षेत्रों में उनकी संख्या बहुमत में है। दो बड़े सामाजिक समूह आज भी सत्ता के समीकरण को प्रभावित करते हैं। जाट सिख करीब 20 से 22 प्रतिशत हैं। वे जमीन, गांव के नेतृत्व और राज्य की राजनीति के बड़े हिस्से पर प्रभाव रखते हैं और राज्य के अधिकांश मुख्यमंत्री इसी समुदाय से रहे हैं। अनुसूचित जातियां करीब 32 प्रतिशत हैं, जो किसी भी भारतीय राज्य में सबसे बड़ा हिस्सा हैं। वे खासकर दोआबा क्षेत्र में निर्णायक भूमिका निभाती हैं। हिंदू आबादी लगभग 38 से 40 प्रतिशत है और शहरों में उसका प्रभाव अधिक है। इसलिए ग्रामीण पंजाब में सिखों का दबदबा है, जबकि कई शहरी सीटों पर हिंदू महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये सभी मिलकर, न कि कोई एक समुदाय, पंजाब के मतदाताओं की पसंद तय करते हैं।

सिंगला को आगे बढ़ाना इस शहरी और अर्ध-शहरी मतदाता आधार को मजबूत करने की एक सोची-समझी कोशिश होगी। इसके अलावा, इससे यह संदेश भी जाएगा कि कांग्रेस केवल पुराने सिख गुटों के बीच ही राजनीतिक संतुलन बनाने की कोशिश नहीं कर रही है। ऐसी पार्टी के लिए, जिसने आम आदमी पार्टी के कारण अपना आधार खोया है और जिसे शहरों में भारतीय जनता पार्टी के मजबूत होते अभियान का सामना करना पड रहा है, उसके लिए यह संदेश तर्क संगत हो सकता है।

लेकिन किसी रणनीति का तार्किक होना और उसका सफलतापूर्वक लागू होना एक ही बात नहीं है। पंजाब कांग्रेस का हिंदू प्रदेश अध्यक्ष अपने स्तर पर हिंदू वोटों को कांग्रेस की ओर नहीं ला सकता, अगर स्थानीय संगठन बंटा हुआ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्यमंत्री शिवकुमार चुनाव आयोग के खिलाफ धरने पर बैठे

बेंगलुरु, 01 अक्टूबर। केन्द्रीय चुनाव आयोग में आंतरिक मतभेद और एसआईआर के मुद्दे पर सीईसी ज्ञानेश कुमार की घेराबंदी के बीच, गुरुवार को कर्नाटक में हाईवोल्टेज ड्रामा सामने आया है। राज्य के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार विधायकों और मंत्रियों के साथ कर्नाटक राज्य चुनाव आयोग के दफ्तर पहुंचे और फार्म 7 का बड़े पैमाने पर दुरुपयोग होने और धोखाधड़ी का मुद्दा उठाया। इसके बाद, डीके शिवकुमार मंत्रियों और विधायकों के साथ धरने पर बैठ गए।

- वे विधायकों व मंत्रियों के साथ आयोग के कार्यालय पहुंचे, मुद्दा उठाया और धरने पर बैठे।

सीएम डीके शिवकुमार और कांग्रेस का आरोप है कि विपक्षी दल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

CMYK

जयपुर के बाजारों की तंग गलियों में बन गए बहुमंजिला कॉम्पलेक्स, सड़कों का गला घोंटा!

जयपुर चारदीवारी के भीतर तथा एम.आई. रोड पर अजमेरी गेट से लेकर खासाकोठी तक मुख्य सड़क से जुड़ने वाले बाजारों में दिन के समय में वाहन निकलना तो दूर, पैदल आने-जाने की जगह भी नहीं बचती

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। गुलाबी नगरी के बाजारों में विगत वर्षों में इमारतें तो बहुमंजिला होती गईं, लेकिन उनके सामने की सड़क व आवाजाही का रास्ता संकरा होता गया। सरकारी कागजों में जो सड़कें 30-40 फीट चौड़ी हैं, वहां सिर्फ आज संकरी गलिया हैं। चाहे चारदीवारी के भीतर जयंती मार्केट, इंदिरा बाजार, संजय बाजार, बापू बाजार हों, या फिर एम.आई. रोड पर अजमेरी गेट से लेकर खासा कोठी तक मुख्य सड़क से जुड़ने वाले बाजार व गलियां व जालूपुरा का क्षेत्र। यहां दिन के समय में गाड़ियों से गुजरना तो दूर, पैदल निकलना भी दूभर है।

जयपुर शहर में जो दुकानें कभी एक छत की हुआ करती थी, वहां जेडीए व नगर निगम की बिना अनुमति व सांठगांठ से विगत वर्षों में जीरो सेटबैक पर बहुमंजिला कॉम्पलेक्स खड़े हो गए। नतीजन मुख्य सड़क व फुटपाथ घटते रहे। इन बाजारों में वाहन पार्किंग की जगह छोड़ना तो दूर दुकानदारों ने अपना सामान भी मुख्य सड़क और फुटपाथ पर रखकर कब्जा जमा रखा है। हालात ऐसे हैं कि आगजनी अथवा अन्य किसी अप्रिय घटना के भय से यहां जान-माल का नुकसान होने का खतरा हमेशा बना रहता है, परंतु जेडीए व नगर निगम प्रशासन लीपापोती में जुटे हैं।

पिछले दिनों त्रिपोलिया बाजार के मणिहारों का कटला स्थित 3 मंजिला सेठी कॉम्प्लेक्स में लगी भीषण आग ने इस खतरे की तस्वीर सामने ला दी है। यहां दूसरी मंजिल पर बने चूड़ी के गोदाम में लगी आग ने अन्य 25 दुकानों को स्वाहा कर दिया। यहां करीब 25-30 दमकल और 50-60 कर्मचारी कई घंटे तक आग पर काबू पाने में जुटे रहे। इमारत में पर्याप्त वेंटिलेशन नहीं होने के कारण दमकलकर्मियों को अंदर पहुंचने में परेशानी हुई और आग बुझाने के लिए कुछ हिस्सों में तोड़फोड़ करनी पड़ी। यानी कि खतरा केवल आग से नहीं था-इमारत के भीतर पहुंचना भी एक चुनौती था। यहां आग लगी तो 2 दिन तक नगर निगम प्रशासन हरकत में आया, नोटिस थमाए, फायर एनओसी चैक की....आखिरकार सिस्टम की नाकामी का ठीकरा फायर ऑफिसर के माथे फोड़कर उसे निलंबित कर दिया।

परंतु सवाल यह है कि, जयपुर में बाजारों में एक मंजिला दुकानों को तोड़कर आज वहां रातोंरात बहुमंजिला कॉम्पलेक्स खड़े हो रहे हैं, उसके जिम्मेदार कौन है? यहां ना आवाजाही का रास्ता है और ना ही दुर्घटना की स्थिति में बचाव का कोई इंतजाम। जिन मकान दुकानों की नींव भी कम हैं, वहां मौका पाकर मंजिल-दर-मंजिल ऊंचाई बढ़ाई जा रही है।

ऐसा नहीं है कि नगर निगम प्रशासन को इसकी भनक नहीं, लेकिन सिर्फ नोटिस देकर लीपापोती की जाती है और नोटिस की आड़ में बिल्डिंगें बनकर तैयार हो रही है। यह सवाल अब केवल कागजों या नक्शों तक सीमित नहीं है। हाल ही के अग्निकांडों ने दिखाया है कि घनी बस्ती और संकरे रास्तों में आग लगने के बाद दमकलकर्मियों के सामने आग बुझाने के साथ-साथ इमारत तक पहुंचने, अंदर जाने, लोगों को निकालने और आसपास की दुकानों को बचाने की चुनौती रही है।

दिल्ली के कोचिंग संस्थान में अग्निकांड के बाद जयपुर के कोचिंग सेंटर्स को जेडीए व नगर निगम प्रशासन ने नोटिस तो थमाए, कुछ जगहों पर सीलिंग की कार्रवाई भी की, लेकिन वहां भी प्राय: यही देखने को मिला कि कोचिंग सेंटर्स में छात्रों की आवाजाही की पर्याप्त जगह ही नहीं है। आगजनी अथवा अन्य किसी अप्रिय घटना के समय सुरक्षित निकासी का कोई इंतजाम ही नहीं मिला। इस अग्निकांड के बाद 2-4 दिन तो निगम प्रशासन एक्टिव रहा, परंतु उसके बाद पुन: सुस्त अवस्था में जा पहुंचा।

देखा जाए तो वर्तमान में नगर निगम और जेडीए के पास ऐसी कोई व्यवस्था ही नहीं है, जिससे यह जांच हो सके कि किस आवासीय-कमर्शियल भूखंड पर तय सेटबैक, सुरक्षित प्रवेश-निकासी का इंतजाम है या नहीं।

अगर कहीं शिकायत आती है तो प्रवर्तन शाखा भी उस पर ''पिक एंड चूज'' की नीति से काम करती है। वर्तमान में जयपुर के प्रमुख बाजारों और रिहायशी इलाकों में मुख्य सड़कें मास्टर प्लान व सेक्टर प्लान में दर्शायी गई स्थिति से आधी भी नहीं है।

बाजारों में लगने वाले अवैध थड़ी ठेले, दुकानदारों द्वारा सड़क पर सामान रखकर किए गए अतिक्रमणों को रोकने वाला कोई नहीं है। जेडीए और नगर निगम प्रशासन जो कार्रवाई करता भी है तो वह मुख्य सड़कों पर अस्थायी अतिक्रमणों पर करता है, बाजारों के भीतर आवाजाही का रास्ता राम भरोसे है।

जयपुर चारदीवारी के भीतर बाजारों की तंग गलियों में कभी एक-दो मंजिल की दुकान-मकान हुआ करते थे, लेकिन आज यहां हैरिटेज इमारतों को तोड़कर बहुमंजिला कॉम्पलेक्स खड़े हो गए हैं।

- **जयपुर के इन प्रमुख बाजारों में कभी एक-दो मंजिला दुकानें हुआ करती थीं, लेकिन आज जेडीए व नगर निगम की अनदेखी व सांठगांठ से बहुमंजिला कॉम्पलेक्स खड़े हो गए, इसके बावजूद प्रशासन यहां कार्रवाई की जहमत तक नहीं उठाता।**
- **पिछले दिनों त्रिपोलिया बाजार में मणिहारों के कटले में लगी आग से 25 दुकानें जलकर स्वाहा हो गयी, इन बाजारों में भयावह स्थिति यह थी कि अग्निशमन टीम आग बुझाने से ज्यादा मशक्कत दुकानों तक पहुंचने में करनी पड़ी।**
- **ऐसे में सवाल उठता है कि, परकोटे और उसके बाहर के बाजारों में अवैध अतिक्रमणों से जिन सड़कों का गला घोंटा हुआ हैं, वहां जेडीए-नगर निगम प्रशासन राहत कब देगा, क्या कोई अनहोनी होने पर?**

'विश्वेन्द्र सिंह द्वारा डोटासरा पर सवाल उठाना दिखाता है कि पार्टी में सब ठीक नहीं'

जयपुर (कासं)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि पूर्व मंत्री विश्वेंद्र सिंह जैसे जिम्मेदार और स्पष्ट छवि वाले व्यक्ति ने अपनी ही पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष को लेकर सवाल उठाए हैं तो इससे साफ है कि पार्टी के भीतर सब कुछ ठीक नहीं है। इस मामले में ''दाल में कुछ काला'' नजर आता है।

गुरुवार को एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में शेखावत ने कहा कि कांग्रेस निकाय चुनावों में भारतीय जनता पार्टी का सूपड़ा साफ होने का दावा कर रही थी, लेकिन भाजपा ने 70 प्रतिशत से अधिक निकायों में अपने चेयरमैन बनाने में सफलता हासिल की। शेखावत ने कहा, पंचायती राज चुनावों के परिणाम आने के बाद भी कांग्रेस इसी तरह की टिप्पणियां करेगी। उन्होंने कहा कि इसके बाद कांग्रेस कभी ईवीएम को तो कभी प्रशासनिक व्यवस्थाओं को जिम्मेदार ठहरा सकती है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रदेश की जनता सब कुछ जानती है।

राजसमंद के पूर्व सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता गोपाल सिंह ईडवा ने गुरुवार को कर्तव्य भवन, नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इस दौरान राजस्थान की वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों, संगठनात्मक गतिविधियों, विकास परियोजनाओं तथा विभिन्न जनसरोकारों से जुड़े विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई।

चोर को सब नजर आते हैं चोर : राठौड़

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने ब्यावर, भीलवाड़ा प्रवास के दौरान कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि चोर को सब नजर आते हैं चोर, जो जैसा होता है, उसको वैसा ही सब नजर आता है। कांग्रेस का दोहरा चरित्र जनता पहचान चुकी है। एक ओर जीत का श्रेय ले रहे है तो दूसरी ओर संवैधानिक संस्थाओं पर आरोप लगाकर उन्हें कमजोर करने का षडयंत्र रच रहे है। प्रदेश के 309 निकाय चुनावों में से कांग्रेस 100 का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाई। यह स्थिति कांग्रेस के संगठन, नेतृत्व और जनता के बीच उसके प्रभाव पर गंभीर सवाल खड़े करती है। कांग्रेस को दूसरों पर आरोप लगाने के बजाय अपनी राजनीतिक स्थिति और संगठन की कमजोरी पर आत्ममंथन करना चाहिए।

नाम परिवर्तन

मैंने मेरा नाम आकांशा शर्मा से बदलकर आकांशा गौरव खोखर रख लिया है। भविष्य में मुझे ऐसी नाम से जाना व पहचाना जाएं। निवासी बी-305, शिव ऑफिसर्स कॉलोनी जगतपुरा जयपुर

खोया पाया

मेरे मकान 1/210 मालवीय नगर का मूल डिक्लेरेशन जयपुर में कहीं खो गया है मिलने पर सूचित करें- सुनीता सनमुखानी 9799355558

मेरा मकान सं. 268/115 प्रताप नगर सांगानेर जयपुर का मूल नो-ड्यूज, कब्जा पत्र, डिमांड लैटर, जमा रसीद आदि कहीं गुम हो गये है। मिलने पर सम्पर्क करें। ममता-9694245436

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य बनवारी लाल सामरिया पुत्र श्री रामचन्द्र सामरिया, निवासी- 191, गोटेवाले की बगीची, ट्रांसपोर्ट नगर, जयपुर (राज.) के स्वामित्व की कृषि भूमि 21.70 बीघा ग्राम बीलपुर, तहसील आमेर जिला जयपुर में स्थित है जिसके बाबत ग्रीनटेक इन्फाबिल्ड प्रा.लि. के डायरेक्टर निर्मल कुमार माधोगढिया द्वारा कूटरचित, फर्जी, तथाकथित मुख्त्यारआम दिनांक 12. 10.2021 बनाकर उक्त कृषि भूमि जो कि 90ए हो चुकी है, को खुर्द बुर्द करने पर आमादा है। उक्त तथाकथित मुख्त्यारआम के आधार पर निर्मल कुमार माधोगढिया ने अपनी पत्नि के नाम पर तीन विक्रय पत्र निष्पादित कर दिये है जिनको अवैध, विधि विरुद्ध, शुन्य, निष्प्रभावी घोषित करवाने का वाद न्यायालय मे विचाराधीन है। उक्त सूचना के माध्यम से उक्त तथाकथित फर्जी कूटरचित मुख्त्यारआम दिनांक 12.10. 2021 को मेरा अभिभाष्य निरस्त करते हुए अवैध, विधि विरुद्ध, शून्य व निष्प्रभावी घोषित करता है, सूचित रहे।
जयपुर (मनोज शर्मा) एडवोकेट
दिनांक:1/10/26 मो.-9413764409, 9887566756

राजस्थान राज्य सहकारी आवासन संघ लि., जयपुर
5 वीं व 6ठीं मंजिल नेहरू सहकार भवन, 22 गोदाम सर्किल, जयपुर
Phone: 0141-2741805, E-mail: rschfjaipur@yahoo.com
Office website: www.rschf.com
क्रमांक-11/2/26 **आम सूचना** दिनांक-28/9/26
संघ की आवासीय योजना केसरीचन्द चौधरी नगर, अजमेर रोड, जयपुर का भवन संख्या-4/63, संघ द्वारा श्रीमती वृन्दा माथुर को आवंटित कर वर्ष 1999 मे कन्वेन्स डीड एवं परप्यूचल लीज जारी कर रजिस्ट्री करवा दी गई थी, जिसकी श्रीमती वृन्दा माथुर द्वारा 04.10.2004 को मुख्यतारनामा आम (रजिस्टर्ड) श्री मदनचन्द्र भार्गव को की गई। श्री मदनचन्द्र भार्गव द्वारा बहैसियत मुख्यतारनाम श्रीमती वृन्दा माथुर के श्रीमती नीलम कपूर पत्नि श्री जितेन्द्र कपूर को दिनांक 29.12.2005 को विक्रय किया गया। तत्पश्चात् उक्त भवन को रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 06.07.2026 द्वारा श्रीमती संगीता सिंह पत्नि श्री गौरव हाडिया द्वारा क्रय कर आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत कर स्वयं के नाम ट्रांसफर कराने हेतु आवेदन किया गया है। जिस किसी को उक्त भवन पर आपत्ति हो तो संघ कार्यालय मे 15 दिवस मे प्रमाण सहित प्रस्तुत करें, अन्यथा भवन संख्या-4/63, केसरी चन्द चौधरी नगर, अजमेर रोड, जयपुर को श्रीमती संगीता सिंह पत्नि श्री गौरव हाडिया के नाम हस्तांतरण कर दिया जावेगा।
(नवीन शर्मा) प्रबंध निदेशक
राजस्थान राज्य सहकारी आवासन संघ लि.जयपुर

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य दया सिंह पुत्र श्री दिलीप सिंह, निवासी- ए-71, गली नम्बर-2, गुरू तेग बहादुर नगर, झालाना डूंगरी, जवाहर नगर, जयपुर, राज. 302004 की ओर से हर आम व खास को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य अपने पुत्र बलविन्द्र सिंह पुत्र श्री दया सिंह जो कि मेरे अभिभाष्य के कहने में नही है इसलिए मेरे अभिभाष्य अपने उक्त पुत्र को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्तियों से बेदखल करता है। आज के बाद मेरे अभिभाष्य के उपरोक्त पुत्र द्वारा किये गये किसी भी राशि का लेन-देन करने किसी भी प्रकार की घटना एवं वाद-विवाद उत्पन्न करने तथा संव्यवहार अन्य किसी भी प्रकार के कृत्य के लिए जिम्मेदार व जवाब देह नहीं होंगे। सूचित रहें।
जयपुर (मनदीप सिंह चौहान) एडवोकेट
दिनांक-1/10/2026 मो.नं.- 9529846073

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत-तृतीय,
जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर-0141-4901853
क्रमांक 3388 **आम जाहिर सूचना** दि.01.10.2026
राजस्थान आवासन मण्डल जयपुर द्वारा आवास संख्या 14/MB/154 इंदिरा गांधी नगर जगतपुरा जयपुर, क्षेत्रफल 112.00 वर्ग मीटर का आवंटन श्री महबूब अली पुत्र श्री जहीर खॉं को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 450 दिनांक 19/04/2011 जारी किया गया था। उनके द्वारा उक्त आवास का मुखत्यारनामाआम श्री श्याम लाल पुत्र श्री गोपीराम को नियुक्त किया गया। उक्त मुखत्यारनामाआम कार्यालय उपपंजीयक जयपुर अष्टम् में दिनांक 28/10/2014 को पंजीबद्ध है। तत्पश्चात श्री श्याम लाल पुत्र श्री गोपीराम के द्वारा आवास के पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर प्रथम में दिनांक 11/09/2015 को करवाया गया। पंजीयन उपरान्त मुखत्यारनामाआम धारक श्री श्याम लाल पुत्र श्री गोपीराम के द्वारा उक्त आवास का बेचान जरीये विक्रय पत्र श्री बाबूलाल मीना पुत्र श्री जगदीश प्रसाद मीना को कर, विक्रय पत्र का निष्पादन कार्यालय उपपंजीयक जयपुर प्रथम में दिनांक 06/10/2015 को करवाया गया। श्री बाबूलाल मीना पुत्र श्री जगदीश प्रसाद मीना के द्वारा आवास का मूल आवंटी के नाम पंजीयन हो जाने के बाद पश्चातवर्ती अंतिम क्रेती का नाम मण्डल अभिलेख में दर्ज करने बाबत निवेदन किया गया है। अतः नाम दर्ज के संबंध में किसी भी व्यक्ति/बैंक/संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता श्री बाबूलाल मीना पुत्र श्री जगदीश प्रसाद मीना का नाम मण्डल रिकार्ड में दर्ज कर दिया जायेगा। सम्पदा प्रबंधक- राजस्थान आवासन मण्डल, वृत-तृतीय, जयपुर।

उत्तर पश्चिम रेलवे
संख्या: डबलू/118/निविदा/वमई(सम0)
जयपुर/इन्जीनिरिंग दिनांक 30.09.2026
सूचना पत्र
इस कार्यालय द्वारा ज्ञापित खुली निविदा सूचना संख्या ड्बलू/118/ निविदा/ वमई(सम.) जयपुर/इंजीनिरिंग दिनांक 21.09.2026 के तहत निविदा संख्या इंजी./ जय/2026-27/108, 109, 110 एवं 111 जो कि दिनांक 10.10.2026 को खोली जानी थी, वह अपरिहार्य कारणों से रद्द कर दी गई है।
मंडल रेल प्रबंधक (इन्जीनिरिंग) जयपुर कृते भारतीय संघ के राष्ट्रपति के लिए व उनकी ओर से
1414-PH/26
हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

नम्बर मिलाइए 8890333139

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 728/2026
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि श्री कृष्ण कुमार मीणा, निवासी, ग्राम जवाहर (जटवाडा), दौपुर, बस्सी, जयपुर जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास उज्जवल शिक्षा एंड सेवा ट्रस्ट, ग्राम दोपुर, ग्राम जवाहर (जटवाडा), दोपुर, बस्सी, जयपुर ने राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 11.08.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 14.10.2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग जयपुर

उत्तर पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना
डी.आर.एम/बिजली, उ.प.र. जोधपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के वास्ते एवं मंडल की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आंमत्रित करते हैं। **निविदा संख्या:** GSUELECTG-10R4/2025-26, **कार्य का विवरण:** Electrical work in connection with (a) provision of new FOB at Jalsu, Gachhipura, Marwar Lohawat, Deshnok stations. (b) Provision of customer facilities at Goods shed of Kairla Station. **अनुमानित लागत (₹):** ₹ 8713774.59; **निविदा संख्या:** 21R1/ 2026-27, **कार्य का विवरण:** Electrical work in connection with (A) provision of new station building with - (i) booking office, waiting hall, 02 nos waiting room, retiring room at Makrana (NSG-4) category station, (ii) booking office, waiting hall, waiting room at NAWA city station (NSG-5) category station, (iii) provision of second entry with - booking office, waiting hall at RKB station (NSG-5) (B) Electrical work in connection with provision of new additional high level full length platform no.2 with 03 seater benches, water booths, 03 bay platform shelters & pathway for inter platform movement of wheel chairs at Marwar Lohawat, Tivari, Marwar Mathania (03) stations in the section of Sr.DEN/Central. **अनुमानित लागत (₹):** ₹ 14270707.68; **निविदा संख्या:** 25/2026-27, **कार्य का विवरण:** (i) Electrical work in connection with Extension of Sick line Shed at Coach Care Complex Jodhpur (ii) Electrical work in connection with Essential infrastructure facilities required for C&W at Merta Road (iii) Electrical work in connection with provision of new drop pit table with development of under frame related infrastructure in BGKT diesel shed. **अनुमानित लागत (₹):** ₹ 8436883.96; **1.** सम्पूर्ण जानकारी के लिए वेबसाईट का पता: http://www.ireps.gov.in **2.** ई-निविदाएं प्रस्तुत करने की तिथि व समय: **21.10.2026 को 15.00 बजे तक, 3.** ई-निविदाएं खोलने की तिथि व समय: **21.10.2026 को 15.00 बजे के बाद।** विस्तृत जानकारी हेतु कृपया http://www.ireps.gov.in पर विजिट करें।
1407-PH/26
हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

उत्तर पश्चिम रेलवे
सं.: ईएल/टीआरडी/जेपी/निविदा सूचना/ 26-27/09 दिनांक: 29.09.2026
खुली ई-निविदा सूचना
व.मं.बि.इंजी.(टीआरडी एण्ड जीएसयू), उ.प.रे., जयपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिये ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। कोई भी मैन्युअल टेण्डर स्वीकार नहीं किया जायेगा और अगर कोई मैन्युअल टेण्डर प्राप्त होता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा। **क्र.सं. 1, एनआईटी संख्या:** जीएसयू-ईएल-टीआरडी-जेपी-2026-27-05, **कार्य का नाम:** ओएचई वर्क इन कनेक्शन विथ प्रपोज्ड प्लेटफॉर्म रेजिंग (पीएफ-1, 2) ऑफ रतन शहर, चिडावा, नूआं, बलवंतपुरा चेरासी, भावधरी, नारी खेतड़ी स्टेशन; प्लेटफॉर्म एक्सटेन्शन एट चिड़ावा स्टेशन एण्ड फुट ओवर ब्रिज (6 मी. वाईड) एट रतन शहर स्टेशन ऑफ जयपुर डिवीजन। **अनुमानित लागत (₹):** 30,32,140. 11, **बिड सिक्युरिटी राशि (₹):** 60,700.00, **निविदा खोलने की तिथि:** 22.10.2026; **क्र.सं. 2, एनआईटी संख्या:** जीएसयू- ईएल-टीआरडी-जेपी-2026-27-06, **कार्य का नाम:** ओएचई वर्क इन कनेक्शन विथ प्रपोज्ड प्लेटफॉर्म रेजिंग (पीएफ-1, 2) एण्ड फुट ओवर ब्रिज (6 मी. वाईड) एट सूरजगढ़, नवलगढ़, डूंडलोद मुकुन्दगढ़ स्टेशन; प्लेटफॉर्म एक्सटेन्शन एट झुन्झुनु स्टेशन इन सीकर-लोहारु सेक्शन ऑफ जयपुर डिवीजन। **अनुमानित लागत (₹):** 50,41,136.87, **बिड सिक्युरिटी राशि (₹):** 1,00,800.00, **निविदा खोलने की तिथि:** 28.10.2026; **क्र.सं. 3, एनआईटी संख्या:** जीएसयू-ईएल-टीआरडी-जेपी-2026-27-07, **कार्य का नाम:** ओएचई वर्क इन कनेक्शन विथ प्रपोज्ड प्लेटफॉर्म रेजिंग (पीएफ-1, 2) ऑफ लक्ष्मणगढ़ सीकर, बिसाऊ, रामगढ़ शेखावाटी, महेनसर स्टेशन; प्लेटफॉर्म एक्सटेन्शन एट लक्ष्मणगढ़ सीकर, फतेहपुर शेखावाटी स्टेशन एण्ड फुट ओवर ब्रिज (6 मी. वाईड) एट लक्ष्मणगढ़ सीकर, बिसाऊ, रामगढ़ शेखावाटी स्टेशन ऑफ जयपुर डिवीजन। **अनुमानित लागत (₹):** 52,16,306.84, **बिड सिक्युरिटी राशि (₹):** 1,04,300.00, **निविदा खोलने की तिथि:** 06.11.2026; नोट: **ई-निविदा की अंतिम तिथि एवं समय:** निविदा खोलने की तिथि को 15:00 बजे तक, **ई-निविदा खोलने की तिथि एवं समय:** निविदा खोलने की तिथि को 15:00बजे बाद, **सम्पूर्ण जानकारी के लिये वेबसाइट का पता:** http://www.ireps.gov.in 1405-PH/26
हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

भारत सरकार
ग्रामीण विकास मंत्रालय
ग्रामीण विकास विभाग
(प्रशिक्षण प्रभाग)
कर्तव्य भवन 3, नई दिल्ली 110001

भर्ती सूचना

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल डेवलपमेंट एंड पंचायती राज (NIRD&PR), हैदराबाद एक ऑटोनॉमस ऑर्गनाइज़ेशन है जो मिनिस्ट्री ऑफ़ रूरल डेवलपमेंट के एडमिनिस्ट्रेटिव कंट्रोल में है। NIRD & PR रूरल डेवलपमेंट में ट्रेनिंग, रिसर्च, एक्शन रिसर्च और कंसल्टेंसी के काम करता है। यह एक इंटर-डिसिप्लिनरी एकेडमिक माहौल देता है, जिसे बेहतरीन इंफ्रास्ट्रक्चर और स्टेट ऑफ़ आर्ट रिसर्च और कंप्यूटर सुविधाओं का सपोर्ट मिलता है। ग्रामीण विकास विभाग, NIRD&PR, हैदराबाद में रजिस्ट्रार और डायरेक्टर (एडमिनिस्ट्रेशन) के पद के लिए तय फ़ॉर्मेट में आवेदन मंगा रहा है।

1	वेतन बैंड और ग्रेड वेतन (6वां सीपीसी)	Rs. 37400-67000+G.P.Rs. 8700 (6th CPC के अनुसार)
2	भर्ती की विधि	प्रतिनियुक्ति के आधार पर
3	कार्यकाल	तीन साल
4	आयु सीमा	आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि को 56 वर्ष

तय फ़ॉर्मेट में एप्लीकेशन कैडर कंट्रोलिंग अथॉरिटी/डिपार्टमेंट् के ज़रिए डिप्टी सेक्रेटरी (ट्रेनिंग), डिपार्टमेंट ऑफ़ रूरल डेवलपमेंट, 5B, सेकंड फ़्लोर, इंडिया हैबिटेट सेंटर, लोधी रोड, नई दिल्ली-110003 को भेजें। क्वालिफिकेशन और एक्सपीरियंस की जानकारी और एप्लीकेशन फ़ॉर्म https:// www.dord.gov.in/ या www.nird.org.in से डाउनलोड किया जा सकता है।
आखिरी तारीख: 31 अक्टूबर, 2026 **(जयंती कनौजिया)**
CBC 35101/11/0011/2627 **भारत सरकार के अवर सचिव**

कार्यालय नगरपरिषद् कुचामन सिटी (डीडवाना-कुचामन)
Email : eo.mcorp.kuchaman@rajasthan.gov.in munibkcity@gmail.com Phone No. 01586-220022
क्रमांक :-न.प.कु./2026-27/4417 दिनांक :- 01.10.2026
आम-सूचना
अधोहस्ताक्षरकर्ता के संज्ञान में आया है कि शहर में विभिन्न आवासीय कॉलोनियों में क्रेताओं द्वारा भूखण्ड क्रय किये जाकर बिना निर्माण/बिना चारदीवारी खुले छोड़ दिये जाते है। उक्त भूखण्डों की देखरेख के अभाव में जिनमें गन्दगी व्याप्त होती है, साथ ही झाड़िया इत्यादि पनपने लगती है, जो शहर में अस्वच्छता के साथ-साथ बीमारियों का भी एक प्रमुख कारण है। इस सम्बन्ध में प्रतिदिन नगरपरिषद् कार्यालय में शिकायतें प्राप्त होती है। अतः सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इस आम-सूचना के प्रकाशन के 07 दिवस के भीतर-भीतर खुले पड़े भूखण्डों में साफ-सफाई करवाने के साथ ही निर्माण एवं चारदीवारी करवाना सुनिश्चित करें एवं भूखण्डों को स्वच्छ रखें, अन्यथा बाद गुजरने मयाद नगरपरिषद् प्रशासन द्वारा सफाई कार्य करवाया जाकर हर्जा-खर्चा वसूल किया जायेगा एवं राज. नगरपालिका अधिनियम-2009 के सुसंगत प्रावधानों के तहत् सम्बन्धितों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की जायेगी।
-Sd-
(महेश रामचन्द्रका) सभापति नगरपरिषद् कुचामन सिटी
(शिकेश कांकरिया) आयुक्त नगरपरिषद कुचामन सिटी

कार्यालय नगरपरिषद् कुचामन सिटी (डीडवाना-कुचामन)
Email: eo.mcorp.kuchaman@rajasthan.gov.in munibkcity@gmail.com Phone No. 01586-220022
क्रमांक :- न.प.कु./2026-27/4429 दिनांक :-01.10.2026
आम-सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि स्वायत्त शासन विभाग, राज. जयपुर के निर्देशानुसार नगरपरिषद् कुचामन सिटी क्षेत्र में अवस्थित समस्त होटलों, गेस्ट हाउस, रेस्टोरेन्ट्स, मैरिज गार्डन्स, मल्टीप्लेक्स, कोचिंग संस्थानों, पेइंग गेस्ट, शैक्षणिक संस्थान एवं अन्य उच्च जोखिम वाले प्रतिष्ठानों में फायर एनओसी होना तथा अग्नि सुरक्षा मानकों के अनुसार उपकरण होने अनिवार्य है, परन्तु शहर में अधिकांश संस्थानों/प्रतिष्ठानों में अग्नि सुरक्षा मानकों के अनुसार प्रबन्ध नहीं किये गये है, जिससे किसी भी सम्भावित आगजनी की घटना के दौरान जन-माल की हानि से नकारा नहीं जा सकता।
अतः समस्त प्रतिष्ठान/संस्थानों के संचालकों/मालिकों एवं अन्य समस्त व्यावसायिक/गैर-आवासीय प्रतिष्ठानों को सूचित किया जाता है कि 07 दिवस में अनिवार्य रूप से अपने संस्थान/प्रतिष्ठान में नियमानुसार पर्याप्त अग्नि सुरक्षा मानकों अनुसार अग्निशमन व्यवस्था का प्रबन्ध करें एवं नियमानुसार नगरपरिषद् से फायर एनओसी प्राप्त करना सुनिश्चित करें अन्यथा राज. नगरपालिका अधिनियम-2009 के सुसंगत प्रावधानों के तहत् सम्बन्धितों के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही की जायेगी।
-Sd-
(महेश रामचन्द्रका) सभापति नगरपरिषद् कुचामन सिटी
(शिकेश कांकरिया) आयुक्त नगरपरिषद कुचामन सिटी

कार्यालय नगरपरिषद् कुचामन सिटी (डीडवाना-कुचामन)
Email : eo.mcorp.kuchaman@rajasthan.gov.in munibkcity@gmail.com Phone No. 01586-220022
क्रमांक :-न.प.कु./2026-27/4423 दिनांक :- 01.10.2026
आम-सूचना
प्रायः देखा गया है कि शहर में विभिन्न मुख्य मार्गो, बाजारों, वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों के बाहर एवं सार्वजनिक स्थानों पर मार्गाधिकार में हाथ ठेलो, फल-सब्जी विक्रेताओं, रेहड़ी-पटरीवालों एवं अनाधिकृत विक्रेताओं द्वारा स्थाई/अस्थाई अतिक्रमण कर लिया गया है, जिससे आमजन, राहगीरों एवं वाहन चालकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इस सम्बन्ध में प्रतिदिन नगरपरिषद् कार्यालय में शिकायतें प्राप्त होती है। अतः सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इस आम-सूचना के प्रकाशन के 03 दिवस के भीतर-भीतर शहर के मुख्य मार्गो, बाजारों, वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों के बाहर एवं सार्वजनिक स्थानों पर मार्गाधिकार में हाथ ठेलो, फल-सब्जी विक्रेताओं, रेहड़ी-पटरीवालों एवं अनाधिकृत विक्रेताओं द्वारा किये गये स्थाई/अस्थाई अतिक्रमण अपने-अपने स्तर पर हटवा लेवें अन्यथा बाद गुजरने मयाद नगरपरिषद् प्रशासन द्वारा हटवाने की कार्यवाही की जायेगी एवं राज. नगरपालिका अधिनियम-2009 के सुसंगत प्रावधानों के तहत् सम्बन्धितों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की जायेगी।
-Sd-
(महेश रामचन्द्रका) सभापति नगरपरिषद् कुचामन सिटी
(शिकेश कांकरिया) आयुक्त नगरपरिषद् कुचामन सिटी

राज्य सरकार द्वारा
गाँधी जयंती
(02 अक्टूबर, 2026)
के अवसर पर राज्य में उत्पादित

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

खादी वस्त्रों पर **50%** की **विशेष छूट**
राज्य सरकार द्वारा 35% एवं खादी ग्रामोद्योग आयोग (नई दिल्ली) द्वारा अनुमत (10+5) प्रतिशत की विशेष छूट
अवधि : 02 अक्टूबर 2026 से 30 जनवरी 2027 तक
सभी प्रमाणित खादी भण्डारों पर उपलब्ध
राजस्थान खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड, जयपुर
खादी एक पहचान
राजस्थान संवाद

विचार बिन्दु

आशा अमर है उसकी आराधना कभी निष्फल नहीं होती। –महात्मा गाँधी

राजस्थान में डिजिटल शिक्षा भविष्य की राह दिखाएगी

राजस्थान में डिजिटल शिक्षा अब किसी दूर की कल्पना का विषय नहीं रह गई है। विद्यालयों में स्मार्ट कक्षाओं, डिजिटल बोर्ड, आईसीटी प्रयोगशालाओं, ऑनलाइन प्रशिक्षण, ई-सामग्री और शाला दर्पण जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्मों का विस्तार हो रहा है। फिर भी प्रदेश में डिजिटल शिक्षा की स्थिति को केवल उपकरणों की संख्या से नहीं, बल्कि इंटरनेट की उपलब्धता, शिक्षकों की दक्षता, विद्यार्थियों की पहुँच, सामग्री की गुणवत्ता और उसके वास्तविक उपयोग के आधार पर समझना होगा। राजस्थान ने डिजिटल शिक्षा की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है, लेकिन ग्रामीण, दूरस्थ और आर्थिक रूप से कमजोर क्षेत्रों में डिजिटल असमानता अभी भी बड़ी चुनौती बनी हुई है।

राजस्थान भौगोलिक दृष्टि से देश के सबसे बड़े राज्यों में है। यहाँ मरुस्थलीय क्षेत्र, पहाड़ी अंचल, आदिवासी बहुल जिले, सीमावर्ती गाँव और दूर-दराज की ढाणियाँ हैं। इन क्षेत्रों में विद्यालयों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुँचाना हमेशा कठिन रहा है। ऐसे में डिजिटल शिक्षा शिक्षा-व्यवस्था को अधिक व्यापक, लचीला और संसाधन-संपन्न बनाने का माध्यम बन सकती है। यदि किसी दूरस्थ विद्यालय में विषय-विशिष्ट शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं, तो डिजिटल सामग्री, वीडियो पाठ, वर्चुअल कक्षा और ऑनलाइन प्रशिक्षण उस कमी को कुछ हद तक पूरा कर सकते हैं। इसी संभावना को ध्यान में रखते हुए राजस्थान में डिजिटल शिक्षा का आधारभूत ढाँचा लगातार विकसित किया जा रहा है।

राजस्थान में शाला दर्पण डिजिटल शिक्षा और विद्यालयी प्रशासन का एक महत्त्वपूर्ण मंच बन चुका है। इसके माध्यम से विद्यालयों, विद्यार्थियों, शिक्षकों, उपस्थिति, परीक्षा परिणाम और अन्य शैक्षिक गतिविधियों से संबंधित सूचनाओं का संकलन और निगरानी की जाती है। शाला दर्पण ने विद्यालयी प्रशासन में पारदर्शिता और त्वरित सूचना-प्रवाह को बढ़ावा दिया है। पहले जिन सूचनाओं के लिए विद्यालय, ब्लॉक और जिला स्तर पर कागजी प्रक्रिया और लंबा समय लगता था, वे अब डिजिटल माध्यम से उपलब्ध हो सकती हैं। शिक्षक, अधिकारी और अभिभावक विद्यालय से जुड़ी अनेक जानकारियाँ ऑनलाइन प्राप्त कर सकते हैं। लेकिन डिजिटल मंचों का लाभ केवल प्रशासनिक कार्यों तक सीमित नहीं है। दीक्षा पोर्टल के माध्यम से शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम आधारित ई-सामग्री, वीडियो, अभ्यास सामग्री और प्रशिक्षण मॉड्यूल उपलब्ध कराए जा रहे हैं। राजस्थान में शिक्षकों को शाला दर्पण के माध्यम से दीक्षा पोर्टल पर प्रवेश की सुविधा भी दी गई है। इससे शिक्षक अपने विषय और कक्षा के अनुरूप डिजिटल संसाधनों का उपयोग कर सकते हैं। शिक्षक प्रशिक्षण को ऑनलाइन माध्यम से उपलब्ध कराने से प्रशिक्षण की पहुँच बढ़ी है और समय तथा संसाधनों की बचत हुई है।

कोरोना महामारी के दौरान डिजिटल शिक्षा का महत्त्व अचानक बढ़ गया था। विद्यालय बंद होने के कारण ऑनलाइन कक्षाओं, दूरदर्शन, रेडियो, मोबाइल फोन और व्हाट्सऐप समूहों के माध्यम से विद्यार्थियों तक अध्ययन सामग्री पहुँचाने का प्रयास किया गया। उस समय यह स्पष्ट हुआ कि डिजिटल शिक्षा केवल सुविधा नहीं, बल्कि संकट के समय शिक्षा की निरंतरता बनाए रखने का महत्त्वपूर्ण साधन भी है। साथ ही यह भी सामने आया कि सभी विद्यार्थियों के पास स्मार्टफोन, इंटरनेट और शांत अध्ययन वातावरण उपलब्ध नहीं था। अनेक ग्रामीण परिवारों में एक ही मोबाइल फोन था, जिसे परिवार के कई सदस्य उपयोग करते थे। कई विद्यार्थियों को नेटवर्क की समस्या, डेटा खर्च और बिजली की अनियमितता का सामना करना पड़ा।

राजस्थान में शिक्षकों के लिए डिजिटल प्रशिक्षण की आवश्यकता लगातार बढ़ रही है। अनेक शिक्षक पारंपरिक पद्धतियों में दक्ष हैं, लेकिन डिजिटल पाठ तैयार करने, ऑनलाइन मूल्यांकन करने, शैक्षिक एप्लिकेशन का उपयोग करने और विद्यार्थियों की डिजिटल प्रगति का विश्लेषण करने के लिए उन्हें निरंतर प्रशिक्षण चाहिए। प्रशिक्षण केवल एक बार आयोजित होने वाला कार्यक्रम नहीं होना चाहिए। शिक्षकों को नियमित रूप से अभ्यास, सहयोग और तकनीकी सहायता मिलनी चाहिए। प्रत्येक ब्लॉक स्तर पर डिजिटल संसाधन केंद्र और तकनीकी सहायता दल स्थापित किए जा सकते हैं, जो विद्यालयों को तत्काल सहायता प्रदान करें।

डिजिटल शिक्षा का एक बड़ा लाभ यह है कि विद्यार्थी अपनी गति के अनुसार सीख सकते हैं। जो विद्यार्थी किसी विषय को जल्दी समझ लेते हैं, वे उन्नत सामग्री का अध्ययन कर सकते हैं। जिन विद्यार्थियों को कठिनाई होती है, वे वीडियो पाठ और अभ्यास सामग्री को दोबारा देख सकते हैं। दृष्टिबाधित, श्रवणबाधित या अन्य विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों के लिए ऑडियो, बड़े अक्षरों वाली सामग्री, संकेत भाषा और उपशीर्षक जैसी सुविधाएँ उपयोगी हो सकती हैं। इस दिशा में डिजिटल सामग्री को समावेशी, सरल और स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने की जरूरत है।

राजस्थान में भाषा का प्रश्न भी अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। ग्रामीण और छोटे शहरों के बहुत से विद्यार्थी हिंदी माध्यम से शिक्षा प्राप्त करते हैं। अनेक विद्यार्थी स्थानीय बोलियों और भाषायी परिवेश से आते हैं। यदि डिजिटल सामग्री केवल कठिन हिंदी या अंग्रेजी में होगी, तो विद्यार्थी उससे पूरी तरह लाभान्वित नहीं हो पाएँगे। राजस्थानी की विभिन्न बोलियों, सरल हिंदी और स्थानीय उदाहरणों का उपयोग डिजिटल सामग्री को अधिक प्रभावी बना सकता है। गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान जैसे विषयों को स्थानीय जीवन, कृषि, जल-संरक्षण, पशुपालन, मरुस्थलीय परिस्थितियों और राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत से जोड़कर पढ़ाया जाए, तो सीखने की प्रक्रिया अधिक अर्थपूर्ण बन सकती है।

डिजिटल शिक्षा के क्षेत्र में निजी विद्यालयों और सरकारी विद्यालयों के बीच अंतर भी दिखाई देता है। निजी विद्यालयों में कई बार बेहतर इंटरनेट, अधिक उपकरण और तकनीकी सहायता उपलब्ध होती है, जबकि सरकारी विद्यालयों में संसाधनों की उपलब्धता असमान है। यह अंतर केवल विद्यालयों के बीच नहीं, बल्कि एक ही जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच भी देखा जा सकता है। डिजिटल शिक्षा का उद्देश्य तभी सफल होगा, जब सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों को भी गुणवत्तापूर्ण डिजिटल सामग्री, उपकरण और इंटरनेट की समान सुविधा मिले। अन्यथा तकनीक शैक्षिक असमानता कम करने के बजाय उसे और बढ़ा सकती है।

राजस्थान के लिए डिजिटल शिक्षा एक अवसर भी है और जिम्मेदारी भी। अवसर इसलिए कि तकनीक के माध्यम से दूरस्थ क्षेत्रों तक गुणवत्तापूर्ण सामग्री पहुँचाई जा सकती है, शिक्षकों को बेहतर संसाधन मिल सकते हैं और विद्यार्थियों में नई दक्षताएँ विकसित की जा सकती हैं। जिम्मेदारी इसलिए कि डिजिटल विकास के नाम पर किसी विद्यार्थी को पीछे न छूटने दिया जाए।

इस संदर्भ में भारतनेट जैसी योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी माध्यमिक विद्यालयों को ब्रॉडबैंड से जोड़ने का प्रयास महत्त्वपूर्ण है। ग्रामीण विद्यालयों में स्थायी और तेज इंटरनेट उपलब्ध होने पर ऑनलाइन सामग्री, वर्चुअल कक्षाओं और शिक्षक प्रशिक्षण का अधिक प्रभावी उपयोग किया जा सकेगा। लेकिन कनेक्टिविटी के साथ बिजली की निरंतर उपलब्धता भी आवश्यक है। राजस्थान के दूरस्थ क्षेत्रों में सौर ऊर्जा आधारित बिजली व्यवस्था, बैकअप सिस्टम और स्थानीय स्तर पर उपकरणों की मरम्मत की व्यवस्था पर विशेष ध्यान देना होगा।

डिजिटल शिक्षा के विस्तार के साथ साइबर सुरक्षा और डिजिटल अनुशासन का प्रश्न भी जुड़ा हुआ है। विद्यार्थियों को इंटरनेट का सुरक्षित उपयोग, निजी जानकारी की सुरक्षा, मजबूत पासवर्ड, फर्जी संदेशों की पहचान और साइबर अपराधों से बचाव की जानकारी दी जानी चाहिए। शिक्षकों और अभिभावकों को भी यह समझना होगा कि डिजिटल उपकरण केवल मनोरंजन का साधन नहीं हैं। बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों पर निगरानी रखते समय विश्वास, संवाद और मार्गदर्शन का संतुलन आवश्यक है। विद्यालयों में डिजिटल नागरिकता और साइबर सुरक्षा को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाना चाहिए।

डिजिटल शिक्षा में स्क्रीन टाइम का संतुलन भी जरूरी है। लंबे समय तक मोबाइल या स्क्रीन के सामने रहने से विद्यार्थियों के स्वास्थ्य, एकाग्रता और सामाजिक व्यवहार पर प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए डिजिटल शिक्षा को पुस्तक-पठन, लेखन, खेल, कला, प्रयोग, संवाद और प्रत्यक्ष अनुभवों का विकल्प नहीं बनाया जाना चाहिए। एक प्रभावी कक्षा वह होगी, जिसमें शिक्षक कभी वीडियो का उपयोग करे, कभी प्रयोग करवाए, कभी समूह चर्चा कराए और कभी विद्यार्थियों को पुस्तकालय या खुले वातावरण में सीखने का अवसर दे। शिक्षा का उद्देश्य केवल डिजिटल दक्षता नहीं, बल्कि जिज्ञासा, संवेदना, विवेक और सृजनशीलता का विकास है।

अभिभावकों की भूमिका भी निर्णायक है। ग्रामीण और निम्न आय वर्ग के अनेक अभिभावक डिजिटल उपकरणों का उपयोग पूरी तरह नहीं जानते। विद्यालयों को अभिभावकों के लिए छोटे-छोटे डिजिटल जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने चाहिए। उन्हें बताया जाना चाहिए कि विद्यार्थी ऑनलाइन कक्षा में कैसे जुड़ें, अध्ययन सामग्री कैसे प्राप्त करें और बच्चे की प्रगति को कैसे समझें। यदि घर और विद्यालय के बीच डिजिटल संवाद मजबूत होगा, तो विद्यार्थी की सीखने की प्रक्रिया अधिक निरंतर और प्रभावी बनेगी।

राजस्थान में डिजिटल शिक्षा का अगला चरण केवल स्मार्ट कक्षाओं की संख्या बढ़ाने तक सीमित नहीं होना चाहिए। अब ध्यान सीखने के परिणामों पर केंद्रित होना चाहिए। प्रत्येक डिजिटल पहल के बाद यह मूल्यांकन आवश्यक है कि विद्यार्थियों की समझ, उपस्थिति, पठन क्षमता, गणितीय दक्षता और समस्या-समाधान क्षमता में कितना सुधार हुआ। डिजिटल मंचों से प्राप्त आँकड़ों का उपयोग केवल रिपोर्ट तैयार करने के लिए नहीं, बल्कि कमजोर विद्यार्थियों की पहचान और उनके लिए विशेष सहायता देने के लिए किया जाना चाहिए।

इसके लिए विद्यालय स्तर पर डिजिटल शिक्षा की स्पष्ट कार्ययोजना बननी चाहिए। प्रत्येक विद्यालय में यह तय किया जा सकता है कि कौन-सी कक्षा में किस विषय के लिए डिजिटल सामग्री का उपयोग होगा, उपकरणों का रखरखाव कौन करेगा, इंटरनेट की समस्या होने पर वैकल्पिक व्यवस्था क्या होगी और शिक्षक प्रशिक्षण की आवश्यकता कहाँ है। जिला स्तर पर डिजिटल संसाधनों का साझा भंडार बनाया जा सकता है। उत्कृष्ट शिक्षकों द्वारा तैयार स्थानीय सामग्री को अन्य विद्यालयों तक पहुँचाया जाना चाहिए। इससे डिजिटल शिक्षा केवल ऊपर से भेजी गई सामग्री पर निर्भर नहीं रहेगी, बल्कि स्थानीय शिक्षकों की रचनात्मकता भी सामने आएगी।

सरकार, विद्यालय, शिक्षक, अभिभावक और समाज इन सभी की साझी भूमिका से ही डिजिटल शिक्षा प्रभावी हो सकती है। कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत कंपनियाँ विद्यालयों में उपकरण देने के साथ-साथ उनके रखरखाव, इंटरनेट, शिक्षक प्रशिक्षण और स्थानीय डिजिटल सामग्री के निर्माण में भी सहयोग कर सकती हैं। केवल उद्घाटन समारोह में उपकरण वितरित कर देना पर्याप्त नहीं है। उपकरणों का उपयोग, उनकी कार्यशीलता और विद्यार्थियों के सीखने पर उनका प्रभाव नियमित रूप से जाँचा जाना चाहिए।

राजस्थान के लिए डिजिटल शिक्षा एक अवसर भी है और जिम्मेदारी भी। अवसर इसलिए कि तकनीक के माध्यम से दूरस्थ क्षेत्रों तक गुणवत्तापूर्ण सामठी पहुँचाई जा सकती है, शिक्षकों को बेहतर संसाधन मिल सकते हैं और विद्यार्थियों में नई दक्षताएँ विकसित की जा सकती हैं। जिम्मेदारी इसलिए कि डिजिटल विकास के नाम पर किसी विद्यार्थी को पीछे न छूटने दिया जाए। जिन बच्चों के पास व्यक्तिगत उपकरण नहीं हैं, उनके लिए विद्यालय आधारित डिजिटल केंद्र, सामुदायिक अध्ययन केंद्र और साझा उपकरणों की व्यवस्था की जानी चाहिए।

राजस्थान ने डिजिटल शिक्षा के क्षेत्र में आधारभूत विस्तार की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम उठाए हैं। स्मार्ट कक्षाएँ, आईसीटी प्रयोगशालाएँ, शाला दर्पण, दीक्षा, ऑनलाइन शिक्षक प्रशिक्षण और डिजिटल सामग्री राज्य की शिक्षा-व्यवस्था को नई दिशा दे रहे हैं। फिर भी वास्तविक सफलता तब मानी जाएगी, जब जैसलमेर की ढाणी, बांसवाड़ा का आदिवासी गाँव, धौलपुर का ग्रामीण विद्यालय और जयपुर का शहरी विद्यालय सभी के विद्यार्थियों को सीखने के समान अवसर मिलें। डिजिटल शिक्षा का लक्ष्य उपकरणों से भरे विद्यालय नहीं, बल्कि जिज्ञासु, सक्षम, सुरक्षित और सृजनशील विद्यार्थी होने चाहिए।

राजस्थान को अब डिजिटल शिक्षा की मात्रा से आगे बढ़कर उसकी गुणवत्ता, समानता और निरंतरता पर ध्यान देना होगा। तकनीक तभी सार्थक है, जब वह शिक्षक को सशक्त बनाए, विद्यार्थी को आत्मनिर्भर बनाए और समाज में ज्ञान की पहुँच को व्यापक करे। यदि डिजिटल शिक्षा को स्थानीय आवश्यकताओं, मानवीय संवेदना और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण से जोड़ा गया, तो यह राजस्थान के शैक्षिक भविष्य को नई ऊँचाई दे सकती है। अन्यथा स्मार्ट उपकरणों और चमकदार कक्षाओं के बावजूद शिक्षा की मूल चुनौतियाँ बनी रहेंगी। इसलिए समय की माँग है कि डिजिटल शिक्षा को योजना नहीं, शिक्षा के व्यापक सुधार का जीवंत और समावेशी माध्यम बनाया जाए।

–अतिथि संपादक,
अविनाश जोशी,
वरिष्ठ पत्रकार एवं कॉरपोरेट सलाहकार

अन्तर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस : वैश्विक अशांति के दौर में बापू के विचारों की स्वीकार्यता

प्रो. (डॉ.) पी. सी. कंठालिया

"अहिंसा परमोधर्म:"–यह शाश्वत वाक्य सदियों से भारतीय संस्कृति, चिंतन और जीवन दर्शन का मूल आधार रहा है। आधुनिक युग में इस मानवीय मूल्य को वैश्विक आंदोलन का रूप देने का श्रेय राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को जाता है। यही कारण है कि बापू के जन्मदिन, 2 अक्टूबर को संपूर्ण विश्व में अन्तर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूप में मनाया जाता है। वर्तमान समय में, जब वैश्विक परिदृश्य युद्ध, वैचारिक कट्टरता और आपसी अविश्वास की आग में झुलस रहा है, तब अहिंसा का यह संदेश केवल एक नैतिक उपदेश नहीं, बल्कि मानवता के सह-अस्तित्व को बचाने का एकमात्र व्यावहारिक मार्ग बनकर उभरता है।

इस दिवस को अंतर्राष्ट्रीय पटल पर मान्यता मिलने का सफर बेहद दिलचस्प और प्रेरणादायी है। 30 जनवरी 2004 को मुंबई में सहयोग संस्था द्वारा आयोजित एक वैचारिक कार्यक्रम में ईरानी मूल की नोबेल पुरस्कार विजेता शिरिन ईबादी उपस्थित थीं। उसी मंच पर पेरिस में कार्यरत हिंदी शिक्षक अक्षय बकाया ने यह ऐतिहासिक सुझाव रखा कि महात्मा गांधी के अद्वितीय योगदान को अक्षुण्ण रखने के लिए उनके जन्मदिन को अन्तर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस घोषित किया जाना चाहिए। यह विचार ईबादी को बेहद पसंद आया और उन्होंने इसके लिए प्रयास शुरू किए।

कालांतर में भारत सरकार ने वर्ष 2007 में इस संबंध में एक आधिकारिक प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र महासभा को भेजा। इस प्रस्ताव को वैश्विक समुदाय का अभूतपूर्व समर्थन मिला। महासभा के 191 सदस्य देशों में से 140 से अधिक देशों ने इस प्रस्ताव को सह-प्रायोजित किया, जिसमें भारत के पड़ोसी देशों के साथ-साथ अफ्रीका और अमरीका महाद्वीप के कई देश शामिल थे। मौजूदा विश्व व्यवस्था में अहिंसा की अपरिहार्यता को स्वीकार करते हुए 15 जून 2007 को संयुक्त राष्ट्र ने बिना किसी वोटिंग के, सर्वसम्मति से इस संकल्प को पारित कर दिया। संकल्प में विशेष रूप से रेखांकित किया गया कि "शिक्षा और जन-जागरूकता के माध्यम से समाज में अहिंसा का व्यापक प्रसार किया जाएगा।" इसी के साथ 2 अक्टूबर 2007 को प्रथम अन्तर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस पूरे विश्व में हर्षोल्लास से मनाया गया।

भारतीय संस्कारों से पोषित दर्शन: मोहनदास करमचंद गांधी का जन्म 2 अक्टूबर 1869 को गुजरात के पोरबंदर के एक वैष्णव परिवार में हुआ था। उनके गृहनगर में जैन धर्मावलंबियों की सघन उपस्थिति के कारण जैन संस्कारों का उनके बाल्यकाल पर गहरा प्रभाव पड़ा। 18 वर्ष की आयु में जब वे वकालत की पढ़ाई के लिए इंग्लैंड जा रहे थे, तब उनकी धार्मिक माता ने जैन साधु बेचर स्वामीजी के समक्ष उनसे शराब, मांस और पराई स्त्री का स्पर्श न करने की कठिन प्रतिज्ञा दिलाई थी। इस आत्म-संयम ने उनके भीतर उस नैतिक बल का बीजारोपण किया, जो आगे चलकर सत्याग्रह का आधार बना।

गांधी जी की सत्य और अहिंसा की विचारधारा हिंदू और जैन दर्शन के साथ-साथ शांतिवादी ईसाई शिक्षाओं से भी अनुप्राणित थी। वे आध्यात्मिक और व्यावहारिक शुद्धता के आग्रही थे। वाणी पर नियंत्रण और आंतरिक शांति के लिए वे सप्ताह में एक दिन मौन रखते थे। उन्होंने अपने पत्र यंग इंडिया में स्पष्ट लिखा था कि अहिंसा भीरु और कायर लोगों का तरीका नहीं है, बल्कि यह तो उन वीरों का गुण है जो बिना डरे मृत्यु का सामना करने का साहस रखते हैं। तलवार लेकर लड़ने वाले से कहीं अधिक वीर वह है, जो बिना प्रतिशोध की भावना के अन्याय के खिलाफ अडिग रहता है।

सत्याग्रह एक महान व्यावहारिक अस्त्र: गांधी जी ने अहिंसा को केवल व्यक्तिगत आचरण या पारलौकिक शांति का साधन नहीं माना, बल्कि इसे सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक समस्याओं के समाधान का एक सशक्त माध्यम बनाया। उन्होंने सत्याग्रह नामक जिस राजनीतिक सक्रियता की विधि को विकसित किया, उसका पहला व्यावहारिक प्रयोग गुजरात के खेड़ा जिले में किसानों के हक के लिए किया गया। फसल खराब होने के बावजूद ब्रिटिश सरकार द्वारा लगाए गए दमनकारी टैक्स के विरोध में किसानों ने बिना किसी दंगे या हिंसा के शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया। अंततः सच्चाई और अहिंसा के इस अनूठे हथियार के सामने औपनिवेशिक सत्ता को झुकना पड़ा और टैक्स माफ कर दिए गए।

गौरवान्वित होता भारत:हम भारतीयों के लिए यह गर्व का विषय है कि संयुक्त राष्ट्र संघ ने बापू के सिद्धांतों को अंगीकार कर भारत के कद को विश्वपटल पर और ऊँचा किया है। आज के परमाणु युग में, जहाँ व्यक्तिगत स्वार्थ, द्वेष या क्रोध के कारण मानवीय मूल्यों का ह्रास हो रहा है, वहाँ गांधी जी के विचार और अधिक प्रासंगिक हो जाते हैं। हिंसा कभी भी किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकती, वह केवल नए प्रतिशोध को जन्म देती है। यदि हमें एक सुरक्षित, प्रगतिशील और शांत समाज का निर्माण करना है, तो हमें अपने दैनिक जीवन और नीतियों में अहिंसा, सहिष्णुता तथा करुणा को स्थान देना होगा। यही इस दिवस का वास्तविक संदेश है।

–प्रो. (डॉ.) पी. सी. कंठालिया, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि., उदयपुर

जय जवान–जय किसान के उद्घोषक और सादगी की प्रतिमूर्ति शास्त्रीजी के मर्मस्पर्शी प्रेरणादायक संस्मरण

डॉ. जे.के. गर्ग

नाटे कद और हमेशा मुस्कराता हुआ चेहरा रखने वाले शास्त्रीजी जवाहरलाल के उतराधिकारी बन कर देश के दूसरे प्रधानमंत्री बने। वास्तव में शास्त्रीजी जहाँ एक तरफ आजादी के लिये अपना सर्वस्व कुर्बान करने का संकल्प रखते थे वहीं दसरी तरफ वो मितभाषी और आत्मसम्मान के धनी थे। मात्र 17 साल की उम्र में वे जेल गये थे। उन्होंने नो साल जेल के अंदर बिताये। वर्तमान समय के राज नेता तो अपनी आत्म वंचना सेल्फ प्रेज ईगो और सच्चे झूटे बडबोलेपन एवँ सेल्फ मार्केटिग से जनसाधारण नागरिकों को बहलाने फुसलाने और उनका नाम अख़बारों में छपे और टेलीविजन पर लोग उनकी तारीफ के गीत गायें तथा उनके कामों की प्रशंसा करें ऐसा काम करके शान चला रहें हैं। इन सब के विपरीत शास्त्रीजी तो कभी भी नहीं चाहते थे कि उनका नाम अखबारों में छपे।

उन्होंने अपने जीवन में कभी भी कायदे कानून की अवेहलना नहीं होने की थी, वो तो सही मायनो के अंदर बापू जी के आदर्शो को मानने वाले उनके सच्चे अनुयायी थे। उनमे ना किसी भी पद और सम्मान का लालच था और ना ही पद का अभिमान था। 1965 की भारत पाकिस्तान की लड़ाई के समय पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सीमा रेखा को पार करके पाकिस्तान की धरती में घुस कर आक्रमण कर लाहोर के नजदीक पहुंच जाने का साहसिक फैसला लेने वाले शास्त्रीजी ही थे। उनके इस निर्णय की प्रसंसा तत्कालीन सेनाध्यक्ष जनरल चौधरी और वायुसेना के मुखिया एयर मार्शल अर्जुन ने भी की थी।

पिछले 50 वर्षों में जन्म लेने वाले हिन्दुस्थानियों को तो इस बात में विश्वास ही नहीं होगा कि आज का कोई मंत्री नैतिकता और अपनी आत्मा की आवाज पर उसके विभाग में घटित दुर्घटना पर मन्त्री पद से त्याग पत्र देने की हिम्मत करने वाले शास्त्रीजी ही थे। जननायक शास्त्रीजी की एक आवाज पर लाखो नर-नारियों ने सप्ताह के एक दिन सोमवार को अन्न नहीं खाने का व्रत ले लिया था और उसका पालन भी किया।

जय जवान जय किसान के नारे का उद्घोष करने वाले नाटे कद के हमारे शास्त्रीजी ही थे। शास्त्रीजी सहनशीलता में उनकी महानता में भी परिलक्षित होती थी। लाल बहादुर ने ना कभी क्रोध किया और ना ही कभी कोई शिकायत की थी। उनका मानना था कि अगर हम भष्टाचार को गम्भीरता से लें तो हम जरुर अपने कर्तव्यों का निर्वाह कर सकेंगें। शास्त्रीजी का मानना था कि सच्चे लोकतंत्र में कभी भी हिंसा से कोई विवाद सुलझाया नहीं सकता है, परस्पर संवाद वार्तालाप से ही समस्याओं को दूर किया जा सकता है।2 अक्तूबर 2026 को जननायक शास्त्रीजी के 122वें जन्म दिन पर 142 करोड़ भारतियों का उनके श्री चरणों में कोटि कोटि नमन और श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं।

लाल बहादुर शास्त्री के विस्मयकारी प्रेरणा दायक संस्मरण बचपन में ही नन्हें लाल बहादुर ने तय कर लिया कि वो कोई ऐसा काम नहीं करेंगे जिससे दूसरों को नुकसान नहीं हो। छः साल का एक नाटे कद का मासूम लड़का अपने दोस्तों के साथ एक बगीचे में फूल तोड़ने के लिए घुस गया, उसके दोस्तों ने बहुत सारे फूल तोड़कर अपनी अपनी झोलियाँ भर लिये, वहीं लालबहादुर जो वह लड़का जो सबसे छोटा और कमज़ोर था सबसे पीछे रह गया और ज्योंहि उसने फूल तोडना चालू किया उसी वक्त बगीचे का माली आ पहुँचा। माली को देख कर दूसरे लड़के तो भाग गये किन्तु छोटा और नाटा बालक माली के हत्थे चढ़ गया। माली ने सारा गुस्सा छः साल के बालक पर निकाला और उसे बुरी तरह पीट दिया। नन्हे बच्चे ने माली से कहा आप मुझे इसलिए पीट रहे हैं क्योकि मेरे पिता नहीं हैं! यह सुनकर माली का क्रोध जाता रहा। वह बोला- बेटे, पिता के न होने पर तो तुम्हारी जिम्मेदारी और अधिक हो जाती है। माली की मार खाने पर तो उस बच्चे ने एक आंसू भी नहीं बहाया था लेकिन यह सुनकर बच्चा बिलखकर रो पड़ा। यह बात उसके दिल में घर कर गई और उसने इसे जीवन भर नहीं भुलाया। उसी दिन से बच्चे ने अपने हृदय में यह निश्चय कर लिया कि वह कभी भी ऐसा कोई काम नहीं करेगा जिससे किसी का कोई नुकसान हो।

बड़ा होने पर वही बालक भारत के स्वतंत्रता प्राप्ति के आन्दोलन में कूद पड़ा। एक दिन इसी मासूम बालक ने लालबहादुर शास्त्री के नाम से देश के प्रधानमंत्री पद को सुशोभित किया। स्वाभिमान आत्मसम्मान के धनी आजादी के दिवाने शास्त्रीजी स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान जेल में थे तब घर पर उनकी पुत्री गम्भीर रूप बीमार थी, उनके साथियों ने उन्हें जेल से बाहर आकर पुत्री को देखने और उसकी देखभाल करने लिये आग्रह किया, शास्त्री की पैरोल भी स्वीकृत हो गई, परन्तु शास्त्रीजी ने पैरोल पर छूटकर जेल से बाहर आना अपने आत्मसम्मान के विरुद्ध समझा! क्योंकि वे यह लिखकर देने को तैयार न थे कि बाहर निकलकर वे स्वतन्त्रता आन्दोलन में कोई काम नहीं करेंगे। अंत में मजिस्ट्रेट को शास्त्रीजी को पन्द्रह दिनों के लिए बिना शर्त छोड़ना पड़ा। वे घर पहुँचे, लेकिन उसी दिन बालिका के प्राण-पखेरू उड़ गए। शास्त्रीजी ने कहा, जिस काम के लिए मैं आया था, वह पूरा हो गया है। अब मुझे जेल वापस जाना चाहिये। और उसी दिन वो जेल वापस चले गये। शास्त्रीजी नहीं चाहते थे कि उनका नाम अख़बारों में छपे और लोग उनकी प्रशंसा करें। लाला लाजपत राय से लोक सेवामंडल के सदस्य की दीक्षा लेने के बाद लाला लाजपत राय ने उनसे कहा लालबहादुर ताजमहल में दो तरह के पत्थर लगे हैं यथा सफेद सगंमरमर और नीव में लगाये गये साधारण पत्थर, संगमरमर के पत्थरों को दुनिया देखती है और उनकी प्रसंसा भी करती है, वहीं दूसरे तरह के पत्थर नीव में लगे जिनके जीवन में सिर्फ अँधेरा-अँधेरा ही है लेकिन ताजमहल को उन्होंने खड़ा रक्खा हुआ है, इसलिए तुम नीव के पत्थर बनने की कोशिश करना।

शास्त्रीजी ने कहा मुझे लालाजी के वो शब्द आज भी याद है इसीलिए में नीव का पत्थर बना रहना चाहता हूँ। इसीलिए शास्त्रीजी जीवन पर्यन्त नीवं का मजबूत पत्थर काम करते रहे और कभी भी नहीं चाह कि उनका नाम अख़बारों की सुर्खियाँ बने और लोग उनकी प्रशंसा करें। कभी भी कायदे कानून की अवहेलना नहीं होने दी।

1956 में तमिलनाडू के अरियालपुर में हुई रेल दुर्घटना की नैतिक जिम्मेवारी लेते हुए शास्त्रीजी ने रेलवे मंत्री का पद छोड़ दिया था। क्या हम वर्तमान मंत्रियों से ऐसे आचरण की अपेक्षा रख सकते हैं? कदापि नहीं। सहनशीलता में भी उनकी महानता परिलक्षित होती थी 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के समय सुरक्षा कारणों से हवाई हमले की घंटी बज सकती थी। उन दिनों सुरक्षा के लिये प्रधान मंत्री भवन मे भी खाई बनाई गई थी। सुरक्षा कर्मियों ने प्रधान मंत्री श्री लालबहादुर शास्त्री से अनुरोध किया आज हमले की आशंका अधिक है आप घंटी बजते ही तुरंत खाई में चले जायें। किंतु दैवयोग से हमला नहीं हुआ। अगले दिन सुबह देखा गया कि बिना बमबारी के खाई गिरकर पट गई है। खाई बनाने वालों तथा उसे पास करने वालों की यह अक्षम्य लापरवाही थी। यदि वे उस रात खाई के अंदर होते तो क्या होता सुनकर रौंगटे खडे हो जाते हैं। देश के प्रधानमंत्री का जीवन कितना मूल्यवान होता है? वह भी युद्धकाल में? अन्य व्यवस्था अधिकारियों ने भले ही इस प्रसंग पर कोई कार्यवाही की हो, किन्तु शास्त्रीजी ने संबंधित व्यक्तियों के प्रति कोई कठोरता नहीं बरती अपितु बालकों की भाँति क्षमा कर दिया। ना क्रोध और ना ही शिकायत।

स्वभाव से ही उदार तथा सहिष्णु इन्सान ताशकंद जाने के एक दिन पूर्व वे भोजन कर रहे थे। ललिता ने उस दिन उनकी पसंद का खिचडी तथा आलू का भरता बनाया था। ये दोनों वस्तुएं उन्हें सर्वाधिक प्रिय थीं। बड़े प्रेम से खाते रहे। जब खा चुके उसके थोड़ी देर बाद उन्होंने वह प्रसंग आने पर बड़े ही सहज भाव से श्रीमती ललिता जी से पूछा- क्या आज आपने खिचड़ी में नमक डाला था? ललिता जी को अपनी गलती पर बडा दुःख हुआ किन्तु शास्त्रीजी ने न कोई शिकायत की और ना ही गुस्सा, वे तो फीकी खिचड़ी खाकर भी मुस्कुराते रहे।

लाल बहादुर शास्त्री के बेटे सुनील शास्त्री ने अपनी किताब 'लाल बहादुर शास्त्री, मेरे बाबूजी' में देश के पूर्व प्रधानमंत्री के जीवन से जुड़े कई आत्मीय प्रसंग साझा किए हैं। उन्होंने अपनी किताब में लिखा है कि उनके पिता सरकारी खर्चे पर मिली कार का प्रयोग नहीं करते थे। एक बार उन्होंने अपने पिता की कार चला ली तो उन्होंने किलोमीटर का हिसाब कर पैसा सरकारी खाते में जमा करवाया था। हैदराबाद के पूर्व निजाम मीर उस्मान अली ने 1965 में ने युद्ध के फंड के प्रति पांच टन यानि 5000 किलो सोना दान में दिया दिया। आज के बाजार मूल्य के रूप में निजाम का योगदान करीब तीन अरब रुपये का बनता है, यह भारत में किसी भी व्यक्ति या संगठन द्वारा अब तक का सबसे बड़ा योगदान है इस सोने को लेने के लिये लाल बहादुर खुद हैदराबाद गये और और मीर उस्मान अली को धन्यवाद दिया।

शास्त्रीजी मन व कर्म से पूरे गांधीवादी थे। एक बार उनके घर पर सरकारी विभाग की तरफ से कूलर लगाया गया। जब देश के पूर्व प्रधानमंत्री को इस बारे में पता चला तो उन्होंने परिवार से कहा, इलाहाबाद के पुश्तैनी घर में कूलर नहीं है। कभी धूप में निकलना पड़ सकता है। ऐसे आदतें बिगड़ जाएंगी। उन्होंने तुरंत सरकारी विभाग को फोन कर कूलर हटवा दिया। फटे कुर्ते से बनवाते थे रुमाल। शास्त्रीजी बहुत कम साधनों में अपना जीवन जीते थो।

अकाल के दिनों में जब देश में भुखमरी की विपत्ति आई तो खुद शास्त्रीजी ने नियमित व्रत रखा और परिवार को भी यही आदेश दिया कि वे सब एक दिन का उपवास रखें और तब शास्त्रीजी ने कहा कि देश का हर नागरिक एक दिन का व्रत करे तो भुखमरी की समस्या का सामना किया जा सकता है।

सुनील शास्त्री ने बताया, बाबूजी की टेबल पर हमेशा हरी घास रहती थी। एक बार उन्होंने बताया था कि सुंदर फूल लोगों को आकर्षित करते हैं लेकिन कुछ दिन में मुरझाकर गिर जाते हैं। घास वह आधार है जो हमेशा रहती है। मैं लोगों के जीवन में घास की तरह ही एक आधार और खुशी की वजह बनकर रहना चाहता हूं। क्या ही अच्छा होता अगर आज भी देश को शास्त्रीजी जैसा जननायक मिलता।

–डॉ. जे.के. गर्ग, पूर्व संयुक्त निदेशक कॉलेज शिक्षा जयपुर

राशिफल शुक्रवार 2 अक्टूबर, 2026

पंडित अनिल शर्मा

अश्विन मास, कृष्ण पक्ष, षष्ठि तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत–2083, मृगशिरा नक्षत्र रात्रि 2:55 तक, व्यतिपात पुण्य सायं 6:18 तक, वणिज करण दिन 10:16 तक, चन्द्रमा आज दिन 3:40 से मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति– सूर्य–कन्या, चन्द्रमा–वृष, मंगल–कर्क, बुध–कन्या, गुरू–कर्क, शुक्र–तुला, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह

आज राजयोग दिन 10:16 से रात्रि 2:55 तक है। रवियोग रात्रि 2:55 तक रहेगा। आज भद्रा दिन 10:16 से रात्रि 9:08 तक है। आज सप्तमी का श्राद्ध, व्यतिपात पुण्यं है। आज महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती है।

श्रेष्ठ चौघड़िया– चर सूर्योदय से 7:51 तक, लाभ अमृत 7:51 से 10:48 तक, शुभ 12:16 से 1:44 तक, चर 4:41 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल– 10:30 से 12:00 तक, सूर्योदय 6:23, सूर्यास्त 6:09

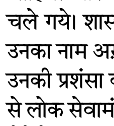

मेष

व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आज घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

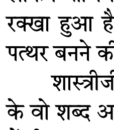

वृष

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आज मानसिक तनाव दूर होगा।

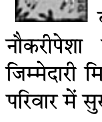

मिथुन

घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा।

कर्क

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी।

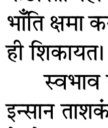

सिंह

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

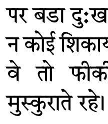

कन्या

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। घर-परिवार में सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी।

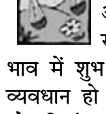

वृश्चिक

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

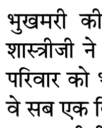

धनु

स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

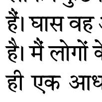

मकर

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

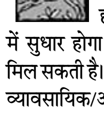

कुंभ

घर-परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। धार्मिक-मांगलिक कार्य से संबंधित यात्रा संभव है।

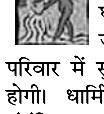

मीन

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है।

पूर्व एसीजे संजीव प्रकाश शर्मा ने जजेज़ के लिए एसओपी बनाने की मांग उठाई

उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा, ''मेरे साथ जो हुआ, वह किसी अन्य जज के साथ नहीं हो''

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट के पूर्व एक्टिंग सीजे संजीव प्रकाश शर्मा ने सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट जजेज के लिए स्टैण्डर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एस.ओ.पी.) बनाए जाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि साथी जजों के संबंध में कोई भी टिप्पणी करने या किसी अन्य हाईकोर्ट के कामकाज से जुड़े मामलों में जजों के आचरण को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश होने चाहिए। अब समय आ गया कि ऐसी एसओपी बनाई जाए। इसका उद्देश्य न्यायिक अनुशासन बनाए रखना और ऐसी किसी कार्रवाई को मिसाल बनने से रोकना होना चाहिए, जिससे कि भविष्य में हाईकोर्ट के कामकाज में दखल के हालात पैदा नहीं हो। उन्होंने कहा कि ऐसा इसलिए कि जो उनके साथ जो हुआ, वह दोबारा नहीं होना चाहिए। वरना अगली बार कोई सुप्रीम कोर्ट जज अपने गृह राज्य के हाईकोर्ट के मामलों और उसके कामकाज में हस्तक्षेप कर सकता है। पूर्व एसीजे एसपी शर्मा ने यह बात गुरुवार को मीडियाकर्मियों से बातचीत में कही।

- उन्होंने कहा कि साथी जजों के संबंध में कोई भी टिप्पणी करने या किसी अन्य हाईकोर्ट के कामकाज से जुड़े मामलों में जजों के आचरण को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश होने चाहिए। इसका उद्देश्य न्यायिक अनुशासन बनाए रखना और ऐसी किसी कार्रवाई को मिसाल बनने से रोकना होना चाहिए, जिससे कि भविष्य में हाईकोर्ट के कामकाज में दखल के हालात पैदा नहीं हो।

उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है कि न्यायपालिका का सर्वोच्च सम्मान बना रहे। लोगों का न्यायपालिका में विश्वास इस तरह कमजोर नहीं होना चाहिए। उन्होंने जज या वकील के जाति आधारित रवैये पर चिंता जताते हुए कहा कि यह देखकर दुख होता है कि कोई जज या वकील जाति आधारित रवैया अपनाए।

'सुप्रीम कोर्ट जज की मानसिकता के नहीं हो सकते ऐसे आरोप'

पूर्व एसीजे शर्मा ने उन पर सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संदीप मेहता की ओर से लगाए गए आरोपों पर कहा कि उस समय उन्हें निजी तौर पर बहुत पीड़ा हुई थी। उन पर जो आरोप लगाए हैं उन्हें देखकर नहीं लगता कि वे किसी सुप्रीम कोर्ट जज की मानसिकता वाले व्यक्ति ने लगाए हैं, बल्कि आम आदमी के लगाए हुए दिखाई देते हैं। इस पूरे घटनाक्रम से उनकी छवि के साथ ही न्यायपालिका की प्रतिष्ठा को भी नुकसान पहुंचा है। उन्होंने खुद के सभी जवाब रिकॉर्ड पर रख दिए हैं और जस्टिस मेहता के साथ ही उन पर लगाए गए आरोपों पर क्रॉस एग्जामिनेशन करने की भी मांग की है। उन्होंने बताया की वे अपना जवाब सीजेआई को भेज चुके हैं और अब उनके जवाब आने का इंतजार है।

'सीजे के कॉलेजियम के समय सोच समझकर हुआ था वकीलों का विरोध'

पूर्व एसीजे शर्मा ने कहा कि जब हाईकोर्ट सीजे की नियुक्ति के लिए सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम होने वाला था तो उसी समय जोधपुर के वकीलों ने विरोध किया। यह सब कुछ सोच समझकर किया गया था। जस्टिस मेहता के उन पर लगाए गए आरोप केस आधार पर लगाए गए थे, लेकिन न्यायिक गरिमा में इस तरह के आरोप नहीं लगाए जा सकते।

न्यायिक अधिकारियों के किए गए ट्रांसफरों के संबंध में लगाए गए आरोपों को भी निराधार बताया। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संदीप मेहता की ओर से पूर्व एसीजे शर्मा के खिलाफ पद के दुरुपयोग के आरोप और उनकी कार्य प्रणाली पर सवाल उठाते हुए सीजेआई को चार पत्र लिखे थे।

बनास नदी पर तैयार हुआ राजस्थान का सबसे लम्बा हाई-लेवल ब्रिज

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य में सड़क परिवहन को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा रहा है। इसी कड़ी में बनास नदी के गहलोद में सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा 134 करोड़ 74 लाख रुपये की लागत से राजस्थान के सबसे लम्बे हाई-लेवल ब्रिज का निर्माण किया गया है। जनसुविधाओं की दृष्टि से यह क्षेत्र में बड़ा परिवर्तन साबित होगा। सीआरआईएफ के माध्यम से निर्मित यह गहलोद हाई-लेवल ब्रिज इंजीनियरिंग गुणवत्ता, आपदा-रोधी कनेक्टिविटी और क्षेत्रीय विकास का उत्कृष्ट उदाहरण है। यह हाई-लेवल ब्रिज 3.34 कि.मी. लम्बाई में बनाया गया है। इस ब्रिज में 2 कि.मी. का मुख्य पुल तथा 1.34 कि.मी. का एप्रोच बनाया गया है। करीब 243 टन भार क्षमता के इस पुल के मुख्य भाग में 40 मीटर के 50 स्पान बनाए गए हैं। इस पुल की लोड टेस्टिंग 5 चरणों में सफलतापूर्वक पूर्ण की जा चुकी है। टेस्टिंग के दौरान यातायात पूर्णतः बंद रखकर प्रत्येक घंटे डिफ्लेक्शन की निगरानी एवं भार हटाने के बाद संरचनात्मक रिकवरी का परीक्षण किया गया। इसमें रिकवरी 92 प्रतिशत रही, जबकि 85 प्रतिशत या अधिक रिकवरी संतोषजनक मानी जाती है। उल्लेखनीय है कि बारिश के दौरान पुराना रपटा जलमग्न तथा क्षतिग्रस्त होने से क्षेत्र का संपर्क बाधित हो जाता था और टोंक जाने के लिए 30 से 40 कि.मी. अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ती थी। अब नए हाई-लेवल ब्रिज से पीपलू, मालपुरा, टोडारायसिंह, फागी एवं अजमेर क्षेत्र में वर्षभर सुरक्षित एवं सुगम आवागमन सुनिश्चित होगा।

एसआई 10 हजार रु. घूस लेते गिरफ्तार

जयपुर। सांगानेर सदर थाने में तैनात सहायक उप निरीक्षक महेश चन्द मीणा को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने गुरुवार को 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया। आरोपी एएसआई मामले में अनुसंधान अधिकारी था और परिवादी के मामा के नाम की पिकअप छोड़ने तथा सहपरिवादी को प्रकरण में आरोपी नहीं बनाने की एवज में रिश्वत की मांग कर रहा था। एसीबी ने रिश्वत की राशि आरोपी की पहनी हुई पैंट की जेब से बरामद कर ली। एसीबी चौकी जयपुर नगर तृतीय के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ज्ञान प्रकाश नवल ने बताया कि जयपुर नगर तृतीय चौकी को शिकायत मिली थी कि सांगानेर सदर थाने में दर्ज प्रकरण के अनुसंधान अधिकारी महेश चन्द मीणा परिवादी के मामा के नाम की पिकअप को छोड़ने और सहपरिवादी को मुल्जिम नहीं बनाने के बदले 20-20 हजार रुपए मांग रहा है।

सार-समाचार

शोहित चौधरी अध्यक्ष, शशांक अग्रवाल उपाध्यक्ष व आकाश सिंघवी सचिव बने

शोहित चौधरी

शशांक अग्रवाल

आकाश सिंघवी

जयपुर (कासं)। जोधपुर नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी की एलुमनी एसोसिएशन (एन.एल.यू.जे.ए.ए.) की गवर्निंग बॉडी के चुनाव पहली बार आयोजित हुए। इसमें 2008 बैच के शोहित चौधरी को अध्यक्ष चुना गया, जबकि 2009 बैच के शशांक अग्रवाल को उपाध्यक्ष व 2005 बैच के आकाश सिंघवी को सचिव चुना गया है। उल्लेखनीय है कि यह संस्था 10 वर्ष पुरानी है, परंतु पहली बार चुनाव हुए हैं, अब तक निर्विरोध ही पदाधिकारियों का चयन होता आया है। गत 26 और 27 सितंबर को ड्रूपल के माध्यम से ऑनलाइन मतदान में 904 पूर्व विद्यार्थियों ने भाग लिया। चुनाव में केतन पॉल को संयुक्त सचिव और आदित्य राज को कोषाध्यक्ष निर्वाचित किया गया। कार्यकारिणी सदस्यों में नंदिनी कौशिक, देवेश कुमार, अली अमेरजी, पीयूष शर्मा, प्रचेत शर्मा और विजय देवड़ा निर्वाचित हुए। नई गवर्निंग बॉडी में 2005 से 2024 तक के विभिन्न बैचों के पूर्व विद्यार्थी शामिल हैं, जिन्हें दिल्ली, जयपुर, जोधपुर और यूके का प्रतिनिधित्व मिला है। चुनाव समिति में अदीति भट्ट, अंकित विरमानी और मेहरुनिस्सा आनंद जेटली शामिल रहे। एसोसिएशन ने चुनाव समिति, ड्रूपल्, सभी प्रत्याशियों और एलुमनाई का आभार जताया।

''हमारा बीएसएनएल'' थीम पर दौड़

जयपुर। भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) के 26वें स्थापना दिवस के अवसर पर गुरुवार को ''हमारा बीएसएनएल'' थीम पर पांच किलोमीटर की दौड़ आयोजित की गई। राजस्थान दूरसंचार परिमंडल कार्यालय से शुरू हुई दौड़ को मुख्य महाप्रबंधक विक्रम मालवीय और राजस्थान दूरसंचार महिला कल्याण समिति की अध्यक्षा मनीषा मालवीय सहित बीए प्रमुखों एवं परिमंडल कार्यालय के इकाई प्रमुखों ने झंडी दिखाकर रवाना किया। दौड़ में परिमंडल कार्यालय, जयपुर बीए और सीएनटीएक्स नॉर्थ के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। महिला कल्याण समिति की सदस्य एवं प्रधान महाप्रबंधक निधि माथुर तथा सुमित्रा जाखड़ भी दौड़ में शामिल हुईं। प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाले धावकों को मुख्य महाप्रबंधक विक्रम मालवीय ने प्रमाण-पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर विक्रम मालवीय ने प्रेरणादायी संबोधन के माध्यम से अधिकारियों एवं कर्मचारियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का सफल आयोजन महाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं प्रशासन) रविंदर कुमार के मार्गदर्शन में किया गया।

बुजुर्गों को बांटी निःशुल्क दवाइयां

जयपुर। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर महानगर द्वितीय की ओर से अंतराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर आमेर स्थित जीवन ज्योति वृद्धाश्रम में चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। प्राधिकरण की सचिव एवं अतिरिक्त जिला न्यायाधीश श्रीमती पल्लवी शर्मा ने बताया कि शिविर में बुजुर्गों के रक्तचाप, शुगर, अस्थि और जोड़ों के दर्द सहित विभिन्न समस्याओं की जांच कर निशुल्क दवाइयां वितरित की गईं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी जयपुर प्रथम के समन्वय से आयोजित शिविर में पीएचसी रूण्डल के चिकित्सा अधिकारी डॉ. अभिषेक गुर्जर और राजकीय सैटेलाइट अस्पताल, आमेर के नर्सिंग अधिकारी मुकेश सैनी ने सहयोग किया। सवाई मानसिंह चिकित्सालय की उपनिदेशक डॉ. आशा लता और उनकी फिजियोथैरेपी टीम ने बुजुर्गों की शारीरिक एवं जोड़ों संबंधी समस्याओं के लिए फिजियोथैरेपी सेवाएं दीं। साथ ही उपस्थित लोगों को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) और राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (रालसा) की ओर से वृद्धजनों की सहायता के लिए संचालित योजनाओं की जानकारी भी दी गई।

दीपक लाम्बा वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोनीत

जयपुर। राजस्थान सचिवालय निजी सचिव एवं निजी सहायक संघ, शासन सचिवालय, जयपुर ने सचिवालय में कार्यरत दीपक लाम्बा निवासी चतुर्भुजपुरा, निवाई (टोंक) को संघ का वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोनीत किया है। संघ के अध्यक्ष मनोज कुमार मीणा द्वारा जारी मनोनयन पत्र के अनुसार, संविधान की धारा 9(5) के तहत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए लाम्बा को कार्यकारिणी समिति में वरिष्ठ उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनके मनोनयन पर निवाई एवं टोंक क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, शुभचिंतकों, सहकर्मियों और क्षेत्रवासियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। क्षेत्रवासियों ने विश्वास जताया कि लाम्बा अपने अनुभव और कार्यकुशलता से संघ के हितों तथा निजी सचिव एवं निजी सहायक संवर्ग से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

पीएन शर्मा व एसएल पालीवाल पदोन्नत

जयपुर। उद्योग एवं वाणिज्य विभाग में पी.एन. शर्मा एवं एस.एल. पालीवाल को वरिष्ठ अतिरिक्त आयुक्त के पद पर पदोन्नति दी गई है। पदोन्नति के बाद दोनों अधिकारियों ने वरिष्ठ अतिरिक्त आयुक्त के पद पर कार्यभार ग्रहण कर लिया है। दोनों वरिष्ठ अधिकारियों के पदभार ग्रहण करने के साथ विभागीय कार्यों के संचालन एवं प्रशासनिक दायित्वों को गति मिलेगी। विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने दोनों अधिकारियों को पदोन्नति पर शुभकामनाएं दीं।

इलेक्ट्रोपैथी अनुसंधान पर संगोष्ठी आज

जयपुर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर इलेक्ट्रोपैथी चिकित्सा परिषद, जयपुर की ओर से 2 अक्टूबर को ''इलेक्ट्रोपैथी अनुसंधान में डेटा का महत्व एवं भूमिका'' विषय पर संगोष्ठी आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम प्रातः 10:30 बजे गांधी सर्किल के पास जेएलएन मार्ग स्थित महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ गवर्नेंस एंड सोशल साइंसेज में होगा। इलेक्ट्रोपैथी चिकित्सा परिषद के अध्यक्ष डॉ. हेमंत सेठिया ने बताया कि उद्घाटन सत्र में राज्यपाल हरिभाऊ बागडे मुख्य अतिथि होंगे। सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

पिंकसिटी के हैरिटेज संरक्षण पर हाईकोर्ट ने लिया स्वतः संज्ञान

- अदालत ने कहा है कि, वर्ष 2019 में ''यूनेस्को वर्ल्ड हैरिटेज'' में शामिल हुई जयपुर चारदीवारी में हैरिटेज संरक्षण के बजाय ध्वस्तीकरण बढ़ा है।
- हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से जवाब मांगा है कि, अब तक जयपुर चारदीवारी के ''हैरिटेज'' को बचाने के लिए क्या-क्या कदम उठाएं गए हैं?

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने जयपुर परकोटे (चारदीवारी) की हैरिटेज विरासतों के संरक्षण को लेकर स्वतः संज्ञान लिया है। मुख्य न्यायाधीश संजय के. अग्रवाल और न्यायाधीश समीर जैन की खंडपीठ ने कहा कि गुलाबी नगरी विश्वप्रसिद्ध धरोहर है, यहां के हैरिटेज संरक्षण के लिए राज्य सरकार कड़े कदम उठाएं। साथ ही वर्ष 2025 में गठित ''वर्ल्ड हैरिटेज कमेटी'' द्वारा तैयार ड्राफ्ट्स व सिफारिशों को भी अपनाएं।

हाईकोर्ट ने कहा कि, जयपुर शहर के परकोटे को यूनेस्को ने वर्ष 2019 में ''वर्ल्ड हैरिटेज सूची'' में पिंकसिटी के नाम से दर्ज किया है। यह जयपुर समेत पूरे देश के लिए गौरव की बात है, परंतु पिछले कुछ वर्षों में जयपुर चारदीवारी के भीतर हैरिटेज इमारतों व हवेलियों का संरक्षण होने के बजाय इनका ध्वस्तीकरण हो रहा है, यह बेहद गंभीर है। राज्य सरकार जयपुर परकोटे के संरक्षण के लिए स्वयं आगे आएं। इसके संबंध में स्थानीय समाचार पत्र में भी खबरें प्रकाशित हुई हैं, जिस वजह से अदालत ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए स्वतः संज्ञान लिया है।

अदालत ने राज्य सरकार को यह बताने के लिए भी कहा है कि, वर्ष 2025 के ''वर्ल्ड हैरिटेज कमेटी'' के फैसले पर अब तक क्या-क्या कदम उठाएं हैं, इसकी जानकारी भी दी जाए। इस प्रकरण में राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता ने नोटिस स्वीकार कर लिए हैं। अब इस मामले पर सुनवाई 10 अक्टूबर को जनहित याचिका की तरह होगी।

टाइम बैंक ने 75 वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान किया

जयपुर। अंतराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर टाइम बैंक ऑफ इंडिया की ओर से महाराणा प्रताप सभागार में आयोजित समारोह में 80 वर्ष से अधिक आयु के 75 वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान जयपुर की सांसद मंजू शर्मा ने किया। जयपुर केंद्र के चेयरमैन आर.सी. जैन का भी अभिनंदन किया गया। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने संदेश में कहा कि 2047 तक भारत में बुजुर्गों की संख्या युवाओं से अधिक होने की संभावना है। उन्होंने वरिष्ठजनों के अकेलेपन को दूर करने में टाइम बैंक के प्रयासों को सराहनीय बताया। समन्वयक बी.एल. वर्मा ने बताया कि यहां पैसा नहीं, समय जमा किया जाता है। संस्थापक अध्यक्ष पी.सी. जैन ने भी विचार रखे। गवर्निंग काउंसिल के अध्यक्ष शैलेन्द्र टंडन ने बताया कि संस्था 2019 से पूरे भारत में कार्यरत है। जयपुर जिला संयोजक अशोक जैन ने आभार जताया। समारोह में सिक्किम हाई कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस एस.एन. भार्गव, आई बैंक अध्यक्ष बी.एल. शर्मा, टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी की कुलपति प्रो. रश्मि जैन, हाईकोर्ट के पूर्व जज जस्टिस दीपक माहेश्वरी, पीएनबी मंडल प्रमुख धर्मेन्द्र कुमार समेत कई लोग मौजूद थे।

आयुर्वेदिक कॉलेज के तीन कार्मिक गिरफ्तार

जयपुर। किशनगढ़-रेनवाल के मुण्डियागढ़ स्थित श्री शिरडी साई बाबा आयुर्वेदिक कॉलेज एवं हॉस्पिटल में अन्य कॉलेज से इंटर्नशिप करने के लिए एनओसी जारी करने की एवज में रिश्वत मांगने के मामले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने गुरुवार को तीन कार्मिकों को गिरफ्तार किया। एसीबी ने कॉलेज के कैशियर/स्टोर कीपर रमेश कुमार शर्मा को परिवादी से 35 हजार रुपए रिश्वत लेते गिरफ्तार किया।

ट्रेप कार्रवाई के दौरान पूछताछ में क्वालिटी कंट्रोल लैब इंचार्ज एवं डिप्टी डायरेक्टर योगेश कुमार अपूर्वा और कम्प्यूटर ऑपरेटर/कनिष्ठ सहायक राजकुमार मीणा की भी प्रकरण में आपराधिक संलिप्तता सामने आने पर दोनों को गिरफ्तार किया गया। एसीबी महानिदेशक पुलिस गोविन्द गुप्ता के अनुसार एसीबी जयपुर नगर प्रथम इकाई को लिखित शिकायत मिली थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि उसकी भतीजी श्री शिरडी साई बाबा आयुर्वेदिक कॉलेज एवं हॉस्पिटल में बीएएमएस की पढ़ाई कर रही है। वह किसी अन्य कॉलेज से इंटर्नशिप करना चाहती थी। इसके लिए कॉलेज से एनओसी जारी करने की एवज में उससे 40 हजार रुपए रिश्वत की मांग की जा रही थी। शिकायत मिलने के बाद एसीबी ने मामले का सत्यापन कराया। एसीबी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भूपेन्द्र के नेतृत्व में पुलिस निरीक्षक मनोज कुमार शर्मा ने रिश्वत मांग का सत्यापन किया। सत्यापन के दौरान 40 हजार रुपए की मांग किए जाने और बाद में 35 हजार रुपए में रिश्वत राशि तय होने की पुष्टि हुई। सत्यापन के बाद एसीबी ने परिवादी से 35 हजार रुपए लेते हुए कॉलेज के कैशियर/स्टोर कीपर रमेश कुमार शर्मा को गिरफ्तार किया गया।

12 भूखंड़ों की नीलामी से रीको को मिला 569 करोड़ रु. राजस्व

जयपुर। राजस्थान में औद्योगिक, लॉजिस्टिक्स और पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम (रीको) की ओर से आयोजित अविकसित एवं अर्धविकसित भूखंडों की ई-नीलामी में निवेशकों का उत्साह देखने को मिला। 30 सितंबर 2026 को समाप्त हुई नीलामी में करीब 391 एकड़ क्षेत्रफल वाले 12 भूखंडों के लिए 128 उद्यमियों ने बोली लगाई। इससे रीको को 569 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ।

- 391 एकड़ क्षेत्रफल वाले इन 12 भूखंडों के लिए 128 उद्यमियों ने लगाई बोली
- उदयपुर के ''माल की टूस'' के दो पर्यटन भूखंडों के लिए 68 निवेशकों ने दिखाई रुचि

उदयपुर के माल की टूस में पर्यटन परियोजनाओं के लिए उपलब्ध कराए गए दो भूखंडों के लिए सर्वाधिक 68 उद्यमियों ने रुचि दिखाई। भिवाड़ी के राबड़का में लॉजिस्टिक्स क्षेत्र के एक भूखंड के लिए 7, दौसा के आईजीपी जयरामपुरा में एक औद्योगिक भूखंड के लिए 3 और बांदीकुई के साउथ वेस्ट जोन में चार औद्योगिक भूखंडों के लिए 32 आवेदन मिले। इसी प्रकार राजसमंद के तनाजा का बांसा में दो औद्योगिक भूखंडों के लिए 6 तथा उदयपुर के पीपाड़ में दो औद्योगिक भूखंडों के लिए 12 आवेदन प्राप्त हुए। पर्यटन भूखंडों पर परियोजनाएं स्थापित होने से प्रदेश में पर्यटन निवेश को गति मिलने की उम्मीद है।

रीको के अनुसार भूखंडों का आवंटन प्रारंभ में 33 वर्ष की लीज पर किया जाएगा, जिसे दो बार 33-33 वर्ष के लिए बढ़ाया जा सकेगा। प्रत्येक नवीनीकरण के समय संबंधित औद्योगिक क्षेत्र में प्रचलित आवंटन दर के आधार पर 10 प्रतिशत भूमि प्रीमियम देना होगा। यह व्यवस्था प्रारंभिक 33 वर्ष की अवधि पूरी होने के बाद पहले और दूसरे नवीनीकरण पर लागू होगी। रीको की इस पहल से प्रदेश में औद्योगिक विकास, लॉजिस्टिक्स ढांचे और पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलने के साथ नए उद्यमियों के लिए भूमि उपलब्धता के अवसर बढ़ने की उम्मीद है।

ज्वैलर्स ने किया महापौर कोठारी का सम्मान

ज्वैलर्स एसोसिएशन परिवार और आभूषण उद्योग के लिए गर्व का विषय है।

जयपुर। ज्वैलर्स एसोसिएशन, जयपुर की ओर से शहर के महापौर सुनील कोठारी का भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। एसोसिएशन के 100 वर्षों के इतिहास में पहली बार कार्यकारिणी समिति के सदस्य रहे किसी व्यक्ति ने जयपुर के महापौर का पद प्राप्त किया है।

एसोसिएशन के अध्यक्ष राजू अग्रवाल मंगोड़ीवाला के नेतृत्व में आयोजित समारोह में कार्यकारिणी समिति सहित विभिन्न कमेटियों के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने पुष्पगुच्छ भेंट कर और माल्यार्पण कर महापौर सुनील कोठारी का स्वागत किया तथा उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। अध्यक्ष राजू अग्रवाल मंगोड़ीवाला ने कहा कि सुनील कोठारी का महापौर बनना पूरे ज्वैलर्स एसोसिएशन परिवार और आभूषण उद्योग के लिए गर्व का विषय है।

इस अवसर पर सचिव अजय गोधा, उपाध्यक्ष गोविंद अग्रवाल, कोषाध्यक्ष गोविंद गुप्ता, संयुक्त सचिव महावीर दागा, विजय केडिया और निर्मल बरड़िया सहित विभिन्न कमेटियों के पदाधिकारी, सदस्य और बड़ी संख्या में ज्वैलर्स मौजूद रहे। सदस्यों ने उम्मीद जताई कि सुनील कोठारी के नेतृत्व में जयपुर शहर विकास की नई ऊंचाइयां हासिल करेगा।

नव प्रसूता कर्मचारियों के लिए तबादला नीति लाए सरकार : राजस्थान हाईकोर्ट

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने अपने एक आदेश में कहा कि एक आदर्श नियोक्ता के रूप में राज्य सरकार को नव प्रसूता और उसके बच्चे के बीच के पवित्र बंधन की रक्षा करनी चाहिए और उसे मशीनी अंदाज में तबादला कर इसे तोड़ना नहीं चाहिए। इसके साथ ही अदालत ने राज्य सरकार को कहा है कि वह नव प्रसूता कर्मचारियों के लिए उचित तबादला नीति लाए। ऐसी नीति के अभाव में मां और शिशु दोनों को गंभीर कठिनाई होती है। वहीं अदालत ने याचिकाकर्ता से जुड़े मामले में तबादला आदेश को छह सप्ताह के लिए टालते हुए याचिकाकर्ता की ओर से पेश अभ्यावेदन को पांच सप्ताह में तय करने को कहा है। जस्टिस अनूप कुमार ने यह आदेश सुमन मीणा की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

- अदालत ने कहा कि ''दूरस्थ स्थान पर तबादला करने के कारण नवजात बच्चे को मां से जबरन अलग करने जैसा है। इससे न केवल उनके अमूल्य अधिकार का हनन होगा, बल्कि शिशु को मनोवैज्ञानिक आघात, असुरक्षा और कुपोषण का खतरा उत्पन्न होगा। जिसकी भरपाई नहीं हो सकती।''

अदालत ने कहा कि दूरस्थ स्थान पर तबादला करने के कारण दो माह के बच्चे को मां से जबरन अलग करने जैसा है। इससे न केवल उनके अमूल्य अधिकार का हनन होगा, बल्कि शिशु को मनोवैज्ञानिक आघात, असुरक्षा और कुपोषण का खतरा उत्पन्न होगा। जिसकी किसी भी तरह से भरपाई नहीं हो सकती। याचिका में अधिवक्ता संस्कृति गौतम ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता सवाई माधोपुर के गंगापुर सिटी में वरिष्ठ अध्यापक के तौर पर कार्यरत है। उसने गत 13 मई को बच्चे को जन्म दिया था और 7 जुलाई को विभाग ने उसका तबादला करौली जिले में कर दिया। याचिका में कहा गया कि तकनीकी आधार पर उसे मातृत्व अवकाश नहीं दिया गया है, क्योंकि वह पूर्व में दो बार मातृत्व अवकाश ले चुकी है। हालांकि पूर्व में एक संतान जन्म के बाद दिवंगत हो गई थी। याचिका में कहा गया कि उसने मानवीय आधार पर तबादला आदेश को निरस्त कराने के लिए सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण में अपील दायर की थी, लेकिन अधिकरण ने उसे खारिज कर दिया। याचिका में कहा गया कि उसका नवजात अभी दो माह का है और पूर्ण रूप से याचिकाकर्ता पर निर्भर है। ऐसे में उसका दूरस्थ स्थान पर तबादला उचित नहीं है।

वन्यजीव तस्करी के 22 साल पुराने मामले में पुलिस की लचर जांच, आरोपी दोषमुक्त

जयपुर। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम-6 महानगर प्रथम ने 22 साल पुराने वन्यजीव अंगों की तस्करी के चर्चित मामले में पुलिस जांच को कटघरे में लेते हुए आरोपी बनाए गए रानी गिहारा, आकाश गिहारा, तारिया और सुभाष को संदेह का लाभ देते हुए दोषमुक्त कर दिया था। प्रकरण में आरोपी बनाए गए ईपी सिंह, संसार चन्द्र और सत्यभान की मौत हो चुकी है। वहीं रामजस और जान मोहम्मद फरार चल रहे हैं। अदालत ने कहा कि मामले में आरोपी बनाए गए ईपी सिंह की सूचना में अन्य लोगों को प्रकरण में आरोपी बनाया गया, लेकिन यह सूचना ही संदेहास्पद थी। जब यह सूचना की प्रमाणित नहीं होती है तो अन्य आरोपियों के संबंध में सारी कार्रवाई भी दूषित हो जाती है।

अभियोजन पक्ष की ओर से अदालत को बताया गया कि माणक चौक थाना पुलिस को 17 अक्टूबर 2004 को सूचना मिली कि जौहरी बाजार में एक दक्षिण भारतीय व्यक्ति खड़ा है। इसके बाद एक बैग है, जिसमें वन्यजीवों के अंग हो सकते हैं। पुलिस ने उस व्यक्ति ईपी सिंह को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से पैंथर के 108 अंगुली, नाखून, खाल के साथ ही मोती व नकदी बरामद की गई थी। इसके बाद मामले में संसार चंद्र, उसकी पत्नी रानी और बेटे आकाश को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने पूछताछ के आधार पर सुभाष, तारिया, सत्यभान, रामजस और जान मोहम्मद को भी गिरफ्तार किया। प्रकरण की सुनवाई के दौरान ही संसार चंद्र की जेल में ही मौत हो गई और आरोपी सत्यभान का भी निधन हो गया।

इन आरोपियों से पुलिस को ऐसे तथ्य मिले थे, जिससे यह जानकारी मिली कि सरिस्का से बाघों का खात्मा इसी गैंग ने किया था। यह मामला संसद में भी उठा था और उसके बाद आरोपियों की धरपकड़ हुई। आरोपी आकाश गिहारा के पास से वह डायरी बरामद हुई थी, जिसमें वन्य जीव तस्करी का रिकॉर्ड लिखा गया था। हालांकि पुलिस यह साबित करने में नाकाम रही।

इसलिए फेल साबित हुई पुलिस की जांच

आरोपियों की ओर से पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता सीसी रतनू ने पुलिस की जांच और गिरफ्तारी की प्रक्रिया पर सवाल उठाए। उन्होंने अदालत को बताया कि पुलिस ने गिरफ्तारी का समय सुबह 9 से 10 बजे बताया, जबकि गिरफ्तारी से पहले ही आरोपी को पकड़े जाने की खबर उसी दिन सुबह के समाचार पत्र में प्रकाशित हो चुकी थी। अदालत ने भी पुलिसकर्मियों के बयानों को संदिग्ध और विरोधाभासी माना। मामले में महत्वपूर्ण गवाहों को पेश नहीं किया गया, जिनमें कुछ पुलिसकर्मी भी शामिल थे। ऐसे में अभियोजन पक्ष के साक्ष्यों और पुलिस की कार्रवाई पर उठे सवालों का लाभ आरोपियों को मिला और उन्हें दोषमुक्त कर दिया गया।

The Power of a Smile

World Smile Day is celebrated on the first Friday of October every year. It reminds us of the importance of smiling and spreading happiness around us. A simple smile can make someone feel loved, confident, and cared for. On this day, people try to perform kind and helpful acts to make others smile. Smiling also reduces stress and creates a positive atmosphere. We can celebrate World Smile Day by helping others, sharing kind words, spending time with family and friends, and being friendly to everyone. Let us remember that a smile costs nothing but can brighten someone's entire day.

#THE GOLDEN HUMA BIRD

A Jewel from Tipu Sultan's Lost Throne

The bird's significance extends beyond its beauty. In Persian mythology, the Huma is a celestial bird of fortune and happiness

Among the most extraordinary surviving treasures associated with Tipu Sultan, the famed ruler of Mysore, is a magnificent gold Huma bird that once adorned his legendary throne. Richly embellished with precious gemstones and steeped in symbolism, this remarkable object stands as a testament to the artistic brilliance and royal ambition of late eighteenth-century India.

The Huma bird originally formed part of the celebrated throne of Tipu Sultan, a masterpiece of craftsmanship that symbolized the ruler's sovereignty and power. The throne was lavishly decorated with gold, jewels, and symbolic motifs drawn from both Indian and Persian traditions.

Following Tipu Sultan's defeat and death during the Fourth Anglo-Mysore War in 1799, British troops entered Seringapatam (now Srirangapatna) and dismantled the throne. Its many ornaments and components were removed and dispersed among British officials and institutions as trophies of war. While the throne itself was lost, several decorative elements survived, including the magnificent Huma bird, which eventually entered the Royal Collection in the United Kingdom. Crafted from gold and encrusted with rubies, emeralds, and diamonds, the bird is a stunning example of royal Indian jewelry and metalwork. Its beak is carved from a single emerald, while its eyes are fashioned from diamonds edged with emeralds, creating a lifelike brilliance. The careful arrangement of gemstones demonstrates the exceptional skill of the artisans who worked in Tipu Sultan's court.

The bird's significance extends beyond its beauty. In Persian mythology, the Huma

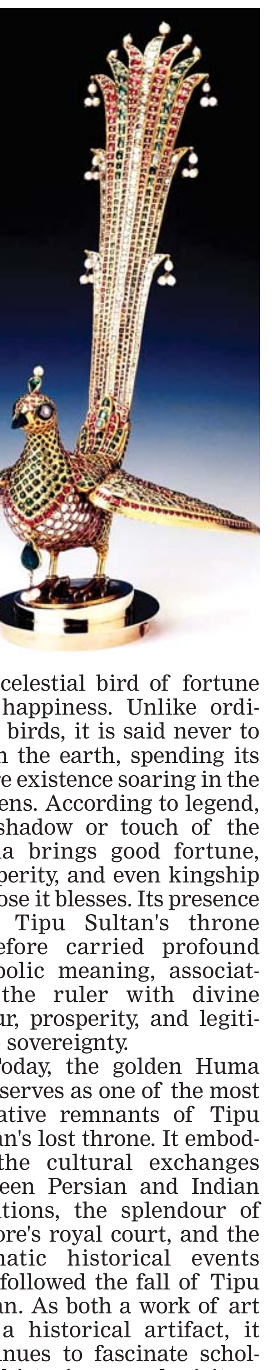

is a celestial bird of fortune and happiness. Unlike ordinary birds, it is said never to touch the earth, spending its entire existence soaring in the heavens. According to legend, the shadow or touch of the Huma brings good fortune, prosperity, and even kingship to those it blesses. Its presence atop Tipu Sultan's throne therefore carried profound symbolic meaning, associating the ruler with divine favour, prosperity, and legitimate sovereignty.

Today, the golden Huma bird serves as one of the most evocative remnants of Tipu Sultan's lost throne. It embodies the cultural exchanges between Persian and Indian traditions, the splendour of Mysore's royal court, and the dramatic historical events that followed the fall of Tipu Sultan. As both a work of art and a historical artifact, it continues to fascinate scholars, historians, and visitors alike, offering a glimpse into the grandeur of one of India's most remarkable rulers.

PART:2

I fell asleep during the Mahabharata and dreamt that Duryodhana woke up in 2026. He went looking for someone who understood him. He did not have to look far.

Duryodhana Meets Trump

Shailaza Singh
Published Author, Poet and a YouTuber

One rule for this dream

Before the dream begins, a rule. Every line Duryodhana speaks here is mine. Every word Trump speaks here, he has actually said, on the record. I tried to invent better lines for him. I could not.

The palace of illusions

In my dream, Duryodhana woke up in a room so full of gold that for a moment, he thought he was back in Hastinapur. It was Mar-a-Lago.

He walked in carefully. The last time he entered a dazzling palace, it was the Maya Sabha, the hall of illusions that the Pandavas built at Indraprastha. He mistook a floor for a pool and a pool for a floor, fell into the water, and was laughed at. In the version every Indian grandmother tells, it was Draupadi who laughed. He never forgave it. Out of that one laugh came the dice game, the insult to Draupadi, thirteen years of exile and eighteen days of war.

At the end of the hall stood a man in a very long red tie.

"I alone can fix it," said the man.

Duryodhana liked him at once. "They laughed at me in a palace once," he said.

Here, the journalist in me must add a footnote. In 2011, at the White House Correspondents' Dinner, President Barack Obama made fun of Trump for several minutes while he sat in the audience. Many commentators have since traced his political career to that night. Trump has denied it. Duryodhana, I suspect, would not have believed the denial either. Some men forget a war. Nobody forgets a laugh.

The dice

"They say I cheated at dice," Duryodhana grumbled. "My uncle Shakuni threw them. Is that my fault?" The man in the red tie nodded. This was a subject he knew well. "The election was rigged."

Duryodhana was impressed. In his day, you rigged the dice and then you won. This man had lost, said the dice were rigged, and then won the next game anyway. "Even Shakuni," Duryodhana said, "never thought of that."

> Trump's firm is smaller, but far more international. His sons run the business and a crypto venture. And this September, his son-in-law, Jared Kushner, flew to Moscow with the envoy Steve Witkoff to discuss peace with Vladimir Putin. Kushner's investment firm, it should be said, has taken some two billion dollars from Saudi Arabia's sovereign wealth fund. Duryodhana was moved. "Our 'damaad' (son-in-law) was Jayadratha," he said.

Hastinapur and Sons

They moved on to family, as men of business always do. Duryodhana ran Hastinapur the way every old family firm in Johari Bazaar is run: the blind father at the counter, a hundred sons in the godown, and the uncle in charge of strategy.

Trump's firm is smaller, but far more international. His sons run the business and a crypto venture. And this September, his son-in-law, Jared Kushner, flew to Moscow with the envoy Steve Witkoff to discuss peace with Vladimir Putin. Kushner's investment firm, it should be said, has taken some two billion dollars from Saudi Arabia's sovereign wealth fund.

Duryodhana was moved. "Our 'damaad' (son-in-law) was Jayadratha," he said. "We gave him one job, and he tried to kidnap the Pandavas' wife. Yours negotiates wars? You are a lucky man."

The silent elders

The two men had one more thing in common: a court full of wise old men who said nothing. When Draupadi was dragged into the Kaurava court, Bhishma, Drona and Kripa sat with their eyes lowered. In the popular telling, Bhishma later explained that he had pledged his loyalty to the throne. It is the saddest excuse in our epics, and the most modern.

This year, when allies were taxed for their friendships and a national theatre was held hostage for a nameplate, most of the world's elders lowered their eyes too. One called him Daddy. The rest counted their trade surpluses. In 2026, the loyalty is simply priced in dollars.

#TRUMPTROPY

Concepts of a plan

"How do you win your wars?" Duryodhana asked. Here, I must explain, because Trump answered with his campaign record. He had promised to end the war between Russia and Ukraine "in 24 hours." The war has now outlived that promise by more than six hundred days.

"Kurukshetra took eighteen," said Duryodhana, a little smugly.

Trump replied with the words he used in March 2025: "I was being a little bit sarcastic."

"In Hastinapur," said Duryodhana, "we called that diplomacy. And what is your plan now?"

"I have concepts of a plan."

Duryodhana brightened. "So did I. I once built the Pandavas a house of lac. It had concepts of a fire."

The most beautiful word

Then came the question every man asks another over whisky. What is your favourite word?

Trump did not hesitate. Tariff, he has said, is "the most beautiful word in the dictionary." Duryodhana's favourite word was shorter. It was 'no.' When Lord Krishna came to Hastinapur as a peace envoy and asked him to give the Pandavas just five villages, Duryodhana replied that he would not give them even as much land as the point of a needle could hold. Two men, two favourite words. One taxes everything. The other refused to share anything. Between them, they would have made a very efficient finance ministry.

The man of peace

"Then why," asked Duryodhana, "do they call you a man of peace?"

Trump offered the line from the night he won in November 2024: "I'm not going to start a war. I'm going to stop wars."

In my dream, I leaned over and whispered a date to Duryodhana: 28 February 2026. The day America and Israel attacked Iran. He did not understand the calendar, but he understood the tone.

Then Trump, a little wounded, added what he posted in June 2025: "I won't get a Nobel Peace Prize … no matter what I do."

Duryodhana was sympathetic. Nobody gave him a peace prize either. But to be fair, he never asked for one before the war.

A flute at the door

Then, as always happens when men like these get too comfortable, there was the sound of a flute.

Krishna walked in, the same envoy who had once walked into the Kaurava court, and he made the same kind of offer. A small concession. A way out. No war. This time, he was talking about Iran.

Duryodhana folded his arms and gave his needle answer again, from habit.

Trump gave the answer he gave the United Nations on 22 September: "I have a big decision to make: Will a deal be made with Iran that lets them rebuild … or do I annihilate the Islamic Republic, and do it quickly?"

Trump waved towards the buffet.

Krishna did not move. "I eat a man's food only if he is dear to me, or if I am starving. Ask him."

"Hastinapur," Duryodhana muttered. "Chhappan bhog, fifty-six dishes. And he went off to eat saag at Vidura's house."

> On the wall behind the buffet hung a framed photograph: a stadium in Houston, fifty thousand people, two men waving hand in hand. Beside it hung another, from Motera stadium in Ahmedabad, where more than a lakh had gathered. On the side table lay a glossy brochure: Trump Tower Mumbai. Trump Tower Pune. Gurugram. Kolkata. Three more cities had 'coming soon' stickers on them. Duryodhana whistled. "That is a lot of hospitality..."

On the wall behind the buffet hung a framed photograph: a stadium in Houston, fifty thousand people, two men waving hand in hand. Beside it hung another, from Motera stadium in Ahmedabad, where more than a lakh had gathered. On the side table lay a glossy brochure: Trump Tower Mumbai. Trump Tower Pune. Gurugram. Kolkata. Three more cities had 'coming soon' stickers on them.

Duryodhana whistled. "That is a lot of hospitality. What did he get back?"

The door opened. A general in a Pakistani uniform walked in carrying a large gift-wrapped box with a golden bow. The tag said: 'Nobel Peace Prize. Recommended.' He placed it beside the buffet, filled his plate and left very happy.

Trump looked at the door, waiting for the next guest. Nobody came from Delhi.

Then the phone rang. It was Delhi. I could not hear the words, but I read the newspapers, so, I could guess. Thank you for calling. We stopped the war ourselves. No, there will be no nomination.

Duryodhana was scandalised. "After the stadiums? After the towers? Ungrateful!"

"Some compliments cost nothing," said Krishna. "That one would have cost Delhi fifty years of saying, 'This is between us and Pakistan.'"

He looked at the untouched buffet. "Some banquets you walk past."

Krishna smiled. It was the same smile he had smiled in Hastinapur, just before Duryodhana tried to have him arrested and Krishna revealed the whole universe inside himself. The court trembled. Duryodhana looked at the cosmos and saw only a magic trick.

Trump looked at Krishna and told him what he had told Axios in September: "Anything could happen with me."

"That," said Krishna gently, "is what Duryodhana thought too."

The question I could not answer

Krishna left without another word, the way he had once walked out of the Kaurava court. Trump went off to discuss his ballroom. Then, the gold room dissolved, the way rooms do in dreams, and I was back on my own sofa in Jaipur. Duryodhana was sitting beside me.

"If he had been me," he asked, "what would he have done?"

I have watched Trump for ten years. I knew exactly what he would have done.

At the Maya Sabha, he too would have fallen into the pool. Then, he would have called it the biggest splash in history and announced a swimming championship in his name.

When Krishna asked for five villages, he would have said yes, then put a 50 per cent tariff on all five.

When Krishna came as peace envoy, he would have called him a great guy, taken a photograph, and posted that the war was over before it had begun.

He would never have fought for eighteen days. He would have fought for twelve, announced a ceasefire on Truth Social, and named the war himself.

And he would never have hidden in a lake, as Duryodhana did on the last day of Kurukshetra. He would have stood up, fist in the air, shouting, "Fight! Fight! Fight!"

Duryodhana thought about it. "So, he would have lost too."

"Yes," I said. "But nobody would ever have been able to prove it."

Duryodhan turned to the news from the Gulf: burning tankers, a blockade, a strait no wider than the road from Jaipur to Chomu.

"Tell me one thing," he said. "In this war, which side are the Pandavas?"

I have been looking all year. I will tell you tomorrow what I found, and whether another Mahabharata is due.

To be continued...

rajeshsharma1049@gmail.com

#STORYTELLING

The Inspiration Behind Mowgli

The Legend of the Wolf Children of Sultanpur, though shocking, was often met with silence rather than action

In the mid-19th century, around 1852, a strange and haunting series of events was reported near Sultanpur in British India. Local villagers spoke in fear and disbelief about wolves carrying away small children into the forest. These incidents, though shocking, were often met with silence rather than action. Many of the affected families belonged to marginalized communities considered "untouchable" under the rigid caste system of that time, and their suffering was largely ignored by society.

The stories of the so-called "wolf children" from 19th-century North India become even more striking when examined through the accounts recorded by British officials and missionaries of that era. Around the 1850s, particularly in regions near Sultanpur and other parts of present-day Uttar Pradesh, reports began to circulate about children mysteriously disappearing from villages located on the edges of dense forests.

Night Raids and Fear in Villages

Villagers described a disturbing pattern. Wolves would reportedly creep into settlements at night, especially during colder months when food was scarce in the forest. The targets were usually the most vulnerable, infants or toddlers left unattended.

In many cases, families lacked the resources or collective strength to organize effective search efforts. The situation was worsened by deep social inequalities. Some affected families belonged to communities labeled as "untouchable," and their suffering was often ignored by higher castes and local authorities.

The forest itself was vast, thick, and unfamiliar. Once a child was taken into it, tracking the animal became nearly impossible. This created an atmosphere of fear, helplessness, and resignation among villagers living at its edge.

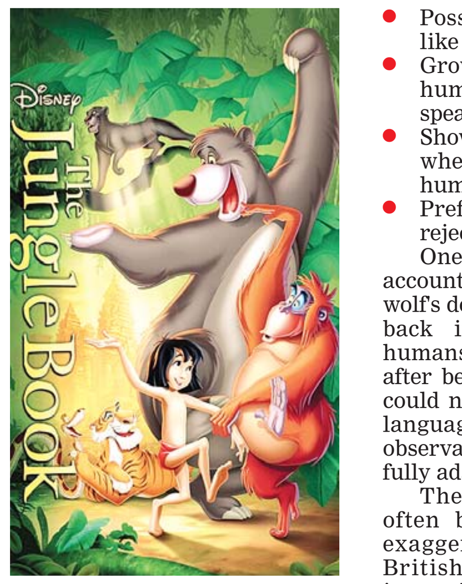

Discovery of "Wolf Children"

Years later, a few extraordinary and unsettling discoveries were reported. Hunters or villagers occasionally came across children living among wolves deep within the forest. These children reportedly displayed behaviour very different from ordinary human beings.

They were described as:

- Moving on all fours rather than walking upright.
- Possessing sharp, animal-like reflexes.
- Growling or making non-human sounds instead of speaking.
- Showing fear or aggression when approached by humans.
- Preferring raw food and rejecting cooked meals.

One widely discussed account tells of a boy found in a wolf's den who attempted to flee back into the forest when humans captured him. Even after being taken into care, he could not speak or understand language. Despite years of observation and effort, he never fully adapted to human society.

These stories, though often blurred by myth and exaggeration, fascinated British officials, missionaries, and writers. Among those influenced was Rudyard Kipling, who spent part of his life in India and drew inspiration from its landscapes, wildlife, and folklore.

Kipling's famous work, *The Jungle Book*, features the iconic character Mowgli, a young boy raised by wolves in the jungle. While Mowgli's story is fictional and far more romanticized, it echoes the real-life accounts of children allegedly raised by animals. In the book, Mowgli grows up learning the laws of the jungle, befriending animals, and navigating both the wild and human worlds.

The incidents near Sultanpur remain part history, part legend. Whether entirely factual or partially mythologized, they reveal a time when fear, superstition, and social divisions shaped how people responded to tragedy. At the same time, they contributed to one of the most enduring literary creations in the world.

Today, the story of Mowgli continues to captivate readers and audiences globally, but behind it lies a much darker and more complex reality, one that reminds us of both the power of storytelling and the importance of compassion in society.

THE WALL

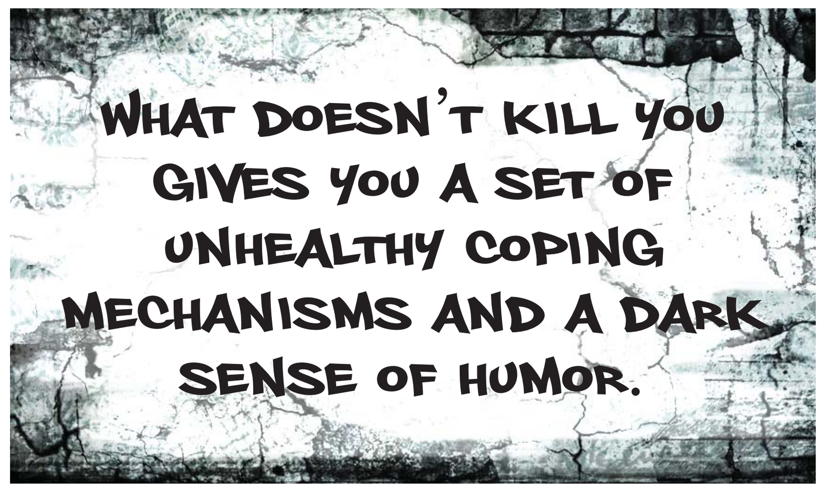

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

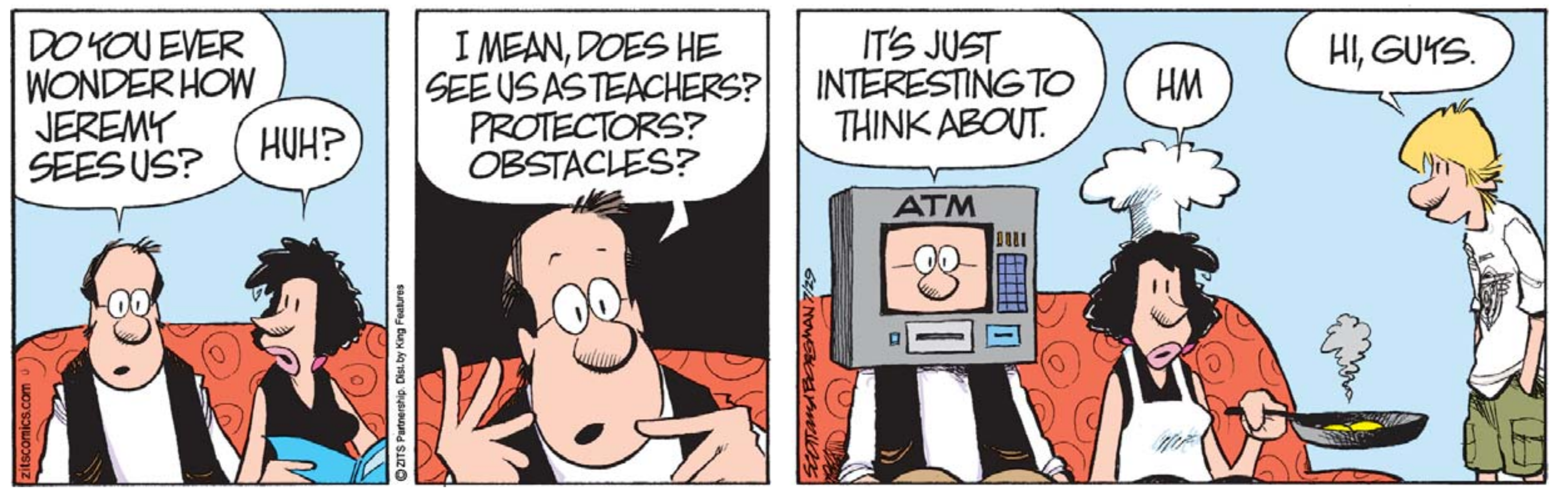

सार-समाचार

नवनियुक्त सभापति का स्वागत

टोंक। नवनियुक्त सभापति का मंयक गोयल का होटल राज मिडवे पर वाल्मीकि समाज ने किया सम्मान। इस अवसर पर सभापति मंयक गोयल ने वाल्मीकि समाज के लोगो को आश्वासन दिया वह उनकी किसी भी मूलभूत सुविधाओं के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे और शहर को स्वच्छ और साफ सुन्दर रखने के लिए निरंतर प्रयास करते रहेंगे तथा टोंक के विकास के लिए हमेशा तत्पर रहूंगा। इस अवसर पर वाल्मीकि समाज के अलावा अन्य कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

कांग्रेसियों ने मनाया प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा का जन्मदिवस

टोंक । कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा के जन्मदिवस पर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा गुरूवाार को गौ सेवा करके जन्मदिन मनाया गया। इस अवसर पर गांधी गौशाला टोंक में कांग्रेसी कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों द्वारा गायों को हरा चारा और गुड़ खिलाया गया तथा केक काटकर गोविंद सिंह डोटासरा की दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की गई। इस मौके पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष रामविलास चौधरी ने प्रदेश अध्यक्ष डोटासरा के लिए मंगल कामना करते हुए कहां की उनके सशक्त नेतृत्व और संगठन के प्रति समर्पण भाव ने प्रदेश के असंख्य कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों में नई ऊर्जा और विश्वास का संचार किया है। उन्होंने भाजपा प्रदेशाध्यक्ष के बयान का जवाब देते हुए कहा कि उन्हें अपने संगठन को चुस्त तो दुरुस्त बनाने पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कार्यालय में जब बैठक होती है तो भाजपा प्रदेशाध्यक्ष का मोबाइल लेकर रख लिया जाता है, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष को अपनी पार्टी के अंदर खुद की हैसियत देखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एक लोकतांत्रिक पार्टी है जिसमें सभी फैसले लोकतांत्रिक ढंग से होते हैं, जबकि भाजपा में फैसला थोपे जाते हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले पंचायत चुनाव में प्रशासन के हस्तक्षेप को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस अवसर पर निवर्तमान जिलाध्यक्ष ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के जन्मदिन पर बधाई संदेश देते हुए कहा कि डोटासरा के नेतृत्व में कांग्रेस संगठन अच्छा कार्य कर रहा है, उनका कुशल नेतृत्व हम सभी कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने आगे कहा कि जिस प्रकार नगर निकाय चुनाव में भाजपा ने प्रशासन का दुरुपयोग किया है आने वाले समय में जनता भाजपा को सबक सिखाएगी। उन्होंने कहा कि राजस्थान में भाजपा से ना सरकार संभल रही है और ना ही संगठन। उन्होंने कहा कि आने वाले पंचायत चुनाव में टोंक जिले में सभी पंचायत समितियां में कांग्रेस का प्रधान एवं प्रमुख बनेंगे जिला सोशल मीडिया प्रभारी जर्रार खान ने बताया कि देहात ब्लॉक अध्यक्ष , सेवादल जिला अध्यक्ष अल्पसंख्यक विभाग जिला अध्यक्ष , पर्यावरण जिला अध्यक्ष ,खेल प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता पदाधिकारी उपस्थित रहे।

परियोजना निदेशक टीकाकरण ने की एचपीवी वैक्सीनेशन की आकस्मिक विजिट

कोटपूतली । जिले में भविष्य में किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर (गर्भाशय ग्रीवा का कैंसर) से बचाने के लिए एचपीवी वैक्सीन लगायी जा रही है। इसको लेकर परियोजना निदेशक टीकाकरण डॉ. रघुराज सिंह ने जिले के चिकित्सा संस्थानों का निरीक्षण किया। तत्पश्चात् समीक्षा मीटिंग आयोजित कर इसकी विस्तृत समीक्षा की। परियोजना निदेशक द्वारा क्षेत्र में सभी चिकित्सक अधिकारियों एवं टीकाकरण कर्मियों के साथ एचपीवी वैक्सीनेशन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान उन्होंने टीकाकर्मियों से सीधे संवाद कर अधिक से अधिक टीकाकरण एचपीवी वैक्सीनेशन करवाने के लिए निर्देशित किया। मीटिंग में क्षेत्र में किए जाने वाले रूटीन इम्यूनाइजेशन कार्यक्रम की भी विस्तृत समीक्षा की गई। संस्था क्षेत्र में जो भी बच्चे टीकाकरण के लिए बाकी हैं, उनको टीका लगाकर लाईनस्टिंग करने पर जोर दिया गया। इसके बाद जिला स्तर पर परियोजना निदेशक की अध्यक्षता मे समीक्षा मीटिंग आयोजित की गई। इस दौरान एचपीवी वैक्सीनेशन की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में वैक्सीनेशन की प्रगति में सुधार करने हेतु विशेष कार्ययोजना तैयार कर आगामी दिनों में इसकी प्रगति में सुधार करने तथा अभिभावकों एवं समाज में व्याप्त भ्रांतियों को दूर जागरूकता करने का निर्णय लिया गया। इस दौरान सभी विद्यालयों की नजदीकी चिकित्सा संस्थानों से मैपिंग कर 14 से 15 वर्ष की बालिकाओं को नजदीकी चिकित्सा संस्थान पर ले जाकर वैक्सीनेशन करवाने के निर्देश दिए गए। बैठक में राज्य नोडल अधिकारी डॉ. देवेंद्र सोधी, सीएमएचओ डॉ. आशीष सिंह शेखावत, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डब्ल्यूएचओ राकेश विष्वकर्मा, यूएनडीपी मुदित माथुर, आरसीएचओ डॉ. अरविंद अठावाल, डिप्टी सीएमएचओ डॉ. प्रमोद सिंह भदौरिया व डॉ. जयभगवान यादव, डीएनओ रविकांत जांगिड़ एवं समस्त बीसीएमओ उपस्थित रहे।

श्रमदान से साकार होगा सेवा का संकल्प, 'सेवा मेरा योगदान' कार्यक्रम में जुटेंगे विद्यार्थी

चौमूं / कालाडेरा । कालाडेरा कस्बे में स्थित सेठ आरएल सहरिया राजकीय पीजी महाविद्यालय, कालाडेरा के तत्वावधान में विकसित भारत जन सेवा अभियान एवं गांधी अध्ययन केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में गांधी जयंती के अवसर पर 'सेवा मेरा योगदान' कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में सेवा, श्रम, स्वच्छता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को मजबूत करना है। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. जय भारत सिंह के नेतृत्व में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में एनएसएस, एनसीसी तथा रोवर-रेंजर्स के विद्यार्थी सक्रिय भागीदारी निभाएंगे। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थी महाविद्यालय परिसर में सामूहिक रूप से श्रमदान कर स्वच्छता एवं परिसर सौंदर्यीकरण का संदेश देंगे। कार्यक्रम की संयोजक प्रो. रूबी शर्मा के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को श्रम की गरिमा, स्वच्छता के महत्व तथा समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों के प्रति जागरूक किया जाएगा। कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया जाएगा कि राष्ट्र निर्माण केवल विचारों से नहीं, बल्कि सेवा, सहभागिता और स्वयं आगे बढ़कर किए गए छोटे-छोटे प्रयासों से भी संभव है। महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर आयोजित यह पहल विद्यार्थियों को गांधीजी के स्वच्छता, श्रम की गरिमा, आत्मनिर्भरता और सेवा जैसे मूल्यों को व्यवहार में उतारने के लिए प्रेरित करेगी। कार्यक्रम में महाविद्यालय परिवार के सदस्य भी सहभागिता करेंगे।

तीन महीने बाद सरिस्का टाइगर रिजर्व पर्यटकों के लिए खोला

अलवर । करीब तीन महीने के इंतजार के बाद सरिस्का टाइगर रिजर्व आज 1 अक्टूबर से पर्यटकों के लिए फिर खोल दिया गया। मानसून के दौरान बंद रहे सरिस्का के पर्यटक मार्गों को दुरुस्त करने के बाद वन विभाग ने जंगल सफारी शुरू कर दी है। पहले दिन ऑनलाइन सफारी की बुकिंग फुल रही। ऑफलाइन टिकट नहीं मिलने के कारण पर्यटकों को 35 वाहनों के जरिए जंगल भ्रमण कराया गया। कुछ विदेशी पर्यटक भी पहले दिन सरिस्का की सैर करने पहुंचे। पहले दिन सरिस्का पहुंचने वाले पर्यटकों का वन विभाग की ओर से अलवर के प्रसिद्ध कलाकंद से स्वागत किया गया। लंबे समय बाद जंगल सफारी शुरू होने से पर्यटकों में खासा उत्साह नजर आया। पर्यटकों की संख्या को देखते हुए आने वाले दिनों में सफारी के लिए वाहनों की संख्या बढ़ाई जा सकती है। सरिस्का टाइगर रिजर्व में पर्यटकों को रोजाना दो पारियों में जंगल भ्रमण कराया जाएगा। पहली पारी सुबह 6:30 बजे से 10 बजे तक और दूसरी पारी दोपहर 2:30 बजे से शाम 6 बजे तक रहेगी। पर्यटक सरिस्का और टहला गेट से जंगल में प्रवेश कर सकेंगे।

भाजपा के पुराने कार्यकर्ताओं को सम्मान देकर सक्रिय करें : संजय भाटिया

■ भाजपा के प्रदेश प्रभारी संजय भाटिया ने ली कार्यकर्ता बैठक

भाजपा राजस्थान के प्रभारी संजय भाटिया का भरतपुर में जिला अध्यक्ष शिवानी दायमा सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया।

भरतपुर (निसं)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री एवं राजस्थान संगठन के प्रभारी संजय भाटिया के भरतपुर आगमन पर जिला अध्यक्ष शिवानी दायमा के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने जोशीला स्वागत किया उसके बाद पंचायत चुनाव को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं की एक बैठक आयोजित की गई जिसमें मुख्य अतिथी प्रदेश प्रभारी संजय भाटिया रहे तथा विशिष्ट अतिथि पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं संभाग चुनाव प्रभारी अशोक परनामी एवं प्रदेश मंत्री नारायण मीणा रहे। जबकि बैठक की अध्यक्षता जिलाअध्यक्ष शिवानी दायमा ने की। बैठक से पूर्व मुख्य अतिथी एवं विशिषट अतिथियों द्वारा भारत माता, पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्जवलित किया। सर्वप्रथम जिलाध्यक्ष शिवानी दायमा ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि हमारे राष्ट्रीय महामंत्री एवं प्रदेश प्रभारी संजय भाटिया का भरतपुर में पहली बार प्रवास हुआ है जिसके लिए सभी कार्यकर्ताओं के साथ में तहेदिल से स्वागत और अभिनंदन करती हूं और मैं आशा करती हूं कि हमारे कार्यकर्ता पंचायत चुनाव में फिर दोबारा इतिहास रचेंगे।

बैठक में सर्वप्रथम प्रदेश प्रभारी ने सभी कार्यकर्ताओं से परिचय प्राप्त कर सभी को धन्यवाद दिया। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि सभी कार्यकर्ता एक-एक वार्ड की जिम्मेदारी ले तथा उस जिम्मेदारी का बखूबी निर्वहन करें प्रत्येक पंचायत समिति में लाभार्थी सम्मेलन का आयोजन कराया जावे तथा सभी समाजों के सम्मेलन भी किये जावे। सभी जाति वर्गों से एक एक विशेष टीम तैयार की जावे, क्षेत्र के पुराने कार्यकर्ताओं को सम्मान देकर सक्रिय करें, सभी समाज के प्रभावित लोगों से संपर्क करना आवश्यक है। पुराने और नए कार्यकर्ता एक परिवार की तरह कार्य करेंगे तो पंचायत चुनाव में भाजपा की विजय श्री अवश्य होगी। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं चुनाव संभाग प्रभारी अशोक परनामी ने कार्यकर्ताओं को धन्यवाद देते हुए कहा कि आप सभी की कठिन मेहनत ने सभी नगर पालिका, नगर परिषद और नगर निगम में भाजपा का परचम फहराया है। आगे कहा कि हमारी मंजिल अभी यहीं खत्म नहा हुई है।

राज्य स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता का प्रारम्भ

टोंक । स्थानीय मदरलैंड सीनियर सैकण्डरी स्कूल गुरुवार को राज्य स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता का प्रारम्भ किया गया। इस दौरान संयोजक कमलेश सिंगोदिया ने 70वीं राज्य स्तरीय माध्यमिक व उच्च माध्यमिक विद्यालयी क्रीड़ा प्रतियोगिता (छात्र वर्ग) अंडर-17 हॉकी के उद्घाटन समारोह में अपने विचार व्यक्त किए। प्रतियोगिता में प्रदेश की 40 टीमें भाग ले रही हैं, जिनके 702 खिलाड़ी अपने खेल कौशल का प्रदर्शन करेंगे, प्रतियोगिता के सभी मैच गांधी खेल मैदान एवं सआदत पैवेलियन ग्राउण्ड पर खेले जा रहे हैं। प्रतियोगिता नॉकआउट और लीग पद्धति से खेली जाएगी। उद्घाटन में स्कूल के छात्र-छात्राओं ने आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए । प्रतियोगिता उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि सभापति मयंक गोयल, अध्यक्ष जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) राजेश कुमार शर्मा, विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) कृष्ण गोपाल शर्मा, औसाफ़ खान, सुनील बंसल एवं हंसराज गाता रहे।

पावटा प्रागपुरा नगरपालिका में कांग्रेस की जीत पर निकला भव्य विजय जुलूस

पावटा। पावटा-प्रागपुरा नगरपालिका में कांग्रेस की जीत के बाद मंगलवार को पूर्व विधायक एवं कांठोस जिलाध्यक्ष इंद्राज गुर्जर के सान्निध्य में नवनिर्वाचित चेयरमैन मीना देवी पत्नी अजय सैनी, वाइस चेयरमैन सोमवती मीणा पत्नी जगदीश मीणा, विराटनगर नगरपालिका चेयरमैन देशराज सैनी जी,वाईस चेयरमैन श्री महेश वर्मा सहित नवनिर्वाचित पार्षदों के सम्मान में भव्य विजय जुलूस निकाला गया। ढोल-नगाड़ों की गूंज, आतिशबाजी और कांग्रेस कार्यकर्ताओं की नारेबाजी के बीच निकले विजय जुलूस में कार्यकर्ताओं और समर्थकों का उत्साह देखते ही बना। जगह-जगह लोगों ने पुष्प वर्षा कर, माला-साफा पहनाकर एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। विजय जुलूस की शुरुआत पावटा के सुभाष चौक से हुई। यहां से जुलूस कस्बे के प्रमुख मार्गों से होता हुआ प्रागपुरा के सुभाष चौक पहुंचा। जुलूस में बड़ी संख्या में कांठोस कार्यकर्ता एवं समर्थक हाथों में पार्टी के झंडे लेकर शामिल हुए। ढोल-नगाड़ों की धुन पर कार्यकर्ता उत्साह के साथ नारेबाजी करते हुए आगे बढ़ते रहे। मार्ग में जगह-जगह लोगों ने नवनिर्वाचित चेयरमैन, वाइस चेयरमैन एवं पार्षदों का स्वागत किया। प्रागपुरा सुभाष चौक पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक एवं कांठोस जिलाध्यक्ष इंद्राज गुर्जर ने कहा कि नगरपालिका चुनाव में क्षेत्र की जनता ने कांठोस के प्रत्याशियों पर विश्वास जताया है। उन्होंने कहा कि यह जीत कांठोस के प्रत्येक कार्यकर्ता और क्षेत्र की जनता के विश्वास की जीत है। गुर्जर ने नवनिर्वाचित चेयरमैन, वाइस चेयरमैन एवं पार्षदों को बधाई देते हुए कहा कि सभी जनप्रतिनिधि दलगत राजनीति से ऊपर उठकर क्षेत्र के विकास और आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए काम करें। जनता ने जो जिम्मेदारी सौंपी है, उस पर खरा उतरना सभी की जिम्मेदारी है। सभा के दौरान इंद्राज गुर्जर ने निकाय चुनाव के दौरान प्रशासन की भूमिका को लेकर सवाल उठाए। जुलूस में कार्यकर्ताओं का जोश और समर्थकों का उत्साह देखते ही बना। समापन पर नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों ने क्षेत्रवासियों एवं कांठोस कार्यकर्ताओं का आभार जताते हुए विकास के लिए मिलकर काम करने का भरोसा दिलाया। इस दौरान पीसीसी सचिव जगदीश मीणा, पूर्व चेयरमैन प्रकाश सैनी, सहकारिता प्रदेश उपाध्यक्ष राजेन्द्र पारीक, कांठोस नेता रामनिवास यादव, जिला कांठोस कोषाध्यक्ष धर्मेन्द्र गोयल, विराटनगर प्रधान प्रतिनिधि कन्हैयालाल गुरूजी,कच्ची बस्ती प्रकोष्ठ ज़िलाध्यक्ष रोहिताश रैगर, पावटा मंडल कांठोस अध्यक्ष सुनील बिड़ला, खेलना मंडल कांठोस अध्यक्ष वेदप्रकाश बाकोलिया,भाबरू मंडल कांठोस अध्यक्ष धर्मपाल यादव, गोविन्दपुरा धाबाई मंडल कांठोस अध्यक्ष ग्यारसीलाल जाट, बड़नगर मंडल कांठोस अध्यक्ष सागर मल वर्मा, पूर्व सरपंच कैलाश सैनी, सरपंच मनोज वर्मा, शिम्भू हाड़िया, गोपाल सोनी, महावीर चावला, अजय सैनी, राजीव डहरवाल, लीलू शेखावत, विक्रम चौधरी, केशव लाटा, राजू योगी, दशरथ यादव, रामस्वरूप अधाणा, मालीराम बाड़ीगर, सुरेश यादव, रामकरण राठी, रोशन धनकड़, ब्रजमोहन यादव सहित समस्त पावटा- प्रागपुरा नगरपालिका कांठोस पार्षद सहित कांठोस कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

मालपुरा के अंबापुरा गांव में 'ब्लाइट रोग' से टमाटर की फसल चौपट

■ किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें, कहीं आधी तो कहीं 75 फीसदी फसल बर्बाद

■ किसानों ने प्रशासन और सरकार से प्रभावित खेतों का सर्वे करवाकर मुआवजा दिलाने की मांग की है

मालपुरा। मालपुरा तहसील से करीब छह किलोमीटर दूर टोडारायसिंह रोड पर बसा अंबापुरा गांव कभी अपने स्वादिष्ट टमाटरों के लिए दूर-दराज के राज्यों तक पहचान रखता था। करीब दो हजार की आबादी वाले इस गांव की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से कृषि पर निर्भर है। यहां की मिट्टी और पानी का ऐसा मेल है कि खेतों में पैदा होने वाले टमाटरों में खट्टापन अधिक होता है, जिसे सब्जी के स्वाद के लिहाज से बेहतर माना जाता है।

यही वजह रही कि अंबापुरा के टमाटरों की दिल्ली, पंजाब और हरियाणा तक अच्छी मांग रही है, लेकिन इस बार मौसम की मार के साथ 'ब्लाइट रोग' ने किसानों की कमर तोड़ दी है। गांव के किसान बद्री पटेल ने बताया कि अंबापुरा में लंबे समय से टमाटर की खेती किसानों की आमदनी का महत्वपूर्ण जरिया रही है। उन्होंने बताया के एक समय ऐसा था जब दिल्ली, पंजाब और हरियाणा के व्यापारियों के ट्रक सीधे गांव में आकर खड़े हो जाते थे। टमाटरों की तुलाई और खरीद गांव में ही होती थी और माल दिल्ली के रास्ते पाकिस्तान तक निर्यात किया जाता था। किसानों के मुताबिक वर्ष 2015 के बाद व्यापारिक परिस्थितियों में बदलाव आने से यह कारोबार धीरे-धीरे कमजोर पड़ता गया। नवंबर 2015 की नोटबंदी के बाद व्यापार प्रभावित हुआ और बाद के वर्षों में भारत-पाकिस्तान के बीच व्यापारिक गतिविधियां प्रभावित होने से निर्यात भी बंद हो गया। बाहरी व्यापारियों का गांव में आना कम हुआ तो किसानों को स्थानीय मंडियों पर निर्भर होना पड़ा।

बद्री पटेल का कहना है के, हम किसानों से बाहरी राज्यों के व्यापारी गांव में आकर सीधे खरीद करते थे, जिससे हमें अपेक्षाकृत बेहतर भाव मिल जाता था। अब स्थानीय मंडियों के व्यापारियों को उपज बेचनी पड़ रही है, जहां उन्हें अपेक्षाकृत कम दाम मिलते हैं। ऐसे में खेती की बढ़ती लागत के बीच किसानों के लिए टमाटर की फसल पहले जैसी लाभकारी नहीं रह गई है। इस वर्ष किसानों ने उम्मीद के साथ टमाटर की खेती की। खेतों की जुताई से लेकर महंगा बीज खरीदने, नर्सरी तैयार करने, पौध की रोपाई, सिंचाई और फसल की देखभाल में किसानों ने काफी पैसा लगाया। इसके बाद अचानक तापमान में बढ़ोतरी और बेमौसम बारिश के बाद फसल में ब्लाइट रोग फैल गया।

किसानों के अनुसार रोग तेजी से फैला। किसी खेत में करीब 50 प्रतिशत पौधे नष्ट हो गए तो कहीं 75 प्रतिशत तक फसल प्रभावित हुई। कई खेतों में स्थिति इतनी खराब है कि पौधे लगभग पूरी तरह खत्म हो चुके हैं।

किसानों ने रोग की रोकथाम के लिए दवाइयों का छिड़काव भी किया, लेकिन इसके बावजूद बीमारी पर नियंत्रण नहीं हो सका। टमाटर की फसल तैयार करने में किसानों को महंगे बीज, पौध, जुताई, डीजल, सिंचाई और दवाइयों पर खर्च करना पड़ा। फसल बर्बाद होने से अब यह पूरी लागत डूबने की स्थिति में है। खेतों में सूखते और खराब होते पौधों को देखकर किसानों के सामने अगली फसल और परिवार के खर्च की चिंता भी खड़ी हो गई है।

किसानों का कहना है कि एक तरफ उपज के उचित दाम नहीं मिल रहे हैं और दूसरी ओर रोग ने बची हुई उम्मीद भी खत्म कर दी है। किसानों ने प्रशासन और सरकार से मांग की है कि संबंधित विभाग के अधिकारियों को तत्काल गांव भेजकर प्रभावित खेतों का सर्वे करवाया जाए और गिरदावरी के माध्यम से फसल खराबे का वास्तविक आकलन किया जाए। किसानों ने फसल खराबे के आधार पर नियमानुसार राहत और मुआवजा दिलाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि अंबापुरा की टमाटर खेती को बचाने के लिए केवल तत्काल राहत ही नहीं, बल्कि किसानों को फसल रोगों से बचाव के लिए कृषि विभाग की तकनीकी सहायता और समय पर मार्गदर्शन भी उपलब्ध कराया जाना चाहिए।

सामूहिक कलशाभिषेक में उमड़े श्रद्धालु

निवाई। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में नसियां जैन मंदिर में वार्षिकोत्सव को लेकर सामूहिक कलशाभिषेक किया गया जिसमें श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। जैन समाज के मीडिया प्रभारी सुनिल भाणजा एवं प्रवक्ता विमल जौंला ने बताया कि जैन नसियां मंदिर में वार्षिकोत्सव के उपलक्ष्य में सामूहिक कलशाभिषेक का आयोजन किया गया। जिसमें श्रद्धालुओं ने धी, दूग्ध, चन्दन, केसर, फल रस आदि से मूलनायक भगवान शांतिनाथ जी के पंचामृत अभिषेक किया। इस दौरान विद्वानों द्वारा रिद्धि मंत्रों के उच्चारण के बीच नाम वाचन के साथ भगवान शांतिनाथ की वृहद शांतिधारा की गई। उन्होंने बताया कि श्रीजी की माला पहनने का सौभाग्य ओमप्रकाश जैन, सतीश कुमार, चेतन जैन, जितेन्द्र कुमार, खेमचंद एवं हेमंत जैन चंवरिया परिवार को मिला।

पारिवारिक मामले में आरोपी प्रेमराज मीणा निर्दोष, पीड़ित पक्ष में खुशी

निवाई। न्यायालय ने पारिवारिक विवाद के एक महत्वपूर्ण मामले में अंतिम सुनवाई करते हुए एक अरोपी को सभी आरोपों से ससम्मान बरी करने का फैसला सुनाया है।

एडवोकेट बनवारीलाल यादव ने बताया कि पारिवारिक विवाद को लेकर न्यायालय में विचाराधीन प्रकरण में गहन छानबीन कर पत्रावली पर मौजूद साक्ष्यों एवं कानूनी तथ्यों के आधार पर अदालत के समक्ष बहस पेश हुई। जिस पर मजिस्ट्रेट सिद्धार्थ शर्मा ने वरिष्ठ अधिवक्ता द्वारा प्रस्तुत किए गए तर्क व तथ्यों से सहमत होते हुए न्यायालय ने आरोपी प्रेमराज मीणा निवासी देवली लालसोट को निर्दोष मानते हुए ससम्मान बरी करने के आदेश जारी किए है। इस मामले में संपूर्ण अदालती कार्यवाही के दौरान विधिक टीम के सदस्य एडवोकेट दिनेश चौधरी, कमल मीणा, गणेश जाट एवं एडवोकेट कजोड़ गुर्जर का विशेष योगदान रहा। अदालत द्वारा राहत प्रदान किए जाने पर पीड़ित पक्ष एवं शुभचिंतकों ने वरिष्ठ अधिवक्ता बनवारीलाल यादव व उनकी टीम का आभार व्यक्त किया एवं मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया।

न्यायालय ने पारिवारिक मामले में आरोपी को निर्दोष बताने पर मिठाई शुभचिंतक ने मिठाई बांटी ।

सार-समाचार

पंचायती राज चुनाव को लेकर आरएलपी का मंथन

फुलेरा। पंचायती राज चुनावों को लेकर राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी को लेकर फुलेरा विधानसभा क्षेत्र के सांभर लेक एवं किशनगढ़ रेनवाल पंचायत समिति क्षेत्रों के कार्यकर्ताओं की बैठक कस्बे के एक निजी गार्डन में आयोजित हुई।
बैठक में जयपुर जिला प्रभारी छूटन यादव, सह प्रभारी प्रभाती लाल, प्रदेश कार्यालय प्रभारी शंकर नारोलिया, दिनेश चौधरी एवं जिला प्रवक्ता राजेश बुनकर सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं क्षेत्र के गणमान्यजन मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जगदीश ककरालिया ने की। वहीं रामपाल रूलानिया, गोपाल नासनवा, मानाराम ठोलिया एवं महेंद्र सामोता ने संयोजक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।बैठक में आगामी पंचायती राज चुनावों को लेकर विस्तृत मंथन हुआ। विभिन्न पंचायत समिति एवं जिला परिषद क्षेत्रों से चुनाव लड़ने के इच्छुक कार्यकर्ताओं ने अपनी दावेदारी वरिष्ठ नेताओं के समक्ष रखी। संभावित उम्मीदवारों की सक्रियता, जनसंपर्क, क्षेत्र में पकड़ और जनता के बीच स्वीकार्यता को लेकर भी चर्चा की गई। इस दौरान संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, ग्रामीण क्षेत्रों में जनसंपर्क बढ़ाने तथा आमजन की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने पर जोर दिया गया। कार्यकर्ताओं ने आगामी चुनाव में एकजुट होकर पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। बैठक से कार्यकर्ताओं में चुनावी उत्साह और नई ऊर्जा का संचार हुआ।

स्वच्छता ही सेवा अभियान : उर्मिला कुमावत

चौमूं / कालाडेरा । कालाडेरा नगर पालिका क्षेत्र में निवर्तमान अध्यक्ष उर्मिला कुमावत के साधन्य में गुरुवार को नगर पालिका के पार्षदों व आमजन के सहयोग से स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत स्वैच्छिक श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया । नगरपालिका प्रशासन, पार्षदों और आमजन ने नगर पालिका अध्यक्ष उर्मिला कुमावत के साधन्य में कस्बे के सरस्वती माता मन्दिर से साफ - सफाई अभियान की शुरुआत की गई । इसके बाद सरस्वती माता मन्दिर से रवाना होकर राम कुई, संत ओलिया बाबा, होते हुए भगवा चौक पर पहुंचे। कार्यक्रम का उद्देश्य नगर पालिका क्षेत्र में स्वच्छता व व्यवहार बदलाव है। नगरपालिका अध्यक्ष, पार्षदों व आमजन ने सड़क पर झाड़ू लगाकर खुद कचरा उठाया और नगर वासियों को मौसमी बीमारियों से बचने हेतु आसपास सफाई रखने की अपील की।

मंदिर निर्माण कार्य को लेकर बैठक

निवाई। झिलायके ऐतिहासिक एवं आस्था के प्रमुख केंद्र श्री मुरली मनोहर महाराज के मंदिर परिसर में मंदिर निर्माण एवं जीर्णोद्धार को लेकर बैठक आयोजित हुई। जिसमें बनारस, कोटा व जयपुर से पधारे मंदिर के सेवादार, पुजारी एवं मंदिर विकास कमेटी के प्रमुख पदाधिकारी सम्मिलित हुए। ताराचंद बोहरा ने बताया कि बैठक में मंदिर परिसर को भव्य और आकर्षक रूप देने के लिए निर्माण कार्य में परस्पर सहयोग और भावी योजनाओं पर गहन विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान सर्वसम्मति से मंदिर के शिखर निर्माण व बाहरी भाग में सिकंदरा के पत्थर लगाने का कार्य शीघ्र करवाने का निर्णय लिया गया। इसके लिए दोनों कार्यो के कुशल कारीगरों को निर्माण कार्य का ठेका दिया गया। कमेटी द्वारा संबंधित ठेकेदार को निर्माण कार्य को शीघ्रता पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। बैठक में सभी धर्मप्रेमियों ने मंदिर के इस पावन कार्य में तन, मन व धन से पूर्ण सहयोग देने का संकल्प लिया। बैठक में जगदीशप्रसाद शर्मा, रामपाल सिंगवाडिया, बद्रीनारायण साहू, ताराचंद बोहरा, मोहनलाल सोनी, त्रिलोकचंद बोहरा व जगदीशप्रसाद निराला सहित कई पदाधिकारी मौजूद थे।

प्रान्तीय अधिवेशन की तैयारी

निवाई। अखिल राजस्थान प्रबोधक संघ के तत्वावधान में आयोजित प्रान्तीय प्रबोधक अधिवेशन की तैयारियों को लेकर 3 अक्टूबर को डाक बंगला टोंक में बैठक आयोजित होगी। जिलाध्यक्ष कन्हैयालाल बैरवा ने बताया कि अधिवेशन की पूर्व तैयारियों एवं कार्ययोजना को लेकर 3 अक्टूबर को दोपहर 3 बजे जिला मुख्यालय टोंक स्थित डाक बंगला पर बैठक का आयोजन किया जाएगा। जिलाध्यक्ष ने जिले की सभी तहसीलों के प्रबोधकों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अपने सुझाव देने की अपील की है।

नवनिर्वाचित पालिका बोर्ड का अभिनंदन

फुलेरा । व्यापार महासंघ फुलेरा की ओर से नवनिर्वाचित पालिका अध्यक्ष राजू दाधीच, उपाध्यक्ष गजेंद्र सिंह शेखावत सहित सभी पार्षदों के स्वागत एवं अभिनंदन समारोह का आयोजन गुरुवार को जोबनेर रोड स्थित मां मीरा गार्डन में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि फुलेरा के पूर्व विधायक निर्मल कुमावत रहे। इस दौरान सभी पार्षदों का साफा, माला एवं शॉल ओढ़ाकर स्वागत-अभिनंदन किया गया। फुलेरा व्यापार महासंघ अध्यक्ष मनोज आहूजा ने पालिका अध्यक्ष के समक्ष व्यापारियों से जुड़ी विभिन्न प्रमुख मांगें रखीं। इनमें व्यापार महासंघ द्वारा बाजारों के किए गए नामकरण के अनुसार हाई गेट्री बोर्ड लगवाना, नई होलसेल सब्जी मंडी स्थापित करवाना, राज बाजार के लिए रास्ता उपलब्ध करवाकर बाजार को पुनः व्यवस्थित करवाना तथा अजमेरी गेट अंडरपास का कार्य शीघ्र पूरा करवाना प्रमुख रूप से शामिल रहा।कार्यक्रम में फुलेरा की पेयजल व्यवस्था को लेकर भी चर्चा हुई। पूर्व विधायक निर्मल कुमावत ने बताया कि पेयजल योजना के तहत फुलेरा में बीसलपुर का नया पंप स्थापित करवाने के लिए 6 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत हुई है। साथ ही ठेले व्यवसायियों को व्यवस्थित करने तथा पालिका के विकास कार्यों में व्यापार महासंघ की ओर से हरसंभव सहयोग किए जाने की बात कही गई। पालिका अध्यक्ष राजू दाधीच ने व्यापार महासंघ को आश्वस्त किया कि महासंघ की प्रमुख मांगों को बोर्ड की प्रथम सभा में रखा जाएगा तथा उन्हें स्वीकृत करवाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने अजमेरी गेट अंडरपास के कार्य को लेकर रेल विभाग से समन्वय करने तथा रेलवे परिसर में सफाई व्यवस्था करवाने का भी भरोसा दिलाया।

वृद्ध मतदाताओं का सम्मान

कोटपूतली। अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर जिला निर्वाचन अधिकारी एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के निर्देशन में जिलेभर में विभिन्न स्थानों पर शतायु पर वृद्ध मतदाताओं के सम्मान कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों के दौरान लोकतांत्रिक व्यवस्था में वृद्ध मतदाताओं के योगदान एवं उनके मताधिकार के प्रति जागरूकता को सम्मानित किया गया।इस अवसर पर संबंधित अधिकारियों एवं कार्मिकों द्वारा वृद्ध मतदाताओं से संवाद कर उन्हें लोकतंत्र में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए सम्मानित किया गया। साथ ही, वृद्ध मतदाताओं को मतदान के महत्व की जानकारी देते हुए आगामी निर्वाचन में भी अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान वृद्ध मतदाताओं ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए मतदान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। अधिकारियों ने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों का लोकतांत्रिक प्रक्रिया में निरंतर योगदान नई पीढ़ी के लिए प्रेरणादायी है। ऐसे सम्मान कार्यक्रमों का उद्देश्य वृद्ध मतदाताओं के प्रति सम्मान व्यक्त करने के साथ-साथ लोकतंत्र में उनकी सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करना है।

विशाल भोजन प्रसादी

चाकसू । श्री श्याम मित्र मंडल जयसिंहपुरा (चाकसू) के तत्वावधान में आयोजित चार धाम बस सेवा यात्रा अयोध्या, काशी विश्वनाथ, प्रयागराज एवं चित्रकूट-के सफल एवं सकुशल संपन्न होने के उपलक्ष्य में गुरुवार को श्री राधा-कृष्ण (गुरु महाराज) मंदिर परिसर में विशाल भोजन प्रसादी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मित्र मंडल सदस्य अरुण सिंह लोधा ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत 21 कन्याओं को भोजन करवाकर की गई। इस दौरान कन्याओं का सम्मान भी किया गया।

मुख्यमंत्री ने फतेहपुर में कार्यकर्ताओं से आगामी पंचायत चुनाव को लेकर संवाद किया

भाजपा कार्यकर्ता पंचायत चुनाव में हर बूथ को मजबूत करें : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

सीकर, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को सीकर के फतेहपुर में कार्यकर्ताओं के साथ संवाद किया। उन्होंने कहा कि नगरीय निकाय चुनावों में भाजपा की सफलता के पीछे सबसे बड़ी ताकत कार्यकर्ताओं का परिश्रम, संगठन के प्रति निष्ठा और जनता से निरंतर संपर्क रहा है। अब हमारा लक्ष्य पंचायत चुनाव है। हमें गांव-गांव तक विकास, सुशासन और जनकल्याण के संदेश को पहुंचाना है और बड़ी जीत हासिल करनी है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि निकाय चुनाव में भाजपा ने प्रदेश में कुल 204 निकायों में बोर्ड बनाए हैं। जयपुर संभाग सहित पूरे प्रदेश के निकायों के परिणाम ऐतिहासिक रहे हैं। चूरू में 9, झुंझुनूं में 8 और सीकर में 5 निकायों में बीजेपी के बोर्ड बने हैं। यह जनादेश डबल इंजन सरकार के कामों के प्रति जनता के समर्थन को दिखाता है। उन्होंने कहा कि निकाय चुनावों में हमारे कार्यकर्ताओं ने यह साबित किया कि भाजपा का संगठन केवल चुनाव के समय तक ही सीमित नहीं रहता, बल्कि निरंतर जनता के बीच सक्रिय रहता है।

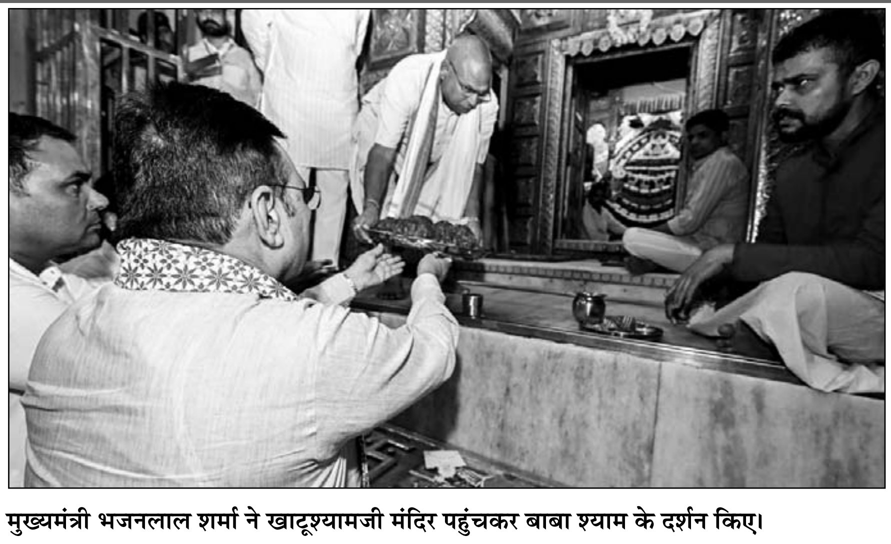

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने खाटूश्यामजी मंदिर पहुंचकर बाबा श्याम के दर्शन किए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने नागरिक देवो भव: भावना से कार्य करते हुए सीकर, झुंझुनूं, चूरू सहित सभी जिलों में विकास को गति देते हुए जनकल्याण के अभूतपूर्व कार्य किए हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आव्हान किया कि वे केंद्र और राज्य सरकारों की गरीब, किसान, युवा, महिला और ग्रामीण विकास से जुड़ी योजनाओं को पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाना सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं को जनता के बीच जाकर यह विश्वास पैदा करना है कि भाजपा का कार्यकर्ता चुनाव के बाद भी उनके साथ खड़ा रहेगा। पंचायत चुनाव में बूथ हमारा आधार और बूथ कार्यकर्ता हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। हर बूथ मजबूत,

- **'हमें गांव-गांव तक विकास, सुशासन और जनकल्याण के संदेश को पहुंचाना है और पंचायत चुनाव बड़ी जीत हासिल करनी है'**

हर गांव तक संपर्क और हर परिवार तक संवाद, यही हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। हमें नए मतदाताओं, युवाओं, महिलाओं और पहली बार राजनीति से जुड़ने वाले कार्यकर्ताओं को संगठन से जोड़ना है। पंचायत स्तर पर संगठन जितना मजबूत होगा, भाजपा की जड़ें उतनी ही गहरी होंगी।

वहीं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने खाटूश्यामजी मंदिर पहुंचकर बाबा श्याम के दर्शन किए। उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेश के विकास और आमजन की खुशहाली के लिए कामना की। इस दौरान जनप्रतिनिधि, अधिकारी और श्याम मंदिर कमेटी के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कार की डिलीवरी के नाम पर तीन लाख ठगे

अजमेर, (निसं)। कार की डिलीवरी देने के नाम पर करीब तीन लाख रुपए की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। इस संबंध में जयपुर निवासी टीकम चंद बोहरा ने अजमेर कोतवाली थाने में एक युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई है। रिपोर्ट के अनुसार, शिकायतकर्ता की एक युवक से कार की डिलीवरी को लेकर बातचीत हुई थी। आरोपी युवक ने कार की डिलीवरी देने की बात कहते हुए उसके बैंक खाते में करीब तीन लाख रुपए जमा करवाए। रकम जमा कराने के बाद कार की डिलीवरी नहीं होने पर शिकायतकर्ता को धोखाधड़ी का संदेह हुआ। इसके बाद उसने अजमेर कोतवाली थाने पहुंचकर मामले की रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। आरोपी युवक जोधपुर का निवासी बताया जा रहा है। पुलिस अब बैंक खाते में जमा कराई गई रकम, लेन-देन से जुड़े दस्तावेजों और आरोपी से संबंधित अन्य जानकारी की जांच कर रही है।

हादसे में बाइक सवार की मौत

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकटवर्ती मथानिया स्थित किरमसरिया गांव की सरहद में अज्ञात वाहन चालक ने बाइक सवार को चपेट में ले लिया। हादसे में बाइक सवार घायल हो गया। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया, मगर अस्पताल में उपचार के बीच उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को कार्रवाई के उपरांत परिजन के सुपुर्द किया। वहीं नपुलिस मामले को लेकर जांच कर रही है।

मथानिया पुलिस ने बताया कि जंभेश्वर नगर केरलानाडा भीकमकोर निवासी गोमदराम अपनी बाइक लेकर किरमसरिया गांव की सरहद से निकल रहा था। तब किसी वाहन चालक ने चपेट में ले लिया।

हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसको अस्पताल ले जाया गया, मगर बाद में उसकी मौत हो गई। मथानिया पुलिस अब अज्ञात वाहन चालक का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

झुंझुनूं के ज्वैलरी शोरूम में लूट एवं फायरिंग के आरोपी को आजीवन कारावास

- **आरोपी योगेश कुमार को इससे पहले भी चार अन्य आपराधिक मामलों में सजा हो चुकी है, वर्तमान में वह हाई सिक्योरिटी जेल अजमेर में निरुद्ध है**
- **आठवीं कक्षा तक शिक्षित योगेश कुमार जेल में रहते हुए 'जेल में ब्रांडेड कफन' नामक पुस्तक लिखने के कारण भी चर्चा में रहा है**

अजमेर, (निसं)। हाई सिक्योरिटी जेल अजमेर में निरुद्ध बंदी योगेश कुमार को झुंझुनूं के बहुचर्चित ज्वैलरी शोरूम लूट एवं फायरिंग प्रकरण में अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। आरोपी योगेश कुमार निवासी चारणवासी, झुंझुनूं को इससे पहले भी चार अन्य आपराधिक मामलों में सजा हो चुकी है। वर्तमान में वह हाई सिक्योरिटी जेल अजमेर में निरुद्ध है।

हाई सिक्योरिटी जेल अजमेर के अधीक्षक पारस जांगिड़ ने बताया कि अपर सत्र न्यायाधीश संख्या-2, झुंझुनूं के न्यायालय ने 30 सितंबर को सत्र प्रकरण में योगेश कुमार को विभिन्न धाराओं में दोषसिद्ध किया। यह मामला वर्ष 2019 में झुंझुनूं के कोतवाली थाने में दर्ज हुआ था। अदालत ने भारतीय दंड संहिता की धारा 396 के तहत योगेश को आजीवन कारावास एवं एक लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। धारा 395 में 10 वर्ष का कठोर कारावास एवं 20 हजार रुपये का जुर्माना, जबकि धारा 450 एवं 397 में सात-सात वर्ष का कठोर कारावास एवं 10-10 हजार रुपये जुर्माना लगाया गया। इसी प्रकार धारा 120-बी के तहत दो वर्ष का कठोर कारावास एवं दो हजार रुपये जुर्माना तथा आयुध अधिनियम की धारा 3/25 के तहत दो वर्ष का कठोर कारावास एवं दो हजार रुपये जुर्माना लगाया गया है। न्यायालय ने सभी मूल सजाएं एक साथ चलाने के आदेश दिए हैं।

योगेश कुमार जेल में रहते हुए'जेल में ब्रांडेड कफन'नामक पुस्तक लिखने के कारण भी चर्चा में रहा है। अधीक्षक पारस जांगिड़ के अनुसार आठवीं कक्षा तक शिक्षित योगेश ने जेल में रहते हुए अपने अनुभवों के आधार पर यह पुस्तक लिखी थी। इसमें उसने जेल जीवन, अपराध जगत और गैंग संस्कृति से जुड़े अपने अनुभवों एवं विचारों को शामिल किया है। पुस्तक के डिजिटल रूप में प्रकाशित होने के बाद यह चर्चा में आई थी। जांगिड़ ने बताया कि योगेश पहले से ही चार अन्य मामलों में सजायाफ्ता होकर हाई सिक्योरिटी जेल अजमेर में सजा भुगत रहा है। अब झुंझुनूं के लूट एवं फायरिंग प्रकरण में सुनाई गई आजीवन कारावास की सजा का नया वारंट भी जेल प्रशासन को प्राप्त हो गया है।

ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से चालक की दबकर मौत

भरतपुर, (निसं)। सेवर थाना क्षेत्र में लुधावाई के पास बुधवार देर रात सड़क हादसे में ट्रैक्टर चालक की मौत हो गई। खेत से ट्रैक्टर-ट्रॉली में चारा लेकर लौट रहे व्यक्ति की ट्रैक्टर-ट्रॉली को पीछे से आए एक ट्रक ने टक्कर मार दी थी। हादसे में ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गई और चालक उसके नीचे दब गया। गंभीर हालत में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

सेवर थाना के एएसआई राधाकृष्ण ने बताया कि हादसा रात करीब 10:30 बजे हुआ। मृतक की पहचान राजवीर सिंह गुर्जर (31) पुत्र कमल सिंह निवासी रतऊआ, थाना रुदावल के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार राजवीर ट्रैक्टर-ट्रॉली पर सवार होकर जयपुर की ओर से भरतपुर की तरफ आ रहा था। लुधावाई के पास पीछे से आए यूपी नंबर के ट्रक ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर के बाद ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गई और राजवीर उसके नीचे दब गया। हादसे में उसे गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद राजवीर को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है। हादसे में शामिल ट्रक को पुलिस ने जब्त कर लिया है। एएसआई राधाकृष्ण ने बताया कि फिलहाल मामले में मृतक के परिजनों की ओर से कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। तहरीर मिलने के बाद मामले में आगे कार्रवाई की जाएगी।

बांसवाड़ा में पांच हजार की रिश्वत लेते वनरक्षक गिरफ्तार

- **पट्टा पत्रावली को आगे बढ़ाने व वन पट्टा पत्रावली देने के लिये रिश्वत मांगी**

बांसवाड़ा/जयपुर। एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो जिला इकाई ने वन रेंज गढ़ी वन नाका तलवाड़ा के वनरक्षक भूपेश पाटीदार को 5 हजार रूपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है।

ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस गोविन्द गुप्ता ने बताया कि परिवादी ने एसीबी को शिकायत दी कि वन विभाग के परिक्षेत्र के बाहरी क्षेत्र की वन भूमि पर वह काफी समय से काबिज होकर कृषि कार्य करता आ रहा था। उक्त भूमि के पट्टे के लिये वन विभाग की ओर से सत्यापन कर पत्रावली दी जा रही थी। उक्त पट्टा पत्रावली को आगे बढ़ाने व वन पट्टा पत्रावली देने के लिये रिश्वत की मांग की जा रही है। जिस पर 30 सितम्बर को रिश्वत राशि मांग का सत्यापन कराया गया जिसमें आरोपी वनरक्षक भूपेश पाटीदार परिवादी की पट्टा फाईल देने की एवज में मोबाइल वार्ता के दौरान 6 हजार रूपये की मांग कर रहा था। परिवादी के निवेदन करने पर 5 हजार रूपये की राशि देने के लिये सहमति बनी। जिस पर एसीबी उदयपुर रेंज के उप महानिरीक्षक डॉ. रामेश्वर सिंह के सुपरविजन में एसीबी पुलिस उप अधीक्षक रतन सिंह राजपुरोहित के नेतृत्व में मय टीम ने ट्रेप कार्यवाही कर आरोपी भूपेश पाटीदार को 5 हजार रूपये की रिश्वत राशि परिवादी से ग्रहण करने पर रंगे हाथों गिरफ्तार किया। एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव के सुपरविजन में आरोपी से पूछताछ तथा कार्यवाही जारी है। आरोपी भूपेश पाटीदार के निवास की भी तलाशी जारी है। एसीबी की ओर से मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

धौलपुर में अवैध हथियार सहित हिस्ट्रीशीटर को दबोचा

किसी संगीन वारदात को अंजाम देने की फिराक में घूम रहा था आरोपी

धौलपुर, (निसं)। धौलपुर पुलिस ने अवैध हथियारों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने अवैध हथियारों सहित हिस्ट्रीशीटर नहने उर्फ अनारसिंह को गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देशन में थानाधिकारी घनश्याम उप निरीक्षक के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने कार्रवाई की। सोने का गुर्जा थाना पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान सरमथुरा रोड पर गांव खाते का पुरा रोड पर एक व्यक्ति को घूमते हुए देखा। पुलिस ने घेराबंदी कर थाना आंगई के हिस्ट्रीशीटर अपराधी नहने उर्फ अनारसिंह गुर्जर निवासी बरहाना थाना आंगई जिला धौलपुर को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से एक देशी कट्टा 315 बोर, 10 जिंदा कारतूस, 2 खाली कारतूस और एक चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस ने बताया कि आरोपी किसी संगीन वारदात को अंजाम देने की फिराक में घूम रहा था। गिरफ्तार आरोपी थाना आंगई का हिस्ट्रीशीटर अपराधी है, जिस पर एक दर्जन के करीब मारपीट, नकबजनी, चोरी, लूट, बलात्कार, अपहरण और अवैध हथियार रखने के प्रकरण जिले के विभिन्न थानों में दर्ज हैं। आरोपी शातिर अपराधी है जो अपराध करने के पश्चात फरारी काटने के लिए उत्तर प्रदेश और गुजरात भाग जाता है। कुछ दिन पूर्व ही आरोपी ने गांव कहारपुरा में रात्रि के समय अचानक फायरिंग की घटना कर दहशत फैलाई थी। पुलिस आरोपी से कड़ाई से पूछताछ कर रही है, जिससे अन्य घटनाओं के खुलासे होने की संभावना है।

धौलपुर पुलिस ने हथियारों सहित हिस्ट्रीशीटर को गिरफ्तार किया।

शराब परिवहन मामले में तीन गिरफ्तार : टोंक में निवाई थानाधिकारी घासीराम के नेतृत्व में गठित थाना टीमों निवाई के ग्राम केरोड से अवैध हथकड़ शराब का परिवहन करते हुए हेमा पत्नी रामअवतार साँसी निवासी रैगरों की ढाणी, जुगलपुरा को गिरफ्तार कर दो लीटर अवैध हथकड़ शराब जप्त की गई। इसी क्रम में अन्य थाना टीम ने रेल्वे क्रोसिंग के पास नला रोड कच्ची बस्ती चोख्या की ढाणी निवाई से अवैध देशी शराब परिवहन करते हुए आरोपी बिन्दु माली पुत्र कालूराम को गिरफ्तार किया जाकर 54 पव्वे अवैध देशी शराब जप्त किया गया है। इसी प्रकार पुलिस थाना पीपलू टीम ने क्षेत्र बगडी से पीपलू आने वाली रोड पर जीतराम लुहार पुत्र कंवरी लाल गाड़िया लुहार को गिरफ्तार कर 54 पव्वे शराब के जप्त किये गये।

जोधपुर में पुलिस कार्रवाई के दौरान तीसरी मंजिल से कूदा वांटेड युवक, मौत

नागौरी गेट थाना पुलिसकर्मियों पर हत्या, मारपीट आदि का केस दर्ज

- **युवक को पकड़ने पुलिस उसके घर गई थी, डर के मारे युवक तीन मंजिला मकान की छत पर पहुंच गया और वहां से कूदकर भागने का प्रयास किया**
- **परिजनों ने सरकारी नौकरी, मुआवजा और दोषी पुलिस कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर प्रदर्शन किया**

जोधपुर, (कासं)। शहर के नागौरी गेट थाना क्षेत्र में गायों की फाटक के पास में बुधवार रात को तीसरी मंजिल से कूदने से एक वांटेड युवक की मौत हो गई। युवक को पकड़ने पुलिस उसके घर गई थी। वहां युवक डर के मारे तीन मंजिला मकान की छत पर पहुंच गया और वहां से कूदकर भागने का प्रयास किया। इस हादसे में विद्युत तारों की चपेट में आ गया और नीचे गिरने से घायल हो गया। उसे महात्मा गांधी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई थी।

युवक की मौत को लेकर समाज की तरफ से देर रात तक एमजीएच इमरजेंसी के बाहर धरना देकर पुलिस के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया। शव बाद में एमजीएच की मोर्चरी में रखवाया गया। घटना को लेकर देर रात तक समाज के लोगों और पुलिस के बीच में समझाइश चलती रही। परिजन ने सरकारी नौकरी, मुआवजा और दोषी पुलिस कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर प्रदर्शन जारी रखा। सुबह परिजन और समाज के लोग एमजीएच मोर्चरी पर एकत्र रहे। पुलिस के आलाधिकारियों के साथ फिर से वार्ता की गई मगर समाधान नहीं निकल पाया।

परिजन ने दर्ज कराई हत्या, मारपीट और लज्जा भंग में रिपोर्ट :- मृतक के परिजन की तरफ से नागौरी गेट थाने के स्टाफ रायचंद सहित अन्य के खिलाफ हत्या, मारपीट और लज्जा भंग में रिपोर्ट दी गई है। रिपोर्ट में घर में घुसकर मारपीट का आरोप है। शव फिलहाल एमजीएच मोर्चरी में रखवाया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत के कारणों का खुलासा हो पाएगा। बताया गया कि घटना के समय मृतक बिजली तारों पर गिरा था। सीसीटीवी फुटेज के बारे में फिलहाल पुष्टि नहीं हो पाई है। मुआवजा और अन्य मांगों पर अड़े मृतक के परिजन और समाज के लोग मुआवजा, सरकारी नौकरी और दोषी पुलिस कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई को लेकर मांग कर रहे हैं।

यह है मामला :- बुधवार की रात गायों की फाटक के पास रहने वाले सद्दाम पुत्र खलील को किसी मामले में पकड़ने के लिए नागौरी गेट पुलिस उसके घर गई थी। परिजनों का आरोप है कि उसको जबरन पकड़ कर ले जा रही थीं। परिवार वालों ने कहा कि अभी आप चले जाओ और सुबह हम उसको पेश कर देंगे। लेकिन पुलिस नहीं मानी। पुलिस से घबराकर सद्दाम छत पर चढ़ गया। पुलिस भी उस क्रे पीछे ऊपर गई। गिरफ्तारी के डर से घबराकर वह तीन मंजिला घर से कूद गया और बिजली के तारों पर गिर गया। इसके बाद फिर जमीन पर गिरा।

हादसे के बाद पुलिस की गाड़ी को भीड़ ने नुकसान पहुंचाया। वहीं घायल सद्दाम को लोग महात्मा गांधी अस्पताल ले गए, जहां उसकी मौत हो गई। उसके निधन पर वहां लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया। देर शाम तक परिजनों का धरना प्रदर्शन जारी था। परिजनों ने मांग रखी है कि परिवार को 1 करोड़ की आर्थिक सहायता मिले, परिवार के सदस्य को सरकारी नौकरी, पुलिसकर्मियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाए, नागौरी गेट थाने के स्टाफ को बर्खास्त किया जाए, मृतक के परिवार को पुलिस सुरक्षा दी जाए और कोई झुठा मामला दर्ज न हो, मामले की जांच उच्च अधिकारियों से करवाई जाए, पुलिस किसी भी व्यक्ति या परिवार के सदस्य पर मुकदमा दर्ज नहीं करे और न ही परेशान करें। इस मामले को लेकर पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए मामले को अत्यंत दुखद और गंभीर बताया है।

दुष्कर्म के आरोपी को 20 साल की सजा सुनाई

डीडवाना, (निसं)। डीडवाना स्थित विशिष्ट पॉक्सो न्यायालय ने नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के मामले में बड़ा निर्णय सुनाया है। पॉक्सो न्यायालय ने दुष्कर्म के आरोपी कैलाश कटारिया को दोषी ठहराते हुए उसे 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही आरोपी पर 61 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है।

मामले में राज्य सरकार की ओर से विशिष्ट लोक अभियोजक वीरेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि यह मामला 12 अप्रैल 2025 में कुचामन सिटी पुलिस थाना में दर्ज हुआ था। मामले में नाबालिग पीड़िता ने आरोप लगाया था कि कैलाश कटारिया ने उसके साथ दुष्कर्म किया था। इस मामले में पुलिस ने आरोपी कैलाश कटारिया को गिरफ्तार किया था। इस मामले में जांच के बाद पुलिस ने कोर्ट में चालान पेश किया था। मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने न्यायालय के समक्ष कुल 32 दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत किए। इसके अलावा अभियोजन पक्ष की ओर से 18 गवाहों का परीक्षण करवाया गया। अभियोजन द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों, गवाहों के बयानों और मामले की सुनवाई के बाद न्यायालय ने आरोपी कैलाश कटारिया को दोषी ठहराया।

- **आरोपी पर 61 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया, जुर्माना अदा नहीं करने पर 6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी**

न्यायालय ने आरोपी कैलाश कटारिया को पॉक्सो एक्ट की धारा 5 (ठ)/6 के तहत 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई। साथ ही 50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया। इसके अलावा धारा 137 (2) के तहत 3 वर्ष का कठोर कारावास, धारा 127 (2) के अंतर्गत 1 वर्ष का कठोर कारावास तथा धारा 351 (2) के तहत 2 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई। सभी धाराओं में कुल 61 हजार का जुर्माना लगाया गया। न्यायालय के आदेश के अनुसार जुर्माने की राशि अदा नहीं करने पर आरोपी को 6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। मामले में राज्य सरकार की ओर से विशिष्ट लोक अभियोजक वीरेंद्र सिंह राठौड़ ने अभियोजन पक्ष की पैरवी की। वहीं आरोपी की ओर से अधिवक्ता सुरेंद्र पुरी ने न्यायालय में पक्ष रखा।

राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड
कार्यालय मुख्य अभियन्ता (पीपीसी एंड पीटीडी), सप्तम तल, जीवनदीप, एल.आई.सी. भवन, लालकोठी, जयपुर

ई-निविदा सूचना: TN-02(RVU2627SLOB01359)
रा.रा.वि.उ.नि. के ऊर्जा संयंत्रों की ऊर्जा कार्य कुशलता ब्यूरो से प्रत्यायित ऊर्जा संपरीक्षक फर्मों से अनिवार्य एवं विस्तृत ऊर्जा लेखा संपरीक्षा करवाने हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण वेबसाइट www.eproc.rajasthan.gov.in (ई-निविदा हेतु), www.energy.rajasthan.gov.in/rvunl एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।
राज.संवाद/सी/26/11080 RVUN/PR-4481 अधीक्षण अभियन्ता (पीपी एंड टी सेल)

राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड
बोली आमंत्रण सूचना
132 केवी 3 फेज एस / सी ट्रांसमिशन लाइन के निर्माण, परीक्षण एवं कमीशनिंग कार्य हेतु निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। यह कार्य डीडवाना ट्रैक्शन सबस्टेशन से प्रस्तावित 132 केवी जीएसएस सांवासा लाइन तक (लगभग 18 किमी) श्रम अनुबंध पर, रेलवे डिपॉजिट कार्य के अंतर्गत किया जाना है। यह निविदाएं इच्छुक बोलीदाताओं से विनिर्देश संख्या RVPN/EHV/BN-9018002615 और VPN2627WSOB01536 के विरुद्ध दिनांक 22.10.2026 को अपराह्न 05:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं।
बिड के अन्य विवरण खरीद पोर्टल पर देखे जा सकते है (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in) एवं www.energy.rajasthan.gov.in/rvpnl।
अधीक्षण अभियन्ता (कॉन्ट्रैक्ट्स-I), जयपुर
राज.संवाद/सी/26/11076 रा.रा.वि.प्र.नि./TR-7823/2026

OFFICE OF THE CHIEF ENGINEER WATER RESOURCES ZONE KOTA
क्रमांक-F.159/CEWRZ/JWR/e-NIB-15/2026-27/12540 दिनांक-24.09.2026
e-NIB No.- 15/2026-27
Bids for "Construction of post office building, Sports Ground, Buried Ground, Internal roads with Drains and additional no of Anganwadi, Community Building, & Temple for displaced people at Rehabilitation & Resettlement Colony, Village - Chhatarpura, Gram Panchayat-Dadha, Tehsil Atru, District Baran, under the Parwan Major Irrigation Project" (Est. Cost Rs 3205.98 Lac) including GST @18% is invited from interested eligible bidders from 28.09.2026 (9:30 Hr) to 21.10.2026 till 18:00 Hr. other particulars, terms & conditions may be seen on the procurement portal. https://eproc.rajasthan. gov.in, https://sppp.rajasthan. gov.in, www.dipr.rajasthan.gov. in & www.water rajasthan.gov.in.
UBN No. WRD2627WLOB00707
Chief Engineer
Water Resources Zone, Kota
DIPR/C/16751/2026

कार्यालय उप वन संरक्षक, झालावाड़
Email ID:dcfjhalawar1967@gmail.com,Phone No.07432-232230
कमांक एफ () स्टोर/उवसं/2026-27/11012 दिनांक : 28.9.26
अल्पकालिन खुली ई-निविदा सूचना संख्या 40/2026-27
इस कार्यालय के अधीन रेंज डग मे स्थित नगर वन उद्यान कायावर्णेश्वर में चेनलिंक फेंसिंग के आधार के लिए 2000 Rimt लंबाई और 0.45 मीटर ऊंचाई वाली बाउंड्री वॉल का निर्माण (अनुमानित लागत 43,52,793/- रुपये) को सम्पादित करनें हेतु निविदानुसार सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से दिनांक 05.10.2026 को दोपहर 01.00 बजे तक ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।
निविदा एवं संविदा की शर्ते मय विवरण कार्यालय समय में इस कार्यालय में एवं http://eproc.rajsthan.gov.in, www.sppp.raj.nic.in साईट पर देखी जा सकती है।
NIB No. FOR2627A1901
UBN No. FOR2627WSOB02808
E-Proc Tender ID 2026_EORES_601505_1
(सागर पंवार IFS)
उप वन संरक्षक
झालावाड़
DIPR/C/17023/2026

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
प्रभास्मि शशि सूर्ययोः
कार्यालय अधीक्षण अभियंता (PMSG) पुराना पॉवर हाऊस, बनीपार्क, जयपुर, ईमेलः sepmsuryaghar@jvvnl.org
ई-निविदा सूचना
पात्र बोलीदाताओं से जयपुर डिस्कॉम में प्रधानमंत्री सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत यूटिलिटी-नेतृत्वित एग्रीगेशन (कैपेक्स) मॉडल के माध्यम से ग्रिड-संयोजित रूफटॉप सोलर संयंत्रों हेतु 3,500 उपभोक्ताओं पर नेट मीटरिंग आधारित सौर संयंत्रों के डिज़ाइन, इंजीनियरिंग, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण एवं कमीशनिंग तथा 5 वर्ष के संचालन एवं अनुरक्षण (O&M) के साथ अतिरिक्त 5 वर्ष के O&M कार्य के लिए प्रतिस्पर्धात्मक निविदा प्रक्रिया के माध्यम से द्वि-भागीय ई-निविदाएँ (टेक्नो-कमर्शियल बोली एवं वित्तीय बोली) आमंत्रित की जाती हैं। (UBIN: VVN2627WSOB00533) इच्छुक बोलीदाता दिनांक 01.10.2026 से ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://www.eproc.rajasthan.gov.in से निविदा दस्तावेजों का पूर्ण सेट डाउनलोड कर सकते हैं। ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन निविदाएँ प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय 14.10.2026 को सायं 05:00 बजे तक है। कार्य, निविदा सूचना एवं तकनीकी विशिष्टताओं संबंधी विस्तृत जानकारी हेतु http://www.eproc.rajasthan.gov.in, http://www.sppp.rajasthan.gov.in तथा www.energy.rajasthan.gov.in/jvvnl वेबसाइटों का अवलोकन किया जा सकता है।
राज.संवाद/सी/26/11084 जेपीआर-3241 (2026) अधीक्षण अभियंता (पीएम सूर्य घर)
बिजली शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6507

राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्
भू- तल, ब्लॉक-6, डॉ.एस. राधाकृष्णन शिक्षा संकुल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर
फोन नं: 0141-2700459, E-Mail:- RAJSMSA.CIVIL@RAJASTHAN.GOV.IN
क्रमांक :- F-5(1)(325)RCSCE/Civil/NIT 2026-27 /2026/D-4046 दिनांक :- 29/09/2026
CORRIGENDUM
अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या 12 (सिविल)/2026-27
राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा एवं आयुक्त स्कूल शिक्षा, राजस्थान की ओर से राज्य एवं केन्द्र सरकार के राजकीय/अर्द्धशासकीय/स्वायत्तशासी निकायों में सक्षम श्रेणी में निर्माण कार्यो हेतु पंजीकृत संवेदकों से समग्र शिक्षा वार्षिक कार्य योजना एवं बजट वर्ष 2021-2022, 2022-23, 2023-24, 2024-25, 2025-26, 2025-26 (Supplementary), राज्य मद 2025-26, लेखानुदान की बजट घोषणा वर्ष 2024-25 (Phase-I, II, III, IV, V, VI, VII) एवं पी.एम. श्री. वर्ष 2025-26, नाबार्ड RIDF XXVIII, डी.एम.एफ.टी., एम.एल.ए. लेड, इत्यादि योजनान्तर्गत स्वीकृत 167 राजकीय विद्यालय/केजीबीवी में डाईनिंग हॉल के निर्माण/मरम्मत कार्यो हेतु ई-निविदा सूचना सं. 12 (सिविल)/2026-27 का प्रकाषन करवाया गया था। जिसमें निम्नानुसार संशोधन है:-
निविदा की अन्य शर्ते यथावत रहेगीं।

क्र.	प्रकाशित निविदा के अनुसार	संशोधन उपरांत निम्नानुसार पढ़ा जावे
1	क्र सं. 15 पर विद्यालय का नाम GUPS KRISHAN NAGAR KALAN एवं यू-डाईस कोड 8150119901 के स्थान पर।	विद्यालय का नाम GOVT. UPPER PRIMARY SCHOOL KALYAN SINGH KI SIDD एवं यू-डाईस कोड 8150104804 पढा जावें ।
2	उक्त प्रकाशित ई निविदा में निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने की अंतिम दिनांक 04.10.2026 को सायं 06.00 बजे एवं निविदा खोले जाने की दिनांक 05.10.2026 को अपरान्ह 2.00 बजे थी।	उक्त ई निविदा में संशोधन उपरांत निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने की अंतिम दिनांक 06.10.2026 को सायं 06.00 बजे तक एवं निविदा खोले जाने की दिनांक 07.10.2026 को अपरान्ह 2.00 बजे एवं तक पढा जावें।

UBN NO.- RSE2627WSOB01381
राज्य परियोजना निदेशक
समग्र शिक्षा
राज.संवाद/सी/26/11097

जयपुर विकास प्राधिकरण
इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरु मार्ग, जयपुर-302004
क्रमांक : जविप्रा/अधि.अभि. (विद्युत-चतुर्थ) जॉब नं.188-2026-27/डी-1161 दिनांक : 30.09.2026
निविदा सूचना
निविदा सूचना : जविप्रा-11/2026-27
जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा **Shifting/dismantling of LT/HT lines, Transformer etc. which are occurring hinderence during development and road widening work from Sodala to gurjar ki thadi, New sanganer road, JDA,Jaipur** जिसकी अनुमानित लागत राशि रू 181.86 लाख के लिए ऑनलाईन बिड्स दिनांक 12.10.2026 को सायं 6:00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा बोली का ऑनलाईन आवेदन व भुगतान जविप्रा पोर्टल पर करने की अन्तिम तिथि 12.10.2026 को सायं 6.00 बजे तक है। निविदा बोली के दस्तावेजों का विस्तृत विवरण **www.sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in & www.jda.rajasthan.gov.in** पर देखा जा सकता है।
(UBN No JDA2627WSOB00354)
निविदा में भाग लेने वालो को निम्न शर्तो की पूर्ति करनी होगी ।
1.निविदादाता जयपुर विकास प्राधिकरण की वेबसाईट **www.jda.rajasthan.gov.in** पर पंजीकृत हो एवं निविदा में भाग लेने के लिए बोलीदाता को आवेदन करने के लिए दस्तावेज शुल्क, अमानत राशि, आर.आई. एस. एल. प्रोसेसिंग शुल्क ऑनलाईन जमा करनी होगी ।
2. ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने के लिए निविदादाताओं का राजस्थान सरकार के ई-प्रोक्यूरमेंट पोर्टल **www.eproc.rajasthan.gov.in** पर पंजिकृत हो।
राज.संवाद/सी/26/11185 अधिशाषी अभियन्ता (विद्युत-चतुर्थ)

राजस्थान सरकार

सेवा संकल्प अभियान – जन सेवा ही प्रभु सेवा

(17 सितम्बर-17 अक्टूबर 2026)

सपनों की उड़ान
सशक्त युवा संवाद कार्यक्रम

"नई किरण" – नशा मुक्ति पोर्टल का शुभारंभ

"प्रतिभा", "खेल मित्र" एवं "खेलो राजस्थान" गेम्स पोर्टल का शुभारंभ

"स्मार्ट मूल निवास" प्रमाण-पत्र सेवा का शुभारंभ

बीकानेर, हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर, बारां, बूंदी, झालावाड़ एवं कोटा जिलों के

₹3075 करोड़

के 668 विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण

मुख्य अतिथि

श्री भजनलाल शर्मा

माननीय मुख्यमंत्री

शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, ऊर्जा, सिंचाई, पेयजल, कृषि, ग्रामीण विकास एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं से हो रहा कायाकल्प

शिलान्यास

- **जल संसाधन विभाग के 38 कार्य** (लागत राशि 1850.27 करोड़ रुपए)
- **सार्वजनिक निर्माण विभाग के 297 कार्य** (लागत राशि 558.80 करोड़ रुपए)
- **स्वायत्त शासन विभाग के 2 कार्य** (लागत राशि 89.38 करोड़ रुपए)
- **बीकानेर में एकीकृत योग, आयुर्वेद एवं प्राकृतिक चिकित्सा महाविद्यालय का निर्माण कार्य** (लागत राशि 35.05 करोड़ रुपए)
- **ऊर्जा विभाग के 2 कार्य** (लागत राशि 25.25 करोड़ रुपए)
- **स्कूल शिक्षा विभाग के 61 कार्य** (लागत राशि 28.53 करोड़ रुपए)
- **नगरीय विकास विभाग के 2 कार्य** (लागत राशि 14.90 करोड़ रुपए)
- **चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के 14 कार्य** (लागत राशि 10.73 करोड़ रुपए)
- **वन विभाग के 3 कार्य** (लागत राशि 6 करोड़ रुपए)
- **कृषि विपणन विभाग के 7 कार्य** (लागत राशि 5.67 करोड़ रुपए)
- **ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग के 2 कार्य**
- **गांव 27 जीजी, श्रीगंगानगर में पशु चिकित्सा उपकेन्द्र निर्माण कार्य**
- **राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय, बारां में केमिकल ब्रान्च के लिए दो लैब निर्माण कार्य**
- **किशनपुरा जलापूर्ति योजना के अंतर्गत पुराने एवं क्षतिग्रस्त RCC CWR के स्थान पर नए RCC CWR एवं SSF का निर्माण एवं कमीशनिंग कार्य, उपखंड खाजूवाला**

लोकार्पण

- **ऊर्जा विभाग के 33 कार्य** (लागत राशि 153.85 करोड़ रुपए)
- **सार्वजनिक निर्माण विभाग के 93 कार्य** (लागत राशि 105.33 करोड़ रुपए)
- **जल संसाधन विभाग के 7 कार्य** (लागत राशि 72.26 करोड़ रुपए)
- **स्वायत्त शासन विभाग के 15 कार्य** (लागत राशि 52.59 करोड़ रुपए)
- **चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के 8 कार्य** (लागत राशि 16.49 करोड़ रुपए)
- **कृषि विपणन विभाग के 15 कार्य** (लागत राशि 12.51 करोड़ रुपए)
- **वन विभाग के 8 कार्य** (लागत राशि 10.84 करोड़ रुपए)
- **स्कूल शिक्षा विभाग के 22 कार्य** (लागत राशि 4.85 करोड़ रुपए)
- **राजकीय महाविद्यालय छत्तरगढ़ भवन का निर्माण कार्य** (लागत राशि 6 करोड़ रुपए)
- **कृषि विभाग के 5 कार्य** (लागत राशि 4.43 करोड़ रुपए)
- **गृह विभाग के 2 कार्य** (लागत राशि 4.26 करोड़ रुपए)
- **ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग के 18 कार्य** (लागत राशि 2.94 करोड़ रुपए)
- **आयुर्वेद विभाग के 5 कार्य** (लागत राशि 1.39 करोड़ रुपए)
- **सहकारिता एवं पशुपालन विभाग के 2-2 कार्य**

राजस्थान संवाद

02 अक्टूबर, 2026 | अपराह्न 12 बजे | भवानी निकेतन महाविद्यालय, विद्याधर नगर, जयपुर

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

रोनाल्डो ने राष्ट्रीय टीम के कोच की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद उन्होंने पुर्तगाल फुटबॉल फेडरेशन के अध्यक्ष पेड्रो प्रोएन्सा से बातचीत की है। सही समय आने पर पुर्तगाल के फैंस को अपने जाने की असली वजह बताएंगे। - क्रिस्टियानो रोनाल्डो

पुर्तगाल टीम के खिलाड़ी, टीम का ट्रेनिंग शिविर छोड़ने को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

रोहित शर्मा

भारतीय सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा की नजरें 2027 में होने वाले आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्वकप पर टिकी हैं। रोहित ने कप्तान शुभमन गिल, 2027 विश्वकप की तैयारियों और भारत के लिए एक और विश्वकप जीतने की अपनी इच्छा पर बात की। शुभमन गिल की कप्तानी के बारे में रोहित ने कहा कि गिल का क्रिकेटिंग दिमाग शानदार है और कप्तान के तौर पर अभी उनके प्रदर्शन का आकलन करना जल्दबाजी होगी। शुभमन गिल का क्रिकेटिंग दिमाग शानदार है, इसमें कोई शक नहीं। वह करीब एक साल से कप्तानी कर रहे हैं इसलिए इतनी जल्दी उनके कप्तान के रूप में आकलन करना उचित नहीं होगा।

क्या आप जानते हैं ?... एशियन गेम्स 2026 में भारत का प्रदर्शन शानदार रहा है और अब तक भारतीय खिलाड़ियों ने कुल 65 से 66 पदक अपने नाम किए हैं।

देवेंद्र शेखावत क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 1 अक्टूबर। अंडर-14 मानसून कप में देवेंद्र शेखावत क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 304 रन 5 विकेट के नुकसान पर बनाएं कोशैलेंद्र सिंह राजावत ने 180 और राजवीर ने 42 रनों का योगदान दिया।कैंडलविक क्रिकेट अकादमी की ओर से युग शर्मा ने 2 विकेट लिए।लक्ष्य का पीछा करने उतरी कैंडलविक क्रिकेट अकादमी 28 ओवर में 113 रन पर ऑल आउट हो गई।आरव शर्मा ने सर्वाधिक 49 रनों का योगदान दिया। देवेंद्र शेखावत क्रिकेट अकादमी की ओर से समर्थ ने 3 और काव्यांशु राजपुरोहित ने 2 विकेट लिए।मैन ऑफ द मैच कौशलेंद्र सिंह राजावत को चुना गया।

जयपुर में रणवीर अलाहबादिया और दीपक चाहर ने किया शूट

जयपुर, 1 अक्टूबर। जयपुर में हाल ही में क्रिकेटर दीपक चाहर और लोकप्रिय पॉडकास्टर-डिजिटल क्रिएटर रणवीर अलाहबादिया ने एक मोबाइल कंपनी के कैंपेन के लिए अलग-अलग लोकेशनों पर शूटिंग की। रणवीर अलाहबादिया ने आमेर की मीना-पात्रा कुंड और कूकस रोड पर शूट किया, जहां पहाड़ियों और ऐतिहासिक माहौल के बीच कई शॉट फिल्माए गए। शूटिंग पूरी करने के बाद एयरपोर्ट पर फैंस ने उन्हें पहचान लिया और उनके साथ फोटो भी खिंचवाई। वहीं दीपक चाहर ने सिटी पैलेस, हवा महल और जवाहर सर्किल जैसे प्रमुख स्थानों पर शूटिंग की। जवाहर सर्किल में शूट के दौरान वे हाथ में क्रिकेट बॉल लेकर मोबाइल पर वीडियो देखते हुए नजर आए। इस दौरान वहां मौजूद पर्यटकों की भीड़ जुट गई और लोग उनके साथ फोटो और वीडियो बनाने लगे। दोनों ने जयपुर की ऐतिहासिक और खूबसूरत लोकेशनों को अपने कैंपेन में शामिल किया, जिससे शहर की विरासत और आकर्षण भी सामने आया।

टीम मेफेयर पोलो ने 8-5 के स्कोर से जीता सेमीफाइनल मैच

जयपुर, 1 अक्टूबर। वार्षिक सितम्बर जयपुर पोलो सीज़न 2026 के अंतर्गत भावनगर पोलो ट्रॉफी (08 गोल्स) के लिए गुरुवार को राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर टीम स्टर्नहेगन और टीम मेफेयर पोलो के बीच पहला सेमीफाइनल मुकाबला खेला गया। टीम मेफेयर पोलो ने 8-5 के स्कोर से टीम स्टर्नहेगन को हराकर यह मुकाबला जीत लिया। विजेता टीम मेफेयर पोलो से मार्टिन कार्लोस डोनोवन ने 4 गोल और कुलदीप सिंह राठौड़ ने 2 गोल किए। वहीं, जयवीरसिंह गोहिल और रणशय पुरोहित ने 1-1 गोल हासिल किया। दूसरी ओर, टीम स्टर्नहेगन से डेन जोशुआ सीसाज़र ने 4 गोल हासिल किए, जबकि डीनो धनखड़ ने 1 गोल किया। टीम से अशोक चांदना और एलन शॉन माइकल भी खेले।

टूर्नामेंट का दूसरा सेमीफाइनल आज - भावनगर पोलो ट्रॉफी के लिए कल 2 अक्टूबर को राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर शाम 4.30 बजे से दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला आयोजित होगा। इस मुकाबले में टीम नेवी पोलो और टीम मेफेयर 84 आमने-सामने होंगी। वहीं, टूर्नामेंट का फाइनल शनिवार, 3 अक्टूबर को नाइट पोलो में खेला जाएगा।

विंडीजके खिलाफ तीसरे वनडे से प्रसिद्ध बाहर

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर। वेस्टइंडीज के भारत दौरे के बीच भारतीय टीम में दो अहम बदलाव किए गए हैं। तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा बाएं पैर की हैमस्ट्रिंग में चोट के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे वनडे में नहीं खेल पाएंगे। उन्हें गुवाहाटी में खेले गए दूसरे वनडे के दौरान चोट लगी थी। चयन समिति ने प्रसिद्ध कृष्णा की जगह अनशुल कांबोज को वनडे टीम में शामिल किया है। कांबोज चंडीगढ़ में टीम के साथ जुड़ेंगे।

भारतीय क्रिकेट टीम ने श्रीलंका को 144 रनों से रौंदकर फाइनल में बनाई जगह

स्वर्ण पदक मुकाबले में पाकिस्तान से होगा सामना

निशिन, 1 अक्टूबर । भारतीय क्रिकेट टीम ने एशियन खेल 2026 के दूसरे सेमीफाइनल में श्रीलंका को 124 रनों से रौंदकर फाइनल में प्रवेश कर लिया है, जहां स्वर्ण पदक मुकाबले में उनका सामना शनिवार को पाकिस्तान से होगा। श्रीलंका ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए ईशान किशन के नाबाद अर्धशतक (80 रन) और वैभव सूर्यवंशी को 38 रनों की बदौलत निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट पर 169 रन बनाए, जवाब में श्रीलंकाई टीम 9.5 ओवर में केवल 45 रनों पर सिमट गई।

170 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम की खराब शुरुआत रही और जसप्रीत बुमराह ने पहले ही ओवर में सिनेथ जयवर्धने (00) और सोहन डी लिवेरा (00) को पवेलियन भेज दिया। दूसरे ओवर में अक्षर पटेल गेंदबाजी करने आए और पहली ही गेंद पर लसिथ क्रूसपुल्ले (00) भी रन आउट हो गए। इसके बाद अक्षर पटेल ने चौथे ओवर में कप्तान सहान अराचिगे (09) और आशेन बंडारा (00) को पवेलियन भेजकर श्रीलंका का स्कोर 5 विकेट पर 18 रन कर दिया। पांचवें ओवर में वॉशिंगटन सुंदर को दो छक्के लगाने के बाद नुवानिदु फर्नांडो 31 के कुल स्कोर पर 15 रन बनाकर रन आउट हो गए। सुंदर ने गेंद ऑफ स्टंप के बाहर डाली फर्नांडो ने बैकफुट पर जाकर बैकवर्ड पॉइंट की तरफ़ गेंद को धकेला और दौड़ पड़े, चमिका करुणारत्ने ने पहले तो प्रतिक्रिया दी लेकिन फिर रुक गए लेकिन तब तक फर्नांडो बीच पिच पर आ चुके थे, अक्षर के आसान थ्रो पर संजू सैमसन विकेट की गिल्ली उड़ाकर फर्नांडो को पवेलियन भेज दिया।

सातवें ओवर में 33 के कुल स्कोर पर सुंदर ने वनुजा सहान (01) को आउट कर श्रीलंका को सातवां झटका दिया। सहान ने रिवर्स स्वीप किया और गेंद सीधे फर्स्ट स्लिप में चली गई और अभिषेक शर्मा ने आसान-सा कैच पकड़ा। 10वें ओवर में 45 के कुल स्कोर पर तिलक वर्मा ने सीधे थ्रो पर थरिंदु रत्नायके को रन आउट कर श्रीलंका को आठवां झटका दिया। रत्नायके ने 5 रन बनाए। श्रीलंकाई पारी में यह तीसरा रन आउट था।

इसी ओवर में अगली दो गेंदों पर अभिषेक शर्मा ने दो विकेट लेकर केवल 45 रनों पर श्रीलंकाई पारी का अंत किया। अभिषेक के इस ओवर में केवल 5 गेंदों पर श्रीलंकाई टीम के 3 विकेट गिरे, अभिषेक की चौथी गेंद पर चमिका करुणारत्ने (04) को संजू सैमसन ने स्टम्प आउट किया और अगली ही गेंद पर बिनुरा फर्नांडो (00) बोल्ड हो गए। इस तरह श्रीलंका की टीम की टीम 9.5 ओवर में केवल 45 रनों पर सिमट गई। भारत की तरफ से जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल और अभिषेक शर्मा ने 2-2 और वाशिंगटन सुंदर ने 1 विकेट लिया। तीन श्रीलंकाई बल्लेबाज रन आउट हुए। भारत अब स्वर्ण पदक मुकाबले में शनिवार को पाकिस्तान से भिड़ेगा, जिसने पहले सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 4 विकेट से शिकस्त दी। वहीं, कांस्य पदक मुकाबले में श्रीलंका का सामना बांग्लादेश से होगा।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने पाक को 4-3 से हराया, फाइनल में प्रवेश

काकामिगाहारा, 1 अक्टूबर। अभिषेक के आखिरी मिनट में किए गए शानदार गोल की बदौलत भारत ने रोमांचक सेमीफाइनल में पाकिस्तान को 4-3 से हराकर एशियाई खेल 2026 के पुरुष हॉकी फाइनल में जगह बना ली। गिफू प्रीफेक्चुरल ग्रीन स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भारत ने एक समय 3-0 की बढ़त बना ली थी, लेकिन पाकिस्तान ने जोरदार वापसी करते हुए स्कोर 3-3 कर दिया। इसके बाद अभिषेक ने खेल समाप्त होने से 49 सेकंड पहले निर्णायक गोल दागकर भारत को फाइनल में पहुंचा दिया।

इस जीत के साथ भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ अपना अजेय अभियान भी जारी रखा। भारत को पाकिस्तान के खिलाफ आखिरी हार 2016 के दक्षिण एशियाई खेलों के फाइनल में मिली थी। एशियाई खेलों में भी क्रेग फुल्टन की टीम का एशियाई प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ अजेय अभियान जारी है। इस जीत की एक और खास बात यह रही कि 1998 के बाद पहली बार एशियाई खेलों के हॉकी फाइनल में भारत की पुरुष और महिला दोनों टीमें पहुंची हैं। महिला टीम पहले ही स्वर्ण पदक मुकाबले में जगह बना चुकी है।

भारत ने मुकाबले की तेज शुरुआत की और पांचवें मिनट में कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। आठवें मिनट में दिलप्रीत सिंह ने गोल किया लेकिन पाकिस्तान के रिव्यू के बाद उसे रद्द कर दिया गया। भारत ने हालांकि दबाव बनाए रखा और 13वें मिनट में हरमनप्रीत ने एक और पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत की बढ़त 2-0 कर दी। शिलानंद लाकड़ा ने बाईं ओर से तेजी से आगे बढ़कर गेंद गोल के सामने पहुंचाई, जहां सुखजीत ने उसे गोल में डाल दिया। तीन गोल से पिछड़ने के बाद पाकिस्तान ने वापसी की कोशिश शुरू की। 30वें मिनट में अबू महमूद ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर अंतर 3-1 कर दिया। पहले हाफ की समाप्ति तक भारत 3-1 से आगे था। तीसरे क्वार्टर में पाकिस्तान ने दबाव बढ़ाया और 45वें मिनट में हन्नान शाहिद ने गोल कर स्कोर 3-2 कर दिया। इसके बाद 49वें मिनट में राणा वाहीद ने दाईं ओर से आई गेंद को गोल में पहुंचाकर पाकिस्तान को 3-3 की बराबरी दिला दी।

रणजी संभावितों के अभ्यास मैचों में बल्लेबाजों का दमदार प्रदर्शन

जयपुर, 1 अक्टूबर। राजस्थान क्रिकेट संघ की ओर से रणजी टीम के संभावित खिलाड़ियों के चयन के लिए आयोजित किए जा रहे तीन दिवसीय अभ्यास मैचों के दूसरे दिन बल्लेबाजों का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला।

टीम डी बनाम टीम बी : टीम डी ने पहली पारी में470 रनबनाए। टीम बी की ओर सेदानिश भाम्भू ने 3 विकेट और हेमंत कुमार ने 2 विकेटलिए। जवाब में टीम बी ने दिन का खेल समाप्त होने तक पहली पारी में303 रन पर 4 विकेटबना लिए। टीम के लिएदर्शन जैन ने 92, आर्यन जैन ने 83, अजय राज सिंह ने 26 रनबनाए।कार्तिक शर्मा 27 और कार्तिकेय चौधरी 26 रन बनाकर नाबादरहे।

टीम ए बनाम टीम सी : टीम ए ने पहली पारी में 573 रन बनाए। टीम के लिए समर्पित जोशी ने 126 और अजय सिंह कुकना ने 91 रनकी शानदार पारियां खेलीं। टीम सी की ओर से मोहित गुप्ता ने 4 विकेट और दीपक ने 2 विकेट लिए । जवाब में टीम सी ने पहली पारी में100 रन पर 4 विकेटबना लिए हैं। करण ने 31 और अनमोल ने नाबाद 29 रन बनाए। टीम ए की ओर सेआराफात ने 2 विकेट लिए।

अंडर-16 प्रतियोगिता: अलवर ने चूरू को हराया - राजस्थान क्रिकेट संघ की राज्य स्तरीय अंडर-16 एक दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में अलवर ने चूरू को हराकर जीत दर्ज की। अलवर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 193 रन पर पूरी टीम गंवा दी। टीम की ओर से अक्षित यादव ने 58, अल्फेज ने 39 तथा कृष्ण और गिरीश ने 23-23 रन बनाए। चूरू की ओर से आंजनेय शर्मा, संदीप सैनी और अभय प्रताप ने 2-2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी चूरू की टीम 94 रन पर ऑलआउटहो गई। अलवर की ओर सेनमन यादव ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 17 रन देकर 6 विकेटचटकाए और टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

44 साल बाद महिला हॉकी में स्वर्ण जीतने के इरादे से उतरेगा भारत

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर। भारतीय महिला हॉकी टीम शुक्रवार को एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक मुकाबले में गत चैंपियन चीन के खिलाफ उतरेगी। भारत की नजरें 44 साल बाद महिला हॉकी में एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक जीतने और लॉस एंजिलिस 2028 ओलंपिक के लिए क्वालीफिकेशन हासिल करने पर होंगी। भारत ने 1982 में पहली और अब तक एकमात्र बार एशियाई खेलों में महिला हॉकी का स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद टीम 1998 और 2018 में फाइनल तक पहुंची लेकिन दोनों मौकों पर उसे रजत पदक से संतोष करना पड़ा। 1998 के फाइनल में भारत को दक्षिण कोरिया और 2018 में जापान के खिलाफ हार मिली थी। अब भारतीय टीम की नई पीढ़ी इस लंबे इंतजार को खत्म करने के इरादे से मैदान में उतरेगी।

वीनू मांकड़ ट्रॉफी के लिए राजस्थान की यू-19 टीम घोषित

जयपुर, 1 अक्टूबर। वीनू मांकड़ ट्रॉफी राष्ट्रीय चैम्पियनशिप की एलीट लीग के लिए राजस्थान क्रिकेट संघ ने पहले चरण के मुकाबलों के लिए अपनी यू-19 टीम घोषित कर दी है। राजस्थान की टीम अपने मुकाबले राजकोट में खेलेगी।

राजस्थान यू-19 टीम : अक्षय चौधरी-अलवर, सुमीत सैनी-बाड़मेर, योजित चौधरी-बाड़मेर, ध्रुव ना-भरतपुर, सुमित तेजी-बीकानेर, रजत भगेल-धौलपुर, अभय शर्मा-जयपुर, शिफान खान-जयपुर, यथार्थ भारद्वाज-झालावाड़, शोभाग सिंह भाटी-जोधपुर, जगदीश चौधरी-जोधपुर, आराध्य अठावाल-कोटा, सुमित सालवी-राजसमंद, अभिषेक मूंड-सीकर, शिवम सोखल-श्रीगंगानगर। **सपोर्ट स्टाफ :** मनीष वर्मा-मुख्य कोच, अभिजीत शर्मा-कोच, किंचित नागर-कोच, मो. अहमद-कोच, उत्कर्ष कुलश्रेष्ठ-फिजियो, लोकेंद्र सिंह-ट्रेनर, करण सिंह-परफॉर्मेंस एनालिस्ट, विक्रांत यादव-टीम मैनेजर

2 अक्टूबर से कैंप, 5 अक्टूबर को रवाना होगी टीम

चयनित खिलाड़ियों का कैंप2 से 4 अक्टूबर 2026तक आरसीए एकेडमी, जयपुर में आयोजित होगा। टीम5 अक्टूबरको जयपुर से राजकोट के लिए रवाना होगी।

8 अक्टूबर - राजस्थान बनाम मध्य प्रदेश, राजकोट
10 अक्टूबर - राजस्थान बनाम मणिपुर, राजकोट
12 अक्टूबर - राजस्थान बनाम महाराष्ट्र, राजकोट
14 अक्टूबर - राजस्थान बनाम हैदराबाद, राजकोट
16 अक्टूबर - राजस्थान बनाम बड़ौदा, राजकोट

लीग चरण के बाद20 से 27 अक्टूबर 2026तक नॉकआउट मुकाबले मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन, इंदौर में प्रस्तावित हैं।

ऑल इंडिया सब जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन : गजेन्द्र सिंह शेखावत व राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने प्रतियोगिता का उद्घाटन किया

जयपुर, 1 अक्टूबर। मेजबान राजस्थान की सान्वी अग्रवाल, स्वराज तकसाली, लक्ष्यराज और तपेष्वर पूनियां ने गुरूवार से शुरू हुई ऑल इंडिया सब जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन प्रतियोगिता के क्वालिफाइंग मुकाबलों के दूसरे दौर में प्रवेष कर लिया। यहां सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेली जा रही प्रतियोगिता में लड़कियों के अंडर-17 आयु वर्ग में सान्वी अग्रवाल ने दिल्ली की देवांषी को 15-11, 15-11 से, स्वरा तकसाली ने हरियाणा की सान्वी को 15-13, 15-9 से पराजित किया। अंडर-15 लड़को के वर्ग में उत्कर्ष सिंह राठौड़ ने दिल्ली के पार्थ सिंह को 15-11, 15-6 से तथा आर्य प्रताप तकसक ने हरियाणा के कार्तिक सैनी को 15-5, 15-7 से शिकस्त दी।

लडको के अंडर-17 आयु वर्ग में महाराष्ट्र के साइराज नायसे ने असम के एकाक्ष भट्टाचार्य पर 15-6, 15-12 आसान जीत दर्ज की। लड़को के ही अंडर-15 आयु वर्ग में लक्ष्यराज सिंह नाथावत ने हरियाणा के अहसान अग्रवाल को 15-11, 15-5 से, आदित्य नारायण को केरल के रिवेष जोन को संघर्षपूर्ण मुकाबले में 15-11, 10-15, 18-16, बुरहानुद्धीन हसन ने दिल्ली के धुरव को 15-9, 15-11 से, सिद्धार्थ राज ने तेलंगाना के रूथविज को 15-13, 15-12 से हराकर दूसरे चक्र में जगह बनाई। अंडर-17 लड़को के वर्ग में तपेष्वर पूनिया ने उत्तराखंड के देवेष गुनियाल को संघर्षपूर्ण मुकाबले में 10-15, 17-15, 15-11 से षिकस्त दी। अंडर-17 लड़कियों में साक्षी सिंह ने दिल्ली की भाविका जयसवाल को 15-12, 10-15, 15-8 से पराजित किया। अंडर-15 आयु वर्ग में माही सैनी को कनार्टक की सनीधी शेखर के खिलाफ वॉक ओवर मिला। लड़को के अंडर-17 आयु वर्ग में सात्विक अग्रवाल ने केरल के ओम आर्य को 15-7, 15-6 से, तेजेष्वर पूनिया ने गोवा के आर्यन को 15-8, 15-6 से शिकस्त दी।

प्रतियोगिता का उद्घाटन राजस्थान बैडमिंटन संघ के अध्यक्ष एवं केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने किया। राजस्थान सरकार के खेल मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। राजस्थान बैडमिंटन संघ व आयोजन सचिव के.के शर्मा ने मुख्य अतिथियों का खिलाड़ियों से परिचय कराया तथा मुख्य अतिथी गजेन्द्र सिंह शेखावत व खेल मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने बैडमिंटन खेलकर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया।

// एशियाई खेल //

भारतीय पुरुष स्क्वैश टीम ने जीता कांस्य पदक

अनाहत, चिनप्पा हारी, तन्वी ने उम्मीदें जारी रखी

नागोया, 1 अक्टूबर। भारतीय पुरुष स्क्वैश टीम को गुरुवार को एशियाई खेलों के सेमीफाइनल में मलेशिया के हाथों 1-2 से हार का सामना करना पड़ा, जिससे टीम को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। वहीं, भारतीय महिला टीम भी सेमीफाइनल में हांगकांग से 1-2 से हारकर कांस्य पदक ही जीत सकी। पुरुष वर्ग में भारत की ओर से अभय सिंह ने मलेशिया के ईन यो के खिलाफ पहला मुकाबला खेला। भारत को फाइनल में पहुंचकर हांगझोउ एशियाई खेलों में जीते स्वर्ण पदक का बचाव करने की उम्मीद थी, लेकिन 28 वर्षीय अभय को 0-3 (8-11, 8-11, 8-11) से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद वीर चोटरानी ने संजय जीव के खिलाफ 3-0 (11-4, 11-8, 11-5) की शानदार जीत दर्ज कर भारत की वापसी कराई और मुकाबला 1-1 से बराबर कर दिया।

निर्णायक मुकाबले में वेलावन सेंथिलकुमार का सामना अमीशनराज चंदरन से हुआ। वेलावन ने पहला गेम 12-10 से जीता लेकिन इसके बाद वह लय बरकरार नहीं रख सके और 1-3 (12-10, 6-11, 8-11, 9-11) से हार गए। इस जीत के साथ मलेशिया ने फाइनल में जगह बना ली। इस हार के साथ भारत हांगझोउ एशियाई खेलों में जीता पुरुष टीम का स्वर्ण पदक बरकरार नहीं रख सका। हांगझोउ में आयोजित पिछले एशियाई खेल 2023 में खेले गए थे।

भारतीय महिला टीम को भी सेमीफाइनल में हांगकांग के खिलाफ 1-2 से हार मिली। भारत की 18 वर्षीय अनाहत सिंह ने दुनिया की 25वें नंबर की खिलाड़ी सिन युक चान के खिलाफ मुकाबले की शुरुआत की। अनाहत ने चार मैच प्वाइंट गंवाए और पांच गेम तक चले मुकाबले में 2-3 (11-9, 11-8, 6-11, 11-13, 10-12) से हार गईं। इसके बाद तन्वी खन्ना ने दुनिया की 40वें नंबर की खिलाड़ी का यी ली को 3-1 (4-11, 13-11, 11-9, 13-11) को हराकर भारत की उम्मीदें कायम रखीं। हालांकि, अनुभवी जोशना चिनप्पा निर्णायक मुकाबले में वापसी नहीं करा सकीं। पूर्व विश्व शीर्ष-10 खिलाड़ी जोशना को दुनिया की 39वें नंबर की खिलाड़ी हो त्जे लोक ने सीधे गेमों में हराया, जिससे हांगकांग ने मुकाबला 2-1 से अपने नाम कर फाइनल में प्रवेश किया।

नितेश सिवाच ने ग्रीको-रोमन कुश्ती में जीता ऐतिहासिक रजत

नागोया, 1 अक्टूबर। भारतीय पहलवान नितेश सिवाच ने एशियाई खेलों में पुरुषों के 97 किग्रा ग्रीको-रोमन वर्ग में रजत पदक जीतकर इतिहास रच दिया। स्वर्ण पदक के मुकाबले में नितेश को जापान के यूरी नाकाजातो के खिलाफ 0-4 से हार का सामना करना पड़ा। इस रजत पदक के साथ नितेश एशियाई खेलों में ग्रीको-रोमन कुश्ती में रजत पदक जीतने वाले पहले भारतीय पहलवान बन गए। इससे पहले भारत ने इस स्पर्धा में एशियाई खेलों में केवल चार कांस्य पदक जीते थे। ग्रीको-रोमन कुश्ती में एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक के लिए भारत का इंतजार जारी है। भारत ने आखिरी बार 1962 के जकार्ता एशियाई खेलों में इस शैली में स्वर्ण पदक जीता था। उस संस्करण में मालवा ने 52 किग्रा वर्ग और गणपत अंधालकर ने 97 किग्रा से अधिक वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किया था। नितेश ने इस प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल तक का सफर तय किया था। हालांकि, स्वर्ण पदक मुकाबले में जापानी पहलवान नाकाजातो ने उन्हें 4-0 से हराकर खिताब अपने नाम किया। नितेश को रजत पदक से संतोष करना पड़ा लेकिन उनकी उपलब्धि भारतीय ग्रीको-रोमन कुश्ती के इतिहास में महत्वपूर्ण अध्याय बन गई है।

अनीश भानवाला 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल में 7वें स्थान पर रहे

नागोया, 1 अक्टूबर। भारत के अनीश भानवाला ने गुरुवार को एची प्रीफेक्चर जनरल शूटिंग गैलरी में पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा के फाइनल में सातवां स्थान हासिल किया। इसके साथ ही एशियाई खेलों में भारत का निशानेबाजी अभियान 15 पदकों के साथ समाप्त हो गया। भारतीय निशानेबाजों ने प्रतियोगिता में तीन स्वर्ण, आठ रजत और चार कांस्य पदक सहित कुल 15 पदक जीते। अनीश 11 अंक के स्कोर पर अन्य निशानेबाजों के साथ बराबरी पर थे, लेकिन क्वालीफिकेशन में कम रैंकिंग के कारण काउंटबैक के आधार पर उन्हें बाहर होना पड़ा और उन्होंने सातवें स्थान पर अपना अभियान समाप्त किया। अनीश ने क्वालीफिकेशन में 576-17एक्स का स्कोर करते हुए नौवां स्थान हासिल किया था, लेकिन इसके बावजूद फाइनल में जगह बनाई। दक्षिण कोरिया के तीन निशानेबाज शीर्ष आठ में रहे थे, लेकिन एक देश से अधिकतम दो निशानेबाजों को ही फाइनल में जगह मिल सकती थी। इस नियम के कारण अनीश को आठवें और अंतिम क्वालीफाइंग स्थान पर फाइनल में प्रवेश मिला।

भारतीय तीरंदाज गणेश थिरुमुरु ने कंपाउंड व्यक्तिगत में जीता कांस्य

आइची-नागोया, 1 अक्टूबर। भारतीय तीरंदाज गणेश मणि रत्नम थिरुमुरु ने गुरुवार को एशियाई खेल 2026 की पुरुष कंपाउंड व्यक्तिगत तीरंदाजी स्पर्धा में कांस्य पदक जीत लिया। कांस्य पदक मुकाबले में गणेश ने वियतनाम के कोंग डुक डांग को 149-144 से हराकर पोडियम पर जगह बनाई। गणेश ने मुकाबले की शुरुआत शानदार अंदाज में की। पहले सेट में उन्होंने लगातार तीन 10 अंक हासिल किए, जबकि डांग ने 10, 9 और 10 अंक जुटाए। इसके साथ गणेश ने 30-29 की बढ़त बनाई। गणेश ने मुकाबले में कुल 14 बार 10 अंक और केवल एक बार 9 अंक हासिल किया। उनकी इस शानदार सटीकता ने भारत को कंपाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा में कांस्य पदक दिलाया। इसके साथ ही एशियाई खेलों में भारतीय कंपाउंड तीरंदाजी दल का अभियान तीन स्वर्ण और एक कांस्य पदक के साथ समाप्त हुआ।

नौकायन में मनु और प्रिंस नोबल ने जीता रजत

आइची-नागोया, 1 अक्टूबर। भारत के मनु फ्रांसिस और प्रिंस कुरिसिंकल नोबल ने एशियाई खेल 2026 में नौकायन की पुरुष स्किफ 49 (फॉर्टिनाइनर) स्पर्धा में रजत पदक जीतकर भारत को इस संस्करण का पहला नौकायन पदक दिलाया। चीन के वेन जैडिंग और लियू तान ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि हांगकांग ने कांस्य पदक हासिल किया। भारतीय जोड़ी ने नौ रेस की प्रतियोगिता में कुल 23 नेट अंक के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। चीन की जोड़ी 16 अंक के साथ पहले और हांगकांग की जोड़ी 24 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रही।

एंसी सोजन ने दो सेटीमीटर से चूका स्वर्ण

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर। भारत की लंबी कूद एथलीट एंसी सोजन ने कहा कि थकान और किस्मत ने उन्हें एशियाई खेलों में पहली बार स्वर्ण पदक जीतने से सिर्फ दो सेंटीमीटर दूर कर दिया। मुकाबले में लंबे समय तक बढ़त बनाए रखने वाली एंसी को चीन की यिंगयिंग हुआंग ने 6.55 मीटर की छलांग लगाकर पीछे छोड़ दिया। चीन की मेंगयी टैन ने 6.46 मीटर की छलांग के साथ कांस्य पदक जीता। एंसी ने बारिश के बीच नागोया सिटी मिजुहो पार्क एथलेटिक्स स्टेडियम में प्रतियोगिता के दौरान शानदार शुरुआत की।

पाकिस्तान से हारकर भारतीय पुरुष बालीवॉल टीम क्वार्टर फाइनल में बाहर

आइची-नागोया, 1 अक्टूबर। भारतीय पुरुष वॉलीबॉल टीम का एशियाई खेल 2026 अभियान गुरुवार को क्वार्टर फाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के हाथों 0-3 से हार के साथ समाप्त हो गया। पाकिस्तान ने भारत को 25-19, 25-23, 25-18 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। भारत ने पहले सेट के शुरुआती चरण में पाकिस्तान को कड़ी चुनौती दी, लेकिन बीच में लगातार पांच अंक गंवाने के बाद पाकिस्तान ने नियंत्रण हासिल कर लिया और 25-19 से सेट अपने नाम किया। दूसरे सेट में भारत ने 19-16 की बढ़त बनाकर वापसी की उम्मीद जगाई, लेकिन निर्णायक समय पर हुई गलतियों का फायदा पाकिस्तान ने उठाया और 25-23 से सेट जीतकर बढ़त 2-0 कर ली। इसके बाद तीसरे सेट में भारत वापसी नहीं कर सका और पाकिस्तान ने 25-18 से जीत दर्ज की।

यमुना जल परियोजना से शेखावाटी समृद्ध व खुशहाल होगा- भजनलाल

मुख्यमंत्री भजनलाल ने फतेहपुर में सीकर, चूरू, झुंझुनूँ के 1277 करोड़ रूपए के कार्यों का शिलान्यास, लोकार्पण किया

फतेहपुर/जयपुर, 1 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि शेखावाटी में यमुना के पानी का दशकों का इंतजार खत्म होने जा रहा है। 34 हजार करोड रुपए से अधिक की लागत की यमुना जल परियोजना के अंतर्गत,

■ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ''शेखावाटी हवेली संरक्षण योजना'' के तहत तीनों जिलों की 660 से अधिक हवेलियों को आर्थिक सहायता देकर संरक्षण कर रही है। शेखावाटी जिलों में कनेक्टिविटी सुधार के लिए राजमार्गों का विस्तार किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को फतेहपुर में सेवा संकल्प अभियान, ''जन सेवा ही प्रभु सेवा'' के अन्तर्गत, चूरू, झुंझुनूं एवं सीकर जिलों के विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास किया।

तीन पाइपलाइनों से हथिनीकुंड बैराज से सीकर, चूरू, झुंझुनूं और आसपास के क्षेत्रों तक पेयजल लाया जाएगा, जिससे ये क्षेत्र खुशहाल और समृद्ध होंगे। अपर यमुना बेसिन में रेणुका, लखवार और किशाऊ बांध से राजस्थान के हिस्से का पानी गैर-मानसून अवधि में भी लगातार आता रहेगा। उन्होंने कहा कि आज हंसियावास जलाशय परिसर में 800 करोड़ रुपये की लागत के कृत्रिम जलाशय का शिलान्यास शेखावाटी में यमुना जल लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसका काम जल्द ही शुरू किया जाएगा।

मुख्यमंत्री गुरूवार को फतेहपुर में सेवा संकल्प अभियान, ''जन सेवा ही प्रभु सेवा'' के अन्तर्गत, चूरू, झुंझुनूं एवं सीकर जिलों के विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार 'शेखावाटी हवेली संरक्षण योजना' के अन्तर्गत, झुंझुनूं, चूरू एवं सीकर में 660 से अधिक हवेलियों को आर्थिक सहायता देकर उनका संरक्षण कर रही है। इससे पर्यटन बढ़ेगा, स्थानीय लोगों को काम मिलेगा तथा पूरे क्षेत्र में समृद्धि के नए द्वार खुलेंगे। वहीं, शेखावाटी जिलों में कनेक्टिविटी सुधार के लिए भी राजमार्गों का विस्तार किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने चूरू, झुंझुनूं और सीकर जिलों के लिए 1 हजार 277 करोड़ रुपये के 83 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इसके साथ ही, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग, ऊर्जा विभाग के विभिन्न कार्यों का शिलान्यास भी किया गया।

इस दौरान, विधायक गोरधन, हरलाल सहारण, राजेन्द्र भांबू, विक्रम सिंह जाखल, जेठानंद व्यास, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, फतेहपुर नगर परिषद् सभापति अंजू भिंडा एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

स्विट्ज़रलैंड के राष्ट्रपति 5-7 अक्टूबर को भारत में

नई दिल्ली, 01 अक्टूबर। स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति गाय परमेलिन 5 से 7 अक्टूबर तक भारत की राजकीय यात्रा पर रहेंगे। उनके साथ वरिष्ठ अधिकारियों और व्यापारिक नेताओं सहित, एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी होगा। राष्ट्रपति परमेलिन इससे पहले इसी वर्ष फरवरी में नई दिल्ली में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट में भाग लेने के लिए भारत आ चुके हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने साल 2016 और फिर 2018 में स्विट्जरलैंड की आधिकारिक यात्रा की थी।

विदेश मंत्रालय के अनुसार 5 अक्टूबर को प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति परमेलिन विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग की प्रगति की समीक्षा के लिए द्विपक्षीय चर्चा करेंगे।

राष्ट्रपति परमेलिन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात करेंगे। राष्ट्रपति उनके सम्मान में आधिकारिक भोज का आयोजन करेंगी।

लग्ज़री वॉच ब्रांड ''राडो'' के शोरूम से ढाई करोड़ रूपए की चोरी

टोंक रोड़ पर शोरूम से चोर 36 मिनट में 251 घड़ियाँ चुरा कर ले गए

जयपुर, 1 अक्टूबर। गुलाबी नगरी के हाई-प्रोफाइल टोंक रोड इलाके में गुरुवार तड़के बेखौफ बदमाशों ने एक बड़ी दुस्साहसिक वारदात को अंजाम दिया। स्विटजरलैंड के लग्जरी वॉच ब्रांड ''राडो'' के एक्सक्लूसिव शोरूम का शटर तोड़कर नकाबपोश चोर महज 36 मिनट के भीतर करीब 2.5 करोड़ रुपये मूल्य की 251 कीमती घड़ियां चुरा ले गए। वारदात के वक्त शोरूम में 5 लाख रुपये तक की कीमत वाली प्रीमियम घड़ियां भी मौजूद थीं, जिन्हें बदमाशों ने पूरी तरह साफ कर दिया।

घटना की भनक गुरुवार सुबह उस वक्त लगी, जब शोरूम का स्टाफ रोजाना की तरह ड्यूटी पर पहुंचा। टूटा हुआ शटर और अंदर बिखरा सामान देखकर उनके होश उड़ गए। सूचना मिलते ही बजाज नगर थाना पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची।

सीसीटीवी फुटेज और पुलिस जांच के अनुसार, वारदात सुबह करीब साढ़े 4 बजे की है। 5 से 7 बदमाशों का गिरोह टोंक रोड स्थित शोरूम के बाहर पहुंचा। शुरुआत में शातिर चोर बेहद सामान्य बनकर शोरूम की सीढ़ियों पर बैठ गए, ताकि आने-जाने वालों को कोई शक न हो। सीढ़ियों पर बैठे-बैठे ही बदमाशों ने लोहे की दो भारी रॉड से शटर के निचले हिस्से को उखाड़ दिया। इसके बाद चार बजकर 36 मिनट पर शटर झुकते ही दो नकाबपोश बदमाश रेंगते हुए शोरूम के भीतर दाखिल हो गए, जबकि बाहर 3 से 4 बदमाश सड़क पर पहरा देते रहे और आने-जाने वालों पर नजर रखते रहे। पांच बजकर 12 मिनट पर अंदर घुसे दोनों चोरों ने शोकेस ही नहीं, बल्कि काउंटरों के ड्रॉअर्स में रखी घड़ियों को भी चुराकर अपने साथ लाए 5 बड़े बैगों में भर लिया। वारदात को अंजाम देकर सभी बदमाश आसानी से फरार हो गए।

आरएसएस ने नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटिज़न्स लागू करने की मांग उठाई

संघ के प्रचार प्रमुख आंबेकर ने कहा कि यह स्पष्ट होना चाहिए कि कौन असली भारतीय नागरिक है

नई दिल्ली, 01 अक्टूबर। देश में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) और जनगणना को लेकर चल रही चर्चा के बीच, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने एक बार फिर पूरे देश में नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटिजन्स (एनआरसी) लागू करने की पुरजोर मांग उठाई है।

दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान संघ के प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह बिल्कुल साफ होना चाहिए कि देश में कौन असली भारतीय नागरिक है और कौन नहीं?

■ प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा कि पड़ौसी देशों से भारत आए जो लोग सीएए के तहत नागरिकता के पात्र हैं, उन्हें प्रक्रिया के तहत नागरिकता दी जानी चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान सुनील आंबेकर ने दो टूक शब्दों में कहा कि अगर किसी को एनआरसी की प्रक्रिया पर कोई भी आपत्ति है, तो उनके लिए अदालत और कानून के रास्ते हमेशा खुले हैं। लेकिन सिर्फ राजनीतिक फायदों के लिए किसी भी गैर-नागरिक को भारतीय नागरिक मान लेना किसी भी कीमत पर सही नहीं है। उन्होंने कहा कि वोटर लिस्ट में गलत तरीके से जोड़े गए गैर-नागरिकों की पहचान करना बेहद जरूरी है।

इसके अलावा, कार्यक्रम के दौरान संघ के प्रचार प्रमुख ने नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) का समर्थन करते हुए कहा कि पड़ोसी देशों से भारत आए जो लोग सीएए के तहत नागरिकता के पात्र हैं, उन्हें प्रक्रिया के तहत नागरिकता दी जानी चाहिए। इसके साथ ही, उन्होंने पड़ोसी देशों में अब भी पीछे छूट गए एससी/एसटी और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लोगों पर हो रहे अत्याचारों के मुद्दे को भी गंभीरता से उठाने की बात कही।

अपने संबोधन में आगे आंबेकर ने अवैध घुसपैठ और प्रवास के मुद्दे पर पिछली सरकारों का घेराव भी किया। उन्होंने कहा कि इस गंभीर समस्या को लंबे समय तक नजरअंदाज किया गया। उन्होंने साल 1983 के इल्लीगल माइग्रेंट्स एक्ट का विशेष रूप से जिक्र किया, जिसे बाद में सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दिया था।

पंजाब की दुविधा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रहे। पंजाब कांग्रेस के प्रभारी के रूप में सचिन पायलट के दौरे दिखाते हैं कि पार्टी ऊपर से दिखाई देने वाली एकता और लंबे समय से चल रही अंदरूनी गुटबाजी के बीच फंसी हुई है। पायलट की मौजूदगी में विरोधी गुट कुछ समय के लिए तो एक साथ दिखाई देते हैं, लेकिन पायलट के जाने के बाद, उनके बीच पुराने व्यक्तिगत मतभेद और अपने-अपने प्रभाव क्षेत्र को लेकर विवाद फिर सामने आ जाते हैं।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, वड़िंग को लेकर गहरा असंतोष पहली समस्या है। दूसरी समस्या यह है कि अलग-अलग गुटों को एक ही मंच पर एकजुट नहीं किया जा सका है।

दूसरी समस्या ज्यादा कठिन है। नया प्रदेश अध्यक्ष पार्टी के लेटरहेड पर नाम तो बदल सकता है, लेकिन वह रातोंरात अलग-अलग गुटों को खत्म नहीं कर सकता। इसलिए दिल्ली को यह तय करना होगा कि वह ऐसा नेता चाहती है, जो सभी गुटों के बीच सहमति बनाने का काम करे या ऐसा चेहरा, जो किसी खास समुदाय का राजनीतिक प्रतीक बने।

अगर पार्टी का लक्ष्य शांति और संगठन में स्थिरता लाना है, तो कम विवाद एवं ध्रुवीकरण पैदा करने वाला नाम ज्यादा उपयुक्त हो सकता है। अगर लक्ष्य एक नया सामाजिक गठबंधन बनाना है, तो सिंगला अधिक आकर्षक विकल्प प्रतीत होते हैं। हाई कमान इन दोनों लक्ष्यों को एक जैसा नहीं मान सकता।

सोनिया गांधी ''इंडिया ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को कहा।

ममता बनर्जी सोनिया गांधी के बगल में बैठीं। उनके बाद सुप्रिया सुले बैठीं और उनके पास समाजवादी पार्टी के सांसद हरेन्द्र मलिक बैठे।

जब राहुल गांधी पहुंचे, तो वो खड़गे के दूसरी तरफ वाली सीट पर बैठे। उनके बगल में नेशनल कॉन्फ्रेंस के उमर अब्दुल्ला बैठे। इसके बाद एमए बेबी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य और अंत में तेजस्वी यादव और कपिल सिब्बल बैठे।

पी चिदंबरम के लिए भी आगे की पंक्ति में एक नेमप्लेट लगाई गई थी, लेकिन उनके नहीं आने के कारण वह जगह खाली रह गई।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, जब ममता बनर्जी की बोलने की बारी आई, तो उन्होंने बेहद कड़े शब्दों में मीडिया को संबोधित किया और सोनिया गांधी ने उनकी पीठ थपथपाई।

इंडिया गठबंधन की बैठक के बाद, विपक्षी दलों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग दोहराई, जबकि भारतीय जनता पार्टी ने इस गठबंधन को ''राजनीतिक अवसरवाद'' बताया।

कांग्रेस के साथ मतभेदों के कारण गठबंधन से अलग हो चुके द्रविड़ मुनेत्र कड़गम ने संसद में मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव का समर्थन करने का भरोसा दिलाया।

पंजाब का प्रभारी नियुक्त होने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विवादों की वजह से आम आदमी पार्टी या भारतीय जनता पार्टी को मिलने वाले फायदे को रोकना है।

सचिन पायलट की योजना किसी एक नेता को मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करने के बजाय, सामूहिक नेतृत्व पर केन्द्रित है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया है कि राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और मल्लिकार्जुन खड़गे चुनाव अभियान का नेतृत्व करेंगे तथा मुख्यमंत्री का फैसला कांग्रेस को बहुमत मिलने के बाद ही किया जाएगा। पार्टी का फोकस कांग्रेस को आप सरकार के एकमात्र मजबूत विकल्प के रूप में पेश करने पर है। कांग्रेस का आरोप है कि आम आदमी पार्टी की सरकार पंजाब की समस्याओं - जैसे ड्रग्स, कानून व्यवस्था और बेरोजगारी - के बजाय, अपने राष्ट्रीय नेतृत्व को प्राथमिकता देती है।

सिंगला को हिंदू चेहरे के रूप में आगे बढ़ाने के पीछे एक खास मकसद है। एक गैर-सिख नेता को प्रदेश कांग्रेस संगठन का प्रमुख बनाकर, पार्टी का केन्द्रीय नेतृत्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष को ही मुख्यमंत्री पद का संभावित उम्मीदवार घोषित करने से बचता है। इससे कांग्रेस की सरकार बनने की स्थिति में, किसी सिख नेता, जैसे चन्नी या किसी अन्य वरिष्ठ नेता, के मुख्यमंत्री बनने की संभावना बनी रहती है, साथ ही, कई दावेदारों को सामूहिक लड़ाई में शामिल रखा जा सकता है। इस फैसले का समय भी महत्वपूर्ण है। पहले सिंगला को प्राथमिकता दी जा रही थी, लेकिन भारतीय जनता पार्टी द्वारा पहले कदम उठाने के बाद कांग्रेस ने अपनी रणनीति में बदलाव किया।

पंजाब भारतीय जनता पार्टी ने जून 2026 में केवल सिंह ढिल्लों को अपना पहला प्रदेश अध्यक्ष बनाया था। ढिल्लों जाट सिख हैं और कांग्रेस विधायक रह चुके हैं। इससे संकेत मिला कि भारतीय जनता पार्टी अपने पारंपरिक शहरी हिंदू आधार से आगे बढ़कर, राजनीतिक रूप से प्रभावशाली ग्रामीण जाट-सिख क्षेत्र में भी अपना आधार बढ़ाना चाहती है, ताकि, 2027 से पहले उसे व्यापक सामाजिक समर्थन मिल सके।

ऐसे राज्य में, जहां सिख प्रतिनिधित्व आज भी राजनीति में बहुत महत्वपूर्ण है, दोनों पार्टियां अपनी लीडरशिप की छवि को नए सिरे से तैयार कर रही हैं। कांग्रेस द्वारा सिंगला को आगे करना और भारतीय जनता पार्टी द्वारा ढिल्लों को प्रदेश अध्यक्ष बनाना दिखाता है कि आने वाले चुनाव में समुदायों को दिया जाने वाला राजनीतिक संदेश और संगठन की एकता महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

कमर्शियल गैस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में वाणिज्यिक सिलिंडरों की मांग बढ़ती है, ऐसे में होटल, रेस्टोरेंट और कैटरिंग कारोबारों पर असर दिख सकता है। इससे पहले सितंबर में भी वाणिज्यिक एलपीजी सिलिंडर की कीमत 9.50 रुपये बढ़ी थी।

नर्सिंग ट्यूटर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खुदकुशी का रूप देने का प्रयास किया जा रहा है। परिजनों ने होटल के एक कर्मचारी की संलिप्तता पर भी गहरा संदेह जताया है।

'भारतीय पायलट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के निशान थे। मूसाएव ने कहा, ''उनके सिर और हाथों पर गहरे घाव थे, ऐसा लग रहा था, जैसे वे लगभग दो हिस्सों में कट गए हों।''

फ्लाई दुबई की फ्लाइट का सऊदी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दबाव को वे सहन कर सकते हैं। ये खूबियाँ एयरफ्रेम में ही शामिल होती हैं। विमान बनाते समय इन दबावों को ध्यान में रखा जाता है।

तथापि, अगर दबाव एक निश्चित सीमा से अधिक हो जाए तो विमान का ढांचा (एयरफ्रेम) टूट सकता है। लगभग आधे मिनट में करीब 20,000 फीट नीचे गिरने से विमान पर बहुत ज्यादा दबाव पड़ सकता है। इसके अलावा, विमान को नीचे की ओर मुँह करके तेजी से घूमते हुए (स्पिन करते हुए) देखा गया था।

साथ ही, कुछ विशेषज्ञों ने विमान के पिछले हिस्से में लगे , विमान को दिशा देने वाले रडर के टूटे हुए हिस्से की ओर भी ध्यान दिलाया। रडर का खराब होना एक गंभीर बात है। इसके अलावा, डेटा से पता चला कि विमान का हाइड्रोलिक सिस्टम खाली हो गया था और कुछ महत्वपूर्ण इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम भी काम करना बंद कर चुके थे।

ऐसी परिस्थितियों में विमान का सुरक्षित उतर जाना किसी चमत्कार से कम नहीं था। साथ ही, यह भी बहुत महत्वपूर्ण है कि घायल पायलट जमीन पर गिरने से पहले कॉकपिट का दरवाजा खोलने में सफल रहे। ग्यारह सितंबर की घटना के बाद, कॉकपिट के दरवाजों को इतना सुरक्षित बना दिया गया है कि बाहर से कोई आसानी से अंदर प्रवेश नहीं कर सकता। अगर पायलट अंदर से दरवाजा नहीं खोलते, तो यात्रियों के लिए अंदर जाकर विमान को संभालना लगभग असंभव होता।

ऐसी स्थिति में विमान की अचानक नीचे गिरने की गति को रोकना और फिर उसे ऊपर की दिशा में ले जाना विमान के ढांचे पर बहुत भारी दबाव डाल सकता था, जिससे विमान का ढांचा टूटकर अलग हो सकता था। इसके अलावा, को-पायलट ने विमान के कुछ जरूरी सिस्टम्स को निष्क्रिय कर दिया था। इसी वजह से विमान को तेजी से झटके खाते और घूमते हुए देखा गया।

विमान को स्थिर रखने वाले कुछ महत्वपूर्ण हिस्से, जैसे पीछे के हिस्से के पंख (टेल फिन) और अन्य स्थिर करने वाले (स्टेबलाइज़िंग) फ्लैप, भी शायद क्षतिग्रस्त हो गए थे। इसलिए विमान को इतनी जल्दी नियंत्रित करके स्थिर करना बेहद कठिन काम रहा होगा।

कुछ अनुभवी पायलटों ने सिम्युलेटर पर इस तरह के दबाव के असर को दिखाते हुए बताया कि अगर सऊदी अरब के पास के हवाई अड्डे पर विमान को जल्दी नहीं उतारा जाता, तो वह ज्यादा देर तक उड़ नहीं सकता था। विमान को तुरंत नीचे उतारने का फैसला बहुत सही था। तेल अवीव तक आगे उड़ान भरना संभव नहीं होता।

ओमान के, कई अन्य अरब देशों की तरह, इज़रायल के साथ राजनयिक संबंध नहीं हैं। ऐसी स्थिति में यह सवाल उठता है कि ओमान के एक पायलट को इज़रायल के एक शहर के लिए जाने वाली उड़ान में पायलट के रूप में काम करने की इजाज़त कैसे दी जा सकती थी, खासकर तब, जब पिछले कई वर्षों से एक गंभीर और हिंसक संघर्ष जारी है।

ओमान के ईरान के साथ दोस्ताना संबंध हैं और वह ईरान के साथ कुछ महत्वपूर्ण समझौतों पर बातचीत कर रहा है। ईरान का ओमान की आबादी के कुछ वर्गों पर काफी प्रभाव है और इसलिए उसे वहां के कुछ लोगों के बीच मित्रवत रवैया रखने वाला माना जा सकता है।

दूसरी ओर, इज़रायल अंतरराष्ट्रीय विमानन से जुड़े सुरक्षा मामलों को लेकर बेहद सतर्क रहता है।

मुख्यमंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भाजपा और जेडी (एस) के नेताओं ने फर्जी तरीके से भारी संख्या में (थोक में) फॉर्म 7 जमा किए हैं, ताकि पात्र और वास्तविक मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से कटवाए जा सकें। फॉर्म 7 का उपयोग मतदाता सूची से किसी का नाम हटाने, आपत्ति दर्ज कराने या मृत्यु की स्थिति में नाम कटवाने के लिए किया जाता है।

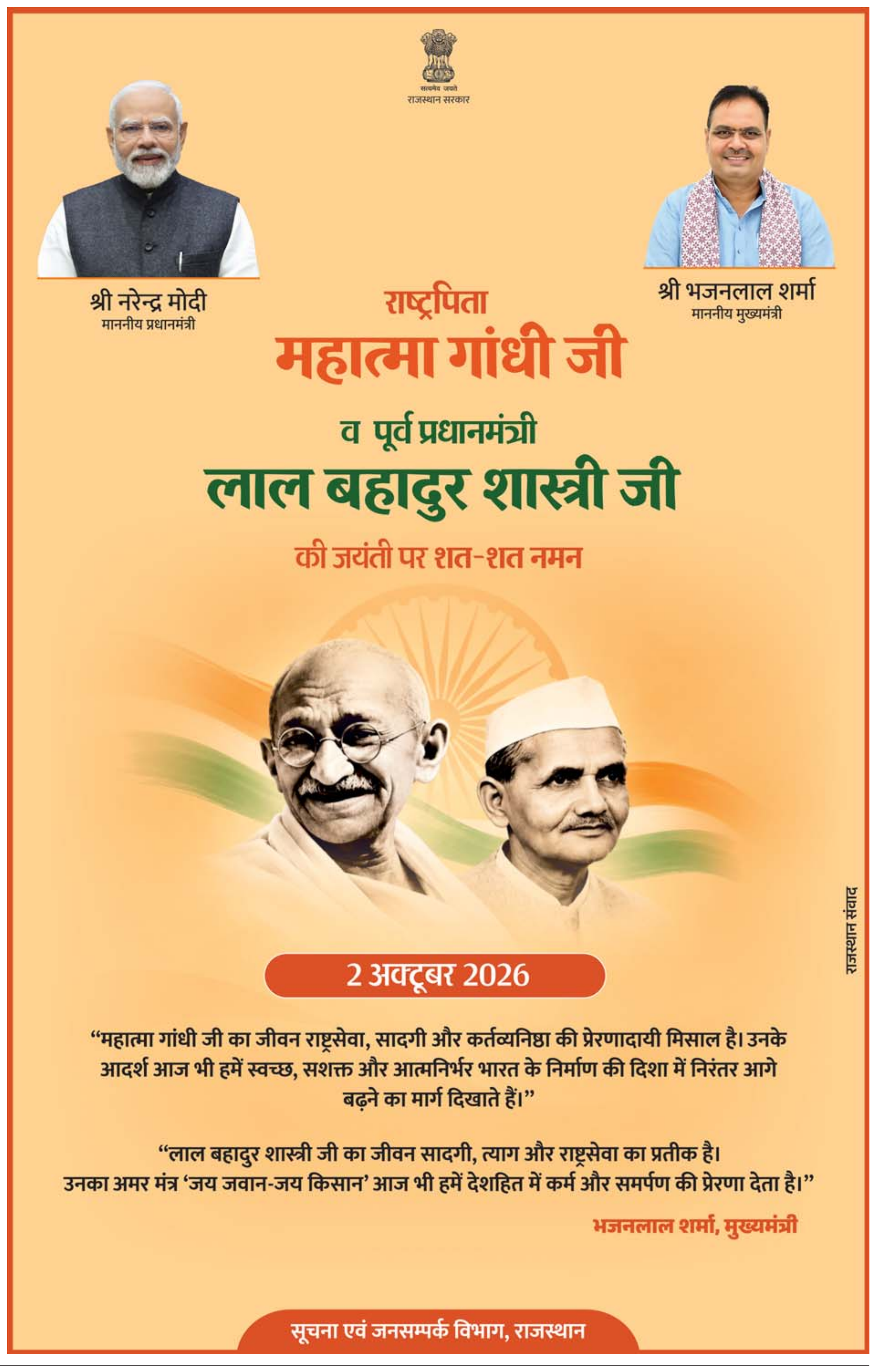

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908